खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 30 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-209

केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी जवाब दें

कहां गायब हो गया 4000 मीट्रिक टन कोयला!

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना के भाजपा नेता जी किशन रेड्डी को भारत सरकार के कोयला मंत्री होने के नाते यह बताना चाहिए कि मेघालय की दो खदानों से निकला चार हजार मीट्रिक टन कोयला कहां गायब हो गया या उसे कहां गायब कर दिया गया? ऐसे संवेदनशील मामले में चुप्पी साध कर या मेघालय के मंत्री किरमेन शायला की तरह यह कह कर कि सारा कोयला बारिश में बह गया, इससे बचा नहीं जा सकता। केंद्र के कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी भी यह जानते हैं कि कांग्रेसनीत यूपीए शासनकाल में हुआ 1.86 लाख करोड़ रुपए (या 1.86 रुपए के बाद दस शून्य) का घोटाला तो उजागर हो गया, लेकिन उसके बाद भाजपानीत एनडीए के शासनकाल में हुआ कोयला घोटाला उजागर होने से क्यों और कैसे बच गया।

बहरहाल, केंद्रीय कोयला मंत्री को फिलहाल यह तो बताना ही चाहिए कि चार हजार मीट्रिक टन कोयला किन माफिया तत्वों ने गायब किया और उसके एवज में सरकारी तंत्र को क्या मिला। यह मामला मेघालय उच्च न्यायालय तक पहुंच गया है। हाईकोर्ट ने दो कोयला खदानों अवैध रूप से खनन किया गया लगभग 4,000 मीट्रिक टन कोयला गायब होने के बाद राज्य सरकार से कार्रवाई करने और केंद्र सरकार से कार्रवाई की निगरानी के लिए कहा है। कोयला गायब होने का मामला तब उजागर हुआ जब रिटायर्ड जज बीपी कटेकी की अगुवाई वाली समिति ने अदालत में अपनी रिपोर्ट पेश की। अदालत ने कोयला से जुड़े मामलों में राज्य सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों की समीक्षा कर आवश्यक सुझाव देने सिफारिश करने के लिए कटेकी के नेतृत्व में समिति गठित की थी।

माफिया चुरा ले गया या बारिश बहा ले गया कोयला?

इससे पहले, मेघालय बेसिन विकास प्राधिकरण (एमबीडीए) ने री-भोई जिले के डिएंगन गांव स्थित एक खदान में 1,839.03 मीट्रिक टन कोयला दर्ज किया था। बाद में उसका दोबारा निरीक्षण किया गया तो वहां केवल 2.5 मीट्रिक टन कोयला ही पाया गया। इसी तरह, पश्चिमी खासी हिल्स जिले के राजाजू गांव के डिपो में केवल 8 मीट्रिक टन कोयला मिला, जबकि पहले एमबीडीए द्वारा 2,121.62 वहां मीट्रिक टन कोयला दर्ज किया गया था।

न्यायमूर्ति एचएस थांगखियू और न्यायमूर्ति डब्लू डिएंगदोह की खंडपीठ ने कहा कि यह मामला गंभीर चिंता का विषय है। अवैध रूप से खनन किया गया कोयला जब्त होने के बावजूद उसे अज्ञात लोगों द्वारा गायब कर देना अत्यंत गंभीर मामला है। अदालत ने राज्य सरकार को इस घोटाले में लिप्त सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और कोयला गायब करने वाले माफिया तत्वों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। सरकार के एक नुमाइंदे ने कहा कि सरकार ने अदालत में एक स्थिति रिपोर्ट (स्टेटस रिपोर्ट) दाखिल की है, जिसमें दक्षिण गारो हिल्स जिले में अवैध रूप से खनन किए गए कोयले के संबंध में उठाए गए कदमों और राजाजू तथा डिएंगनगन डिपो से कोयले के गायब होने का भी जिक्र है। जबकि, अदालत ने कहा कि एफआईआर दर्ज होने के संकेत के अलावा स्टेटस रिपोर्ट में और कोई जानकारी नहीं दी गई है। विडंबना यह है कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने 2014 में रैट-होल कोयला खनन पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन मेघालय में कोयले के अवैध खनन और परिवहन में कोई कमी नहीं आई। इससे पहले, कोल इंडिया लिमिटेड अवैध खनन और परिवहन से संबंधित अदालती आदेशों के बाद सूचीबद्ध कोयले की नीलामी और परिवहन की प्रक्रिया में शामिल था। ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में चली बहस में पीएम मोदी ने कहा

आतंकियों को वो सजा दी कि आकाओं की नींद उड़ी हुई है

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के कुछ खास नेताओं की ओर संकेत करते हुए कहा, जिन लोगों को भारत का पक्ष नहीं दिखता, उन्हें मैं आईना दिखाने खड़ा हुआ हूं। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, जिस तरह से देश के लोगों ने मेरा साथ दिया, मुझे आशीर्वाद दिया, देश की जनता का मुझ पर कर्ज है। मैं देशवासियों का आभार व्यक्त करता हूं और उनका अभिनंदन

करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि दुनिया के किसी भी नेता ने ऑपरेशन रोकने को नहीं कहा। पाकिस्तान के डीजीएमओ के आग्रह और अपील पर

जिन्हें भारत का पक्ष नहीं दिखता उन्हें आईना दिखाता हूं

सेना को कार्रवाई की खुली छूट पर राहुल ने जताया संदेह

गोलीबारी रोकने का निर्णय लिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने सिद्ध कर दिया है ▶10 पर

पाकिस्तान को बचाकर आपको क्या मिलेगा चिदंबरम जी?

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के बयान पर नाराजगी जताई और उनपर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि चिदंबरम पाकिस्तान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही शाह ने बताया कि हमले में शामिल आतंकियों की पहचान हो चुकी है ▶10 पर

कक्षा 3 से 12 के लिए एनसीईआरटी तैयार कर रहा मॉड्यूल

पाठ्यक्रम में शामिल होगा ऑपरेशन सिंदूर

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) कक्षा 3 से 12वीं तक के छात्रों के लिए ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष मॉड्यूल तैयार कर रहा है, ताकि छात्रों को भारत की सैन्य शक्ति के बारे में जागरूक किया जा सके। इसका उद्देश्य छात्रों को भारत की सैन्य शक्ति और पाकिस्तान को एक बार फिर कैसे परास्त किया गया, से अवगत कराना है। एनसीईआरटी छात्रों के लिए पूरक पाठ्य सामग्री के रूप में विशेष मॉड्यूल भी तैयार कर रहा है, जो प्रमुख राष्ट्रीय विषयों पर केंद्रित होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं। नई शिक्षा नीति छात्रों के समग्र विकास में अहम है।

हम शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल जल्द शुरू करेंगे : मोदी

हम शिक्षा के क्षेत्रमें नई पहल जल्द शुरू करेंगे। पीएम मोदी ने कहा, शिक्षा वह माध्यम है जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर और राष्ट्र को सशक्त बनाती है।7 मई को शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर में भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान ▶10 पर

बलूचिस्तान में सेना उठा ले गई लोगों को रिहाई की मांग पर क्वेटा में हुआ प्रदर्शन

इस्लामाबाद,29 जुलाई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में इस साल मई के आखिरी हफ्ते से गायब राजनीतिक कार्यकर्ता गनी बलूच के परिवार, रिश्तेदारों और अन्य लोगों ने संघीय सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर अपना गुस्सा जताया। क्वेटा में प्रेस क्लब के सामने हुए इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि गनी बलूच को तत्काल रिहा किया जाए। परिवार का आरोप है कि गनी को सुरक्षा बल के जवान ले गए थे। इस दौरान आरोप लगाया गया कि सेना लोगों को उठाकर ले जाती है। इसके बाद उन लोगों का कुछ भी पता नहीं चल रहा।

खबर के अनुसार क्वेटा प्रेस क्लब के सामने रविवार को हुए विरोध प्रदर्शन में परिवार ने कहा कि गनी बलूच को 25 मई को पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने हिरासत में लिया था। तब से उनके बारे में कुछ भी पता नहीं चल रहा। विरोध प्रदर्शन का आयोजन गनी बलूच के परिवार ने किया। इसमें वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी), नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के सदस्यों और जबरन गायब अन्य लोगों के रिश्तेदारों ने भाग लिया। गनी बलूच के परिवार ने बताया कि वह निराश हो चुके हैं। उन्होंने 27 मई को खुजदार पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराने की कोशिश की। एसएचओ ने शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया। लिखित आवेदन भी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अगले दिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया। वहां से भी कोई सहयोग नहीं मिला। इसके बाद बलूचिस्तान उच्च न्यायालय और खुजदार सत्र न्यायालय में याचिका दायर की। तब भी न तो कोई प्राथमिकी दर्ज की गई है और न ही कोई प्रभावी कानूनी कार्रवाई की गई।

नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ने बयान में कहा कि राजनीतिक रूप से जागरूक युवा और पार्टी सदस्य गनी बलूच को जबरन गायब करना यह दर्शाता है कि बलूच लोगों का शांतिपूर्ण राजनीतिक संघर्ष संघीय सरकार को स्वीकार्य नहीं। वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स के नेताओं ने भी इस घटना की निंदा की है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका के पूर्व नौसेना प्रमुख उलुगेटेने अपहरण और हत्या के केस में जेल भेजे गए

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व नौसेना प्रमुख निशांत उलुगेटेने को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने 15 साल

पुराने अपहरण और हत्या के केस में गिरफ्तार किया है। इस केस के कई अन्य संदिग्धों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। सीआईडी ने निशांत उलुगेटेने को पोलगाहवेला मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उलुगेटेने को न्यायिक हिरासत में केगाले रिमांड जेल भेज दिया। श्रीलंका के समाचार पोर्टल न्यूज फर्स्ट की खबर के अनुसार उनकी गिरफ्तारी 15 साल पहले के पोथुहेरा इलाके के एक व्यक्ति के अपहरण और कथित हत्या से जुड़ी है। उस समय उलुगेटेने नौसेना खुफिया विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। जांच अधिकारियों का मानना है कि पीड़ित को कथित तौर पर उलुगेटेने की कमान में संचालित एक अनधिकृत हिरासत केंद्र में रखा गया। हिरासत केंद्र से भेजे गए एक पत्र के सामने आने के बाद मामले को फिर से खोला गया और नए सिरे से जांच की गई। इस घटना के सिलसिले में कई संदिग्धों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पूर्व डीआईजी झूठी शिकायत दर्ज कराने के आरोप में गिरफ्तार इसके अलावा सीआईडी ने पूर्व डीआईजी प्रियंता जयकोडी को कथित तौर पर एक झूठी शिकायत दर्ज कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसमें दावा किया गया था कि अंडरवर्ल्ड सरगना केहलबद्दारा पद्मे ने उन्हें धमकी दी थी। पुलिस ने कहा कि पूर्व वरिष्ठ अधिकारी वर्तमान में स्वास्थ्य कारणों से कोलंबो नॉर्थ टीचिंग अस्पताल में सीआईडी की हिरासत में हैं।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान को 2023 के आठ मामलों में नहीं दी जमानत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 09

मई, 2023 के आठ मामलों में जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने उनके वकील के अनुरोध पर नोटिस भी नहीं जारी किए और इन मामलों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 12 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। खबर के अनुसार नवंबर, 2024 में लाहौर की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने 09 मई, 2023 के दंगों से संबंधित मामलों में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को जमानत देने से इनकार कर दिया था। इस केस में लाहौर कोर कमांडर के घर पर हमला भी शामिल था। जेल में बंद पीटीआई नेता ने इसे लाहौर उच्च न्यायालय में चुनौती दी। उच्च न्यायाल ने 24 जून को उनकी याचिका खारिज कर दी। इमरान ने पिछले सप्ताह लाहौर उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने इन याचिकाओं पर विचार किया। पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा अपने नेता इमरान की ओर से अदालत में पेश हुए, क्योंकि उनके मुख्य वकील सलमान सफदर देश से बाहर होने के कारण सुनवाई में शामिल नहीं हो सके। राजा ने पीठ को सूचित किया कि सफदर ने सुनवाई अगले सप्ताह तक स्थगित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने अनुरोध किया कि मामले से संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए जाएं और सुनवाई अगले हफ्ते के लिए निर्धारित की जाए।

अमेरिका में बंदूकधारी ने पुलिस अधिकारी समेत चार की जान ली, खुद को भी उड़ा लिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन के पार्क एवेन्यू में एक गगनचुंबी इमारत में सोमवार शाम घुसे बंदूकधारी ने एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों के जिस्मों को छलनी कर दिया। आखिर में पुलिस की गोली से घायल संदिग्ध बंदूकधारी ने खुद को गोलीमार कर आत्महत्या कर ली। न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम एआर-15 राइफल लेकर घुसे व्यक्ति ने गगनचुंबी इमारत में घुसकर गोलियों की बौछार कर दी। इस गोलीबारी में न्यूयॉर्क शहर के एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों की मौत हो गई। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से घायल संदिग्ध बंदूकधारी ने खुद को गोली मार ली। इस गोलीबारी में मारे गए पुलिस अधिकारी की पहचान 36 वर्षीय दीदारुल इस्लाम के रूप में हुई है। वह ब्रोंक्स पुलिस थाने में तैनात थे। पुलिस अधिकारियों ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस्लाम साढ़े तीन साल से पुलिस विभाग में थे। फिलहाल वह 345 पार्क एवेन्यू स्थित इस गगनचुंबी इमारत में तैनात थे। इस इमारत में ब्लैकस्टोन निवेश फर्म का मुख्यालय है।

जनसंख्या गिरावट को देखते हुए चीन ने की चाइल्ड केयर सब्सिडी की घोषणा, प्रति बच्चा हर साल 500 डॉलर

बीजिंग,29 जुलाई (एजेंसियां)।

पिछले तीन साल से जनसंख्या में गिरावट का सामना कर रहे चीन ने सोमवार को दंपतियों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रव्यापी शिशु देखभाल नकद सब्सिडी नीति की घोषणा की है। सरकार का कहना है कि यह बच्चों के पालन-पोषण करने वाले परिवारों पर वित्तीय दबाव कम कर देश की जन्मदर को बढ़ावा देने के उद्देश्य लाई गई है।

चीन की सरकार तीन वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे के माता-पिता को प्रति वर्ष 3,600 युआन (502 डॉलर) का नकद भुगतान करेगी। यह सब्सिडी बच्चे के तीन साल का होने तक दी जाएगी। 1 जनवरी, 2025 से पहले जन्मे और अभी भी तीन साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यह सब्सिडी पात्र महीनों की संख्या के आधार पर आनुपातिक रूप से दी जाएगी।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बयान जारी कर कहा है कि राष्ट्रव्यापी बाल देखभाल सब्सिडी प्रणाली लागू करना एक नई नीति है जो लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। इस नीति से हर साल शिशुओं और छोटे बच्चों वाले 2 करोड़ से ज़्यादा परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

एनएचसी के अनुसार, सभी स्थानीय निकाय बाल देखभाल सब्सिडी प्रणाली के लिए विस्तृत कार्यान्वयन योजनाएँ बनाने में लगे हुए हैं और इसके क्रियान्वयन की तैयारी कर रहे हैं। अगले माह अगस्त के अंत में देशभर में बाल देखभाल सब्सिडी के लिए आवेदन शुरू होने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि पिछले तीन साल से देश की जनसंख्या में लगातार गिरावट आ रही है और संयुक्त राष्ट्र जनसांख्यिकी मॉडल का अनुमान है कि इस गिरावट के जारी रहने पर यह की 1.4 बिलियन से घटकर 2100 तक 800 मिलियन हो जाएगी।

पिछले वर्ष चीन में 9.54 मिलियन बच्चे पैदा हुए, जो 2016 की तुलना में आधी संख्या है। खास बात यह है कि साल 2016 में चीन ने तीन दशकों से लागू अपनी एक-बच्चा नीति खत्म की थी। हाल के वर्षों में पाया गया है कि चीन में विवाह दरों में भी भारी गिरावट आई है और ज्यादातर युवा दंपति बच्चों के पालन-पोषण पर होने वाले भारी-भरकम खर्च और करिअर संबंधी चिंताओं के चलते बच्चे पैदा करने से कतराते हैं।

भूख से जूझते लोगों की संख्या में लगातार तीसरे वर्ष गिरावट, 2024 में वैश्विक स्तर पर सुधार: संयुक्त राष्ट्र

अदीस अबाबा/न्यूयॉर्क। कोविड महामारी के बाद उपजी वैश्विक खाद्य संकट की स्थिति से दुनिया अब धीरे-धीरे उबरती दिख रही है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भूख से जूझने वाले लोगों की संख्या लगातार तीसरे वर्ष घटी है। हालांकि अफ्रीका और पश्चिमी एशिया में जलवायु संकट और संघर्ष के चलते कुपोषण की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र की पांच एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में लगभग 673 मिलियन (67.3 करोड़) लोग, यानी

दुनिया की 8.2 प्रतिशत जनसंख्या, भूख का सामना कर रही थी। यह आंकड़ा 2023 में 8.5प्रतिशत था, जो अब गिरकर 8.2प्रतिशत हो गया है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा कि भारत और दक्षिण अमेरिका में खाद्य पहुंच में सुधार के चलते वैश्विक स्तर पर भूख में यह गिरावट संभव हुई है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्रों में जारी संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, और ऋण संकट इन सुधारों को पलट सकते हैं। टोरेरो ने इथियोपिया में यूएन खाद्य सम्मेलन के दौरान कहा कि यदि संघर्ष बढ़ता रहा, असुरक्षा और कर्ज का बोझ बढ़ता रहा, तो भूख से जूझने वालों की संख्या दोबारा बढ़ सकती है। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह आंकड़े दीर्घकालिक भूख पर केंद्रित हैं। इसमें गाजा जैसे युद्धग्रस्त इलाकों में पैदा हुई तात्कालिक मानवीय आपदाओं का पूरा आकलन नहीं हो पाया है। ऐसे क्षेत्रों में भूख और कुपोषण की वास्तविक स्थिति इससे कहीं अधिक भयावह हो सकती है।

जलवायु परिवर्तन के कारण खाद्य कीमतों में आ रहा भारी उछाल

जिनेवा,29 जुलाई (एजेंसियां)।

यूके में 2024 की शुरुआत में भारी बारिश के कारण आलू की कीमतें 22प्रतिशत तक बढ़ गईं। यह बारिश सामान्य से 20प्रतिशत अधिक थी और वैज्ञानिकों के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी घटनाएं अब 10 गुना अधिक संभावित हो गई हैं। अमेरिका में 2022 के सूखे के बाद सब्ज़ियों की कीमतों में 80प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इथियोपिया में 2023 में खाद्य कीमतें 40प्रतिशत बढ़ीं, जो 2022 के भयानक सूखे का असर था ऐसा सूखा जो 40 सालों में नहीं देखा गया था और जिसे जलवायु परिवर्तन ने 100 गुना अधिक संभावित बना दिया। इसी तरह, यूरोप के जैतून तेल उत्पादक देशों स्पेन और इटली में कीमतें 50प्रतिशत तक बढ़ीं। आइवरी कोस्ट और घाना में हीटवेव के कारण 2024 में कोको की वैश्विक कीमतों में 280प्रतिशत की वृद्धि हुई। ब्राज़ील और वियतनाम में सूखा और हीटवेव ने कॉफी की कीमतें 55प्रतिशत और 100प्रतिशत तक पहुंचा दीं।

जापान में अगस्त 2024 की हीटवेव के बाद चावल की कीमतों में 48प्रतिशत और दक्षिण कोरिया में गोभी की कीमतों में 70प्रतिशत तक उछाल आया। पाकिस्तान में 2022 की बाढ़ ने ग्रामीण खाद्य वस्तुओं की कीमतों को 50 प्रतिशत तक बढ़ाया, जबकि ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ के बाद लेट्यूस 300 प्रतिशत तक महंगा हो गया जो देश की सबसे बड़ी बीमा आपदा बनी। इन सबका सबसे बड़ा असर गरीबों पर पड़ता है। फूड फाउंडेशन के मुताबिक, पौष्टिक खाना पहले से ही सस्ते लेकिन कम पोषण वाले विकल्पों के मुकाबले दोगुना महंगा है। जब खाद्य महंगाई बढ़ती है, तो कम आय वाले लोग फल-सब्ज़ियां छोड़कर सस्ते परंतु अस्वस्थ खाद्य विकल्प चुनते हैं, जिससे बच्चों में कुपोषण और बड़ों में गंभीर बीमारियां बढ़ती हैं।

भारत जैसी आबादी-प्रधान और असमानता से जूझती अर्थव्यवस्था के लिए यह दोहरी मार है एक तरफ जलवायु संकट, दूसरी तरफ स्वास्थ्य संकट। यह रिपोर्ट यूएन फूड सिस्टम समिट से पहले आई है, जो दुनिया भर के नेताओं के लिए एक चेतावनी है कि अब खाद्य प्रणाली को जलवायु अनुकूल बनाना जरूरी है, नहीं तो अगली आपदा सीधे रसोई तक पहुंचेगी।

बांग्लादेश से सऊदी अरब जा रहे विमान में आई खराबी

बांग्लादेश से सोमवार को यात्रियों को लेकर सऊदी अरब जा रहे बांग्लादेश के विमान को तकनीकी खराबी की वजह से ढाका वापस लौटना पड़ा। यात्रियों को दूसरे विमान से रवाना किया गया। बांग्लादेश की राष्ट्रीय विमानन कंपनी बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के साथ इस हफ्ते दूसरी बार ऐसा हुआ है। बिमान एशिया और यूरोप के लगभग 16 देशों में उड़ानों का संचालित करती है।खबर के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के बोइंग बोइंग 777-ईआर ने सोमवार को दम्मम (सऊदी अरब) के लिए शाम होने से कुछ पहले 3:33 बजे उड़ान भरी। यह उड़ान एक घंटे हवा में रहने के बाद शाम 4:33 बजे ढाका लौट आई। बाद में यात्रियों को एक अन्य विमान से दम्मम भेजा गया। बिमान कंपनी के सूत्रों के अनुसार, हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लौटी उड़ान की क्षमता लगभग 450 यात्रियों की है। यह लगभग भरी हुई थी। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पायलट को एक तकनीकी खराबी का पता चला। उसने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वापस लौटने का फैसला किया। बिमान कंपनी के जनसंपर्क विभाग के कार्यवाहक प्रबंधक अल मसूद खान ने बताया कि पायलट को केबिन प्रेशर से संबंधित एक चेतावनी संकेत मिला था। एहतियात के तौर पर बिना कोई जोखिम उठाए विमान को वापस ढाका लाया गया। यात्रियों को बाद में एक अन्य विमान से दम्मम भेजा गया। कंपनी की इंजीनियरिंग टीम ने निरीक्षण के बाद उसे परिचालन की मंजूरी दी है।

ईरान में भीषण सूखे और गर्मी के कारण दफ्तर बंद, पानी-बिजली की कटौती शुरू

तेहरान,29 जुलाई (एजेंसियां)।

ईरान इस समय इतिहास की सबसे भीषण गर्मी और सूखे से जूझ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि सरकार को राजधानी तेहरान सहित 22 प्रांतों में सरकारी कार्यालयों को बंद करने का आदेश देना पड़ा है। इसके अलावा, चार अन्य प्रांतों में कार्यालयों के कार्यकाल में कटौती की गई है। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय तब लिया गया जब देशभर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया और कुछ क्षेत्रों में पारा 50 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया। इस अत्याधिक गर्मी के साथ-साथ देश अभूतपूर्व जल संकट से भी जूझ रहा है। पिछले जलवर्ष की तुलना में इस वर्ष वर्षा में 40 फीसद की कमी आई है, जिससे जलाशयों और बांधों में जलस्तर बेहद कम हो गया है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश के बांध अपनी कुल क्षमता का केवल 44 प्रतिशत ही भर पाए हैं। विशेष रूप से दक्षिणी प्रांतों जैसे होरमोज़गान और फार्स में जलस्रोत लगभग समाप्त हो चुके हैं।

तेहरान सहित कई शहरों में पिछले कुछ दिनों से घंटों तक पानी की आपूर्ति बाधित रही है। स्थानीय लोगों ने शिकायत की है कि उन्हें एक दिन में कई-कई घंटे बिना पानी के रहना पड़ रहा है।

सरकार ने बिजली की आपूर्ति में भी कटौती शुरू कर दी है, ताकि सिस्टम पर अधिक दबाव न पड़े। ऊर्जा मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से एसी, कूलर और अन्य बिजली उपकरणों का प्रयोग न करें। जलवायु परिवर्तन और लगातार घटती वर्षा ने ईरान की स्थिति को और अधिक संकटपूर्ण बना दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले महीनों में स्थिति और भी विकराल हो सकती है।

ट्रंप के दावों पर स्टार्मर का पलटवार, पवन ऊर्जा महंगी नहीं, भविष्य की जरूरत है

लंदन,29 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के बीच सोमवार को हुई संयुक्त चर्चा के दौरान पवन ऊर्जा (विंड टर्बाइन्स) को लेकर खुली असहमति देखने को मिली। ट्रंप ने विंड टर्बाइन्स को सबसे महंगी और बदसूरत ऊर्जा करार दिया, जबकि स्टार्मर ने इसका विज्ञान और आर्थिक दृष्टिकोण से बचाव किया।

डोनाल्ड ट्रंप ने पवन ऊर्जा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सबसे महंगी है और यह खेतों, मैदानों और जलमार्गों की सुंदरता नष्ट कर देती है। ये टर्बाइन्स चीन में बनते हैं और केवल आठ साल में जंग लगने लग जाते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि तेल और गैस जमीन के एक छोटे से छेद से हजार गुना ज्यादा ऊर्जा दे सकते हैं। पवन ऊर्जा अस्थिर है, इसे भारी सब्सिडी की ज़रूरत होती है। हमने अमेरिका में इसे प्रतिबंधित किया है क्योंकि यह पक्षियों को भी मार देती है।

ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया स्वरूप ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि पवन ऊर्जा न केवल सस्ती होती जा रही है, बल्कि यह ब्रिटेन की ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय लक्ष्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम निवेश कर रहे हैं पवन ऊर्जा में क्योंकि यह हमारी भावी पीढ़ियों के लिए जरूरी है। यह साफ-सुथरी, टिकाऊ और घरेलू स्रोतों से बनने वाली ऊर्जा है, जो हमें रूस या खाड़ी देशों पर निर्भर नहीं रहने देती।

स्टार्मर ने यह भी जोड़ा कि ब्रिटेन में हजारों नौकरियां पवन ऊर्जा परियोजनाओं से जुड़ी हैं और यह देश की अर्थव्यवस्था और जलवायु लक्ष्य, दोनों को पूरा करने में सहायक है।

गाजा में इजराइली हमले जारी, गर्भवती महिला और नवजात समेत 36 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा/तेल अवीव। युद्धग्रस्त गाजा पट्टी में इजराइली हमलों का कहर सोमवार को भी जारी रहा, जिसमें कम से कम 36 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में एक गर्भवती महिला और उसका नवजात शिशु भी शामिल हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब गाजा में भुखमरी और मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने के बाद कुछ मानवीय राहत उपायों की घोषणा की है। बीते दिन रविवार को इजराइली सैन्य प्रशासन ने घोषणा की कि गाज़ा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी क्षेत्रों में हर दिन सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक सैन्य कार्रवाई रोकी जाएगी, ताकि राहत सामग्री के वितरण और सुरक्षित मार्गों को सुनिश्चित किया जा सके। हालांकि, सोमवार को हुए हवाई हमले

घोषित अस्थायी युद्धविराम की समयसीमा के बाहर हुए, और इजरायली सेना ने इन हमलों पर कोई तत्काल टिप्पणी नहीं की है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसियों ने इजरायल की नई घोषणा का स्वागत तो किया, लेकिन इसे अपर्याप्त बताया। संगठनों का कहना है कि भोजन, पानी और दवाइयों की गंभीर कमी के चलते गाज़ा में लाखों लोगों के सामने भुखमरी का खतरा बना हुआ है।

11,000 बीघा वनक्षेत्र से हटाया जा रहा अवैध कब्जा

जंगल में सुपारी की जगह उग आए घुसपैठिए

गोलाघाट (असम), 29 जुलाई (एजेंसियां)।

असम सरकार ने गोलाघाट जिले के रेंगमा रिजर्व फॉरेस्ट की लगभग 11,000 बीघा जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए बड़ा बेदखली अभियान शुरू किया है। यह इलाका असम-नागालैंड सीमा पर स्थित है, जहां करीब 2,000 बांग्लादेशी परिवारों ने अवैध रूप से बसेरा बना रखा था। अब उन्हें देश से बाहर करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

जिला प्रशासन और वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस इलाके में करीब 11,000 बीघा जमीन पर अवैध रूप से लगभग 2,000 परिवारों ने कब्जा कर रखा था।

इनमें से लगभग 1,500 परिवारों को नोटिस दिया गया था। बाकी के परिवारों के पास फॉरेस्ट राइट्स कमेटी (एफआरसी) से प्रमाणपत्र हैं और वे कानूनी रूप से जंगल क्षेत्र में रह रहे हैं। अवैध परिवारों की बेदखली कार्रवाई की शुरुआत बिद्यापुर बाजार क्षेत्र से हुई है और इसके बाद रहवासी इलाकों में घरों को तोड़ा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि लगभग 80 प्रतिशत लोग पहले ही अपने घर खाली कर चुके हैं, अब सिर्फ उनके खाली मकान गिराए जा रहे हैं।

गोलाघाट के रेंगमा रिजर्व फॉरेस्ट असम-नागालैंड सीमा पर स्थित है। यहां लगभग

2,000 अवैध घुसपैठिए परिवारों ने कब्जा कर लिया था। इसके कारण लगभग 3,600 एकड़ (11,000 बीघे) जमीन पर अवैध कब्जा जमा हुआ था। इस जमीन से अवैध

2000 बांग्लादेशी परिवारों का कब्जा हटा, वापस भेजे जाएंगे

कब्जा हटाने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है।

गोलाघाट जिला प्रशासन और वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सरुपथार उप-मंडल में असम-नागालैंड सीमा पर उरियमघाट में रेंगमा वन अभयारण्य की लगभग 11,000 बीघा (3,600 एकड़ से अधिक) भूमि पर अतिक्रमण को हटाने के लिए मंगलवार 29 जुलाई की सुबह से बेदखली अभियान शुरू किया गया। बिद्यापुर क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान अवैध मकानों को तोड़ा जा रहा है। स्थानीयों के अनुसार, जिनके पास एफआरसी प्रमाणपत्र हैं वे बोडो, नेपाली समेत अन्य जनजातीय समुदायों से हैं। इसके अलावा स्थानीयों ने यह भी कहा कि जिनके घर अतिक्रमण के तहत तोड़े जा रहे हैं वे लगभग सभी मुस्लिम समुदाय से हैं।

अतिक्रमण हटाने के लिए क्षेत्र में वन विभाग के कर्मियों के साथ काफी संख्या में सुरक्षाबल तैनात किया गया है। इस दौरान 12 गांवों के 2648 अवैध घरों को तोड़ा जा रहा है। इन गांवों में सोनारीबिल टॉप, नंबर 2 पिथाघाट, नंबर 2 और नंबर 3 दयालपुर, दलानपाथर, खेरबारी, विद्यापुर, विद्यापुर बाजार, नंबर 2 मधुपुर, आनंदपुर, राजापुखुरी और गेलाजा शामिल हैं। असम सरकार का कहना है कि जंगल की जमीन को अतिक्रमणकारियों ने सुपारी की खेती के लिए साफ कर दिया और अवैध कब्जा जमा लिया। यह इलाका रेंगमा रिजर्व फॉरेस्ट का हिस्सा है, जो पारिस्थितिकीय दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जाता है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बेदखली अभियान को लेकर कहा कि पिछले चार वर्षों में राज्य में 1.29 लाख बीघा भूमि से अतिक्रमण हटाया गया है, जबकि अभी भी 29 लाख बीघा भूमि पर अतिक्रमण कायम है। उसे भी हटाने और अवैध कब्जा जमाए बांग्लादेशियों को वापस भेजनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

सरकारी आंकड़ों से हुआ आश्चर्यजनक खुलासा

पांच साल में 667 बाघों की मौत हुई

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

सरकारी आंकड़ों से खुलासा हुआ है कि 2021 से 2025 तक भारत में हुई 667 बाघों की मौत हुई है, जिनमें से 51 प्रतिशत टाइगर रिजर्व के बाहर हुई हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से सामने आए हैं। बाघों की इन मौतों को देखते हुए सरकार टाइगर्स आउटसाइड टाइगर रिजर्व योजना शुरू करने जा रही है, जो 17 राज्यों की 80 फॉरेस्ट डिवीजन को कवर करेगी। इसी बीच, भारत की पहल पर शुरू हुए इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस में अब तक 24 देशों ने शामिल होने पर सहमति दी है।

भारत में 2021 से लेकर अब तक जितने भी बाघों की मौत हुई है, उनमें से आधे से ज्यादा टाइगर रिजर्व के बाहर हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा बाघों की मौत के मामले महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से सामने आए हैं। सरकार के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के मुताबिक, 2021 से लेकर 2025 तक कुल 667 बाघों की मौत हुई है, जिनमें से 341 यानी 51 फीसदी मौतें टाइगर रिजर्व के बाहर हुई हैं।

हर साल के हिसाब से 2021 में 129 बाघों की मौत हुई, 2022 में 122, 2023 में 182, 2024 में 126 और 2025 में अब तक 108 बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें से टाइगर रिजर्व के बाहर 2021 में 64, 2022 में 52, 2023 में 100, 2024 में 65 और 2025 में अब तक 60 बाघों की मौत दर्ज हुई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 111 बाघों की मौत टाइगर रिजर्व के बाहर हुई है, इसके बाद मध्य प्रदेश में 90 ऐसी मौतें हुई हैं।

2021 में महाराष्ट्र में 23, मध्य प्रदेश में 18, केरल में 5 और तेलंगाना में 4 बाघों की मौत रिजर्व के बाहर हुई। 2022 में

51 प्रतिशत बाघ टाइगर रिजर्व से बाहर मरे

महाराष्ट्र में 18, मध्य प्रदेश में 12, और केरल व उत्तराखंड में 4-4 बाघों की मौत रिजर्व से बाहर दर्ज की गई। 2023 में महाराष्ट्र में 34, मध्य प्रदेश में 13, केरल और उत्तराखंड में 11-11 और कर्नाटक में 6 बाघों की मौत टाइगर रिजर्व से बाहर हुई। 2024 में मध्य प्रदेश में 24 और महाराष्ट्र में 16 बाघों की मौत टाइगर रिजर्व से बाहर हुई।

2025 में अब तक महाराष्ट्र में 20, मध्य प्रदेश में 13, केरल में 8 और कर्नाटक में 7 बाघों की मौत रिजर्व के बाहर हुई है। एनटीसीए के आंकड़े यह भी दिखाते हैं कि 2012 से 2024 तक कुल 1,519 बाघों की मौत हुई, जिनमें से 634 यानी 42 फीसदी मौतें टाइगर रिजर्व के बाहर दर्ज की गईं। इस समय भारत में अनुमानित 3,682 बाघों में से लगभग 30 फीसदी बाघ टाइगर रिजर्व के बाहर रहते हैं।

इन इलाकों में इंसानों और बाघ के टकराव को कम करने के लिए सरकार जल्द ही टाइगर्स आउटसाइड टाइगर रिजर्व (टीओटीआर) नाम की योजना शुरू करने जा रही है। इस योजना के तहत 17 राज्यों की 80 फॉरेस्ट डिवीजन को कवर किया जाएगा। 2022 में की गई बाघों की संख्या की गणना के अनुसार, मध्य प्रदेश में 785, कर्नाटक में 563, उत्तराखंड में 560, महाराष्ट्र में 444, तमिलनाडु में 306, असम में 229, केरल में 213 और उत्तर प्रदेश में 205 बाघ मौजूद हैं।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को बताया कि 24 देशों ने इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) में शामिल होने पर सहमति जताई है। यह भारत की अगुवाई में शुरू की गई एक वैश्विक पहल है, जिसका मकसद बड़ी बिल्ली की सात प्रजातियों की सुरक्षा करना है। आईबीसीए की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, फिलहाल 12 देश इस गठबंधन (अलायंस) के सदस्य हैं। इनमें भारत, आर्मीनिया, भूटान, कंबोडिया, इथियोपिया, एस्वातिनी, गिनी, लाइबेरिया, निकारागुआ, रवांडा, सोमालिया और सूरीनाम शामिल हैं। भूपेंद्र यादव अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि भारत में 2014 में जहां 46 टाइगर रिजर्व थे, अब उनकी संख्या बढ़कर 58 हो गई है। उन्होंने कहा कि ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के राष्ट्रीय पशु की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम में उन्होंने एक राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की घोषणा भी की। इसके तहत देश के सभी 58 टाइगर रिजर्व में एक लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

निमिषा प्रिया की सजा रद्द होने पर संशय बरकरार

तिरुवनंतपुरम, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

नर्स निमिषा प्रिया को अपने यमनी साझेदार तलाल अब्दो की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई थी। सजा के खिलाफ उसकी अपील खारिज होने के बाद इसी महीने 16 जुलाई को उसे मौत की सजा दी जानी थी। भारत सरकार और केरल के मुस्लिम संगठनों की पहल के बाद सजा को टाल दिया गया और अब उन्हीं संगठनों ने दावा किया कि सजा रद्द हो गई है, लेकिन अब इस दावे का भी खंडन हो गया है। कहा गया है सजा रद्द किए जाने के फैसले की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा रद्द होने पर संशय बरकरार है। दरअसल केरल के ग्रैंड मुफ्ती कंथापुरम एपी अबुबकर मुसलियार के कार्यालय की तरफ से दावा किया गया है कि निमिषा प्रिया को मिली मौत की सजा रद्द हो गई है। दावा किया गया कि जो सजा पहले टल गई थी, वह अब रद्द हो गई है। हालांकि अब तक केंद्र सरकार और यमन सरकार की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, इसलिए संशय बरकरार है। ग्रैंड मुफ्ती कंथापुरम एपी अबुबकर मुसलियार के करीबी अनुयायी, जवाद मुस्तफावी ने दावा किया, यमन की राजधानी सना में एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद निमिषा प्रिया की मौत के फैसले को पलट दिया गया। जवाद मुस्तफावी ने दावा किया कि यह फैसला भारतीय ग्रैंड मुफ्ती के हस्तक्षेप के बाद लिया गया है। ग्रैंड मुफ्ती ने यमन के प्रसिद्ध सूफी विद्वान शेख उमर हफीज थंगल से अनुरोध किया था। मध्यस्थता वार्ता में यमन के अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय राजनयिकों ने भी भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप यह नतीजा निकला। मुस्तफावी ने कहा कि चर्चा के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए और आगे की कार्यवाही मृतक तलाल अब्दो महदी के परिवार के साथ जारी बातचीत पर निर्भर करेगी। केरल के पलक्कड़ की निवासी निमिषा प्रिया साल 2008 में एक नर्स के रूप में काम करने के लिए यमन गई थीं। वहां कई अस्पतालों में काम करने के बाद निमिषा प्रिया साल 2011 में केरल वापस आईं और यहां टॉमी थॉमस से उनकी शादी हुई। दोनों की एक बेटी है, जो इस समय केरल में रहती है। साल 2015 में निमिषा ने यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी के साथ मिलकर एक मेडिकल क्लीनिक की शुरुआत की थी।

ऑपरेशन महादेव की कामयाबी

चीनी तकनीक पर भरोसे ने ले ली आतंकियों की जान

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 29 जुलाई।

कश्मीर में सुरक्षाबलों को श्रीनगर के हरवान में जिन तीन पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराने में कामयाबी मिली है। उसके पीछे उस चीनी तकनीक की नाकामी है जिस पर आतंकी और उनके आका आंख मूंद कर विश्वास कर रहे थे।

कल भारतीय सुरक्षाबलों ने श्रीनगर के बाहरी इलाके में हरवान के पास लिडवास के जंगली इलाके में एक मुठभेड़ के दौरान पहलगाम हमले के कथित हमलावर सुलेमानी समेत तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। इस एनकाउंटर को ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया, जोकि आतंकवादी गतिविधियों की खुफिया और तकनीकी निगरानी के बाद शुरू किया गया। 18 जुलाई को खुफिया एजेंसियों ने डाचीगाम नेशनल पार्क के पास एक इलाके में एक संदिग्ध कम्युनिकेशन को इंटरसेप्ट किया और ऑपरेशन महादेव शुरू कर दिया। जल्द ही जवानों ने इलाके की तलाशी शुरू कर दी क्योंकि इंटरसेप्ट से पता चला कि जिस संचार उपकरण से सिग्नल आया था, उसके यूजर का 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकवादी हमले से कुछ संबंध था। रविवार-सोमवार की रात 2 बजे टी82 अल्ट्रासेट एक्टिवेशन हुआ था। टी82 एक दुर्लभ एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेटिंग उपकरण है। इस उपकरण से सिग्नल मिलते ही आतंकियों के जहन्नुम जाने का रास्ता तय हो गया था। टी82 से मिले सिग्नलों से ही सुरक्षाबलों को सटीक स्थान का पता लग गया।

चाइनीज अल्ट्रा रेडियो कम्युनिकेशन सिस्टम की वजह से आतंकी 96 दिनों से हाथ नहीं आए थे। पर आतंकियों की इसी एक तकनीकी चूक ने ऑपरेशन महादेव को मुमकिन बना दिया। चाइनीज तकनीक ही आतंकियों की कमजोरी बन गई और आखिर 96 दिन बाद उनकी कमर तोड़ने में भी इसी तकनीक की धोखेबाजी ने भारतीय सुरक्षाबलों की मदद की थी। 18 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद घाटी में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया था। हर चेकपॉइंट पर सख्त निगरानी, गश्त तेज और सैकड़ों किलोमीटर में फैले जंगलों की गहन तलाश लेकिन कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग रहा था। सुरक्षा एजेंसियों को भी लगने लगा था कि आतंकी किसी स्थानीय मदद से बेहद सुनियोजित तरीके से छिपे हुए हैं।

सुरक्षा एजेंसियों ने तलाश को व्यापक और तकनीकी रूप देना शुरू किया। थर्मल इमेजिंग ड्रोन्स, ह्यूमन इंटेलिजेंस, सैटेलाइट ट्रैकिंग और सिग्नल इंटरसेप्शन तकनीक के जरिए पूरे दक्षिणी कश्मीर को खंगाला गया। इसी दौरान एक ऐसा संकेत मिला, जिसने पूरा खेल बदल दिया। जंगल के एक घने इलाके में एक चाइनीज अल्ट्रा रेडियो कम्युनिकेशन सिस्टम का एक्टिव होना नोट किया गया। यह सिस्टम बहुत कम इस्तेमाल होता है, और इसकी पहचान तभी होती है जब कोई लगातार सुरक्षित फ्रीक्वेंसी पर डेटा ट्रांसमिट करता है। यहीं से सुरक्षाबलों को पहली पुख्ता जानकारी मिली कि आतंकी अब भी आसपास ही कहीं छिपे हैं।

यह सिस्टम चीन की एक सैन्य-उपयोगी तकनीक है, जिसे हाई फ्रिक्वेंसी और अल्ट्रा हाई फ्रिक्वेंसी बैंड्स पर काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें मजबूत एनक्रिप्शन होता है और यह दुर्गम पहाड़ी इलाकों में भी संचार की सुविधा देता है। साल 2016 में इसे आतंकियों द्वारा डब्लू वाय एसएमएस के नाम से इस्तेमाल किया गया था और यह लश्कर, जैश जैसे संगठनों के लिए एक सुरक्षित माध्यम बन गया था। इसका सबसे खतरनाक पहलू ये है कि इसके सिग्नल्स को इंटरसेप्ट करना या ब्लॉक करना बेहद मुश्किल होता है। यही वजह थी कि यह तकनीक लंबे समय तक सुरक्षा एजेंसियों की पकड़ से दूर रही। फिर लगभग 11 दिनों के सर्च ऑपरेशन के बाद सोमवार सुबह लगभग साढ़े 11 बजे, 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा कमांडो की एक टीम ने तीन हाई वैल्यू पाकिस्तानी आतंकवादियों को घेर लिया और उन्हें मार गिराया। दावा किया जा रहा है कि इनमें से एक सुलेमानी शाह था, जो लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक सदस्य था और जिस पर पहलगाम हमले का मुख्य शूटर और मास्टरमाइंड होने का संदेह था।

पहलगाम के एक खूबसूरत पार्क में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय टट्टू संचालक की गोली मारकर हत्या के बाद सुलेमानी शाह का नाम मुख्य संदिग्ध के रूप में सामने आया था। मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भी उसकी तलाश में थी। एक अधिकारी का कहना है कि ऐसा संदेह है कि वह पाकिस्तानी सेना का एक पूर्व कमांडो था। सुरक्षाबलों ने दाचीगाम के हरवान इलाके में स्थित एक ठिकाने से एक एम4 कार्बाइन और दो एके47 राइफलें, ग्रेनेड और गोला-बारूद के अलावा खाने-पीने का सामान भी बरामद किया है।

14 आतंकियों की लिस्ट में अभी जिंदा बचे हैं आठ

पहलगाम नरसंहार के बाद सुरक्षाबलों ने जिन कुल 14 शीर्ष स्थानीय आतंकियों की हिटलिस्ट जारी की थी उनमें से आठ आतंकी अभी भी सुरक्षाबलों की पकड़ से बाहर हैं। जबकि 6 आतंकियों को मारा जा चुका है। पहलगाम नरसंहार के बाद जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबल लगातार आतंकियों को ढेर कर रहे हैं। 14 आतंकियों की लिस्ट में आतंकी नंबर 9, आतंकी नंबर 3, आतंकी नंबर 11, आतंकी नंबर 5, आतंकी नंबर 6 और आतंकी नंबर 2 को मार गिराया गया है। ये सभी आतंकी बीते दो दिनों में शोपियां और पुलवामा एनकाउंटर में मारे गए।

श्री गुजराती सेवा मंडल की 101वीं वार्षिक सभा सम्पन्न

समाज के लिए नए आवासीय प्रकल्प की घोषणा

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद के जीरा स्थित श्री गुजराती सेवा मंडल की 101वीं वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव रविवार, 27 जुलाई 2025 को गुजराती स्कूल प्रांगण में अध्यक्ष घनश्याम पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुए। इस महत्वपूर्ण अवसर पर समाज के लिए एक नए आवासीय प्रकल्प की घोषणा भी की गई।

श्री गुजराती सेवा मंडल के मानद सचिव जनकभाई ब्रह्मभट्ट द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वार्षिक सभा के दौरान हुए चुनाव में चुनाव अधिकारी महेंद्र कपासी ने चार उम्मीदवारों - कौशल पटेल, दिनेश लालगुरु, दिनेश नीलकंठ और अजय ओझा को निर्विरोध चुने जाने की घोषणा की।

अध्यक्ष घनश्याम पटेल ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि लगभग आठ दशक पहले स्थापित इस मंडल ने 1939 में गुजराती स्कूल की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि 1964 में बड़ी राशि एकत्र कर हॉल, अतिथि गृह और गोदाम का निर्माण कराया गया, जिससे मंडल को निरंतर आय प्राप्त होती रहे। मंडल वर्ष भर होली मिलन, गणेश उत्सव, नवरात्रि उत्सव, दीपावली मिलन, साथ ही भागवत कथा, राम कथा, शिव कथा जैसे विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

मेड़चल में समाजबंधुओं के लिए किफायती प्लॉट्स की योजना

मानद सचिव जनकभाई ब्रह्मभट्ट ने सभा को मंडल की वार्षिक गतिविधियों और हाल ही में प्रारंभ की गई नई योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेड़चल के रावलकोट ग्राम स्थित समाज की 5 एकड़ भूमि पर समाजबंधुओं के लिए उचित दर पर प्लॉट्स विकसित कर वितरण का निर्णय लिया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य 'गुजराती का साथ, गुजराती का विकास' के अंतर्गत समाज के सदस्यों के विकास को सुनिश्चित करना और समाज को प्रगति की ओर अग्रसर करना है। रावलकोट वेंचर में सीसी रोड, ड्रेनेज और कंपाउंड वॉल जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं समाज की ओर से उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए समाज कार्यालय या मानद सचिव से संपर्क करने का निवेदन किया गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हैदराबाद में पिछले 24 वर्षों से संचालित जीएसएम टेबल टेनिस अकादमी, जो घनश्यामभाई बी. पटेल और जनकभाई ब्रह्मभट्ट के सहयोग से चल रही है, ने राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न श्रेणियों में कई पुरस्कार हासिल किए हैं।

जीमेक बैंक की वार्षिक सभा में लाभांश की घोषणा

श्री गुजराती सेवा मंडल की वार्षिक सभा के तुरंत बाद, समाज की एक अन्य संस्था, द गुजराती म्युच्यली एडेड को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी (जीमेक बैंक) की तीसरी वार्षिक सभा का आयोजन भी सफलतापूर्वक किया गया। इस सभा में सदस्यों को शेयर पूंजी पर 9.95 प्रतिशत लाभांश (डिविडेंड) की घोषणा की गई। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपाध्यक्ष जयंती पटेल, मानद सचिव जनक ब्रह्मभट्ट, ट्रस्ट चेयरमैन शिवगणभाई पटेल, ट्रस्ट सचिव जशभाई पटेल, कोषाध्यक्ष नरेंद्र कोटक, चुनाव अधिकारी महेंद्र कपासी, हितेश मेहता, विष्णु पटेल, हरीश दवे, प्रदीप चौकसी, कौशल शाह, तरुण मेहता, अजय ओझा, डी.डी. पटेल, लव फॉर काऊ के जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार, आर.के. जैन और अन्य सदस्यगण सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

मुझे कभी अहसास नहीं हुआ कि मैं आउट साइडर हूं : श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री और निर्माता श्वेता त्रिपाठी ने अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी बंदरफुल शुरू करने के पीछे की प्रेरणा और फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों को साझा किया। श्वेता ने बताया कि उन्होंने हमेशा इंडस्ट्री में अपनापन महसूस किया और अब वह दूसरों को मौका देना चाहती हैं।

श्वेता ने बताया कि उन्हें यह कभी नहीं लगा कि वह इंडस्ट्री के बाहर से हैं; उन्हें यहां हमेशा अपनापन महसूस हुआ।

श्वेता ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के बारे में कहा, क्यों इंतजार करें कि कोई और कहानी को सामने लाए? बहुत सारी कहानियां और प्रतिभाशाली लोग हैं। मैं ऐसे लोगों को जानती हूं और अगर मेरे पास संसाधन हैं, तो मैं उन्हें मौका देना चाहती हूं।उन्होंने कहा कि वह अपने सफर में कई लोगों से मिलती हैं और कुछ कहानियां उन्हें बहुत प्रभावित करती हैं। श्वेता ने बताया, मैं चाहती हूं कि दुनिया भी इन्हें महसूस करे। इसलिए मैंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की। दूसरों पर उंगली उठाने से पहले हमें खुद से पूछना चाहिए कि हम उनके लिए क्या कर रहे हैं।बंदरफुल प्रोडक्शन हाउस का उद्देश्य ऐसी कहानियों को बढ़ावा देना है जो रूढ़ियों, व्यावसायिक दबावों या सामाजिक बंधनों से मुक्त हों। श्वेता ने कहा, मुझे खुशी है कि लोगों ने मुझ पर भरोसा किया। फिल्ममेकर्स ने मेरी प्रतिभा और पैशन को देखा। अब मैं दूसरों में वह जुनून देखना चाहती हूं और उन्हें मंच देना चाहती कहा कि वह उन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो सिनेमा और ऐसी कहानियों के प्रति जुनूनी हों जो समाज पर प्रभाव डाल सकें। इंडस्ट्री के अपने अनुभव को साझा करते हुए श्वेता ने कहा, मुझे शुरू से ही गुनीत मोंगा, अनुराग कश्यप और करण जौहर जैसे लोगों का साथ मिला। मैंने कभी खुद को बाहरी नहीं माना। मेरे लिए यह सब भावनाओं और जुड़ाव के बारे में है, न कि जेंडर, जाति या वर्ग के बारे में।

प्रोड्यूसर बनने के अनुभव को श्वेता ने एक नया सफर बताया। उन्होंने बताया, प्रोड्यूसर बनना एक सीखने की प्रक्रिया है। हर कदम मुझे कुछ नया सिखा रहा है और मैं इस सफर के लिए तैयार हूं।

किंगडम में विजय देवरकोंडा की एक्टिंग पर रश्मिका मंदाना हुईं कायल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने खास दोस्त विजय देवरकोंडा की अपकमिंग एक्शन फिल्म किंगडम में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह 31 जुलाई को सिनेमाघरों में एक्शन फिल्म 'किंगडम' को देखने के लिए दिन गिन रही हैं।

विजय देवरकोंडा की अभिनय की प्रशंसा करते हुए रश्मिका ने कहा कि वह उनकी आधी प्रतिभा भी हासिल करना चाहती हैं।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के ट्रेलर का वीडियो पोस्ट कर लिखा, वाह! क्या ट्रेलर है! गजब! इस शानदार ट्रेलर को देखने के बाद 4 दिन और इंतजार करना पड़ रहा है। ये तो नाइंसाफी है! विजय देवरकोंडा मैं हमेशा कहती हूं कि आप अलग हो! मैं चाहती हूं कि मैं अपना अभिनय इतना अच्छा कर लूं, कि आपके अभिनय के 50% तक पहुंच सकूं।'किंगडम' के निर्देशक और

संगीतकार की तारीफ करते हुए रश्मिका ने कहा, गौतम नायडू और अनिरुध आप दोनों जीनियस हैं। मैं आपकी फिल्म की रिलीज का इंतजार नहीं कर सकती, ये देखने के लिए कि आप दोनों ने मिलकर फिल्म कैसी बनाई है। भाग्यश्री आपको भी ढेर सारी शुभकामनाएं क्यूटी। मैं 31 तारीख को थिएटर में आपको देखने के लिए उत्सुक हूं।

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म 'किंगडम' का ट्रेलर पोस्ट किया। इसे अभिनेत्री ने कैप्शन दिया, अब 31 तारीख का इंतजार नहीं हो रहा! ट्रेलर में विजय का अभिनय बेहद शानदार है। आप तीनों जीनियस! मैं बहुत उत्सुक हूं। ये देखने के लिए कि आप लोगों ने मिलकर क्या बनाया है। गौतम नायडू, अनिरुध बेसब्री से इंतजार है।

'जर्सी' के निर्देशक गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित 'किंगडम' एक अंडरकवर एजेंट सूर्या के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक जोखिम भरे मिशन पर है। उसे दुश्मन के क्षेत्र में घुसपैठ करने का काम सौंपा गया है। फिल्म में कुछ शानदार एक्शन सीक्वेंस के साथ-साथ गहरे भावनात्मक पहलू भी देखने को मिलेंगे।

खूबसूरत और बोल्ड, फिल्म इंडस्ट्री की 'महारानी' है नॉन फिल्मी बैकग्राउंड से आई ये अभिनेत्री

महारानी की रानी भारती का जिक्र करते ही फिल्म इंडस्ट्री की दमदार, शानदार, खूबसूरत और बोल्ड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी का चेहरा सामने आ जाता है। 28 जुलाई को जन्मीं नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाली एक्ट्रेस ने अपने टैलेंट और मेहनत के दम पर न केवल बॉलीवुड, बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी खास छाप छोड़ी। अनुराग कश्यप की 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से डेब्यू करने वाली हुमा ने अपनी पहली फिल्म से ही दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीत लिया। एक्टिंग शैली और बेबाक अंदाज ने उन्हें इंडस्ट्री की 'महारानी' बना दिया।

नई दिल्ली में 28 जुलाई 1986 को एक मुस्लिम परिवार में जन्मीं हुमा के पिता सलीम कुरैशी दिल्ली में मशहूर रेस्तरां के मालिक हैं, जबकि उनकी मां अमीना कुरैशी हाउस वाइफ हैं। हुमा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दौरान वह 'एक्ट 1' थिएटर ग्रुप से जुड़ीं और एनके शर्मा जैसे थिएटर निर्देशकों के साथ काम किया। साल 2008 में वह मुंबई आईं और विज्ञापन में काम करने लगीं।

करियर के शुरुआती दिनों में हुमा, शाहरुख खान और आमिर खान के साथ भी विज्ञापन में काम कर चुकी हैं। उनकी अदाकारी ने अनुराग कश्यप का ध्यान खींचा, जिन्होंने उन्हें साल 2012 में आई 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में मोहसिना खान के किरदार के लिए चुना। इस फिल्म ने उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू और बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए फिल्मफेयर नॉमिनेशन दिलाया।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' की सफलता के बाद हुमा के फिल्मी करियर ने उड़ान भरी और उन्होंने कुणाल कपूर के साथ 'लव शव ते चिकन खुराना' में पंजाबी लड़की हरमन के रूप में दर्शकों को लुभाया।

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखाने में असफल रही। हालांकि, उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया। इसके बाद हुमा 'एक थी डायन', 'डेढ़ इश्किया', 'बदलापुर' और 'जॉली एलएलबी 2' में दमदार अंदाज में नजर आईं, उन्होंने अपने किरदारों से मल्टी टैलेंट को साबित किया।हुमा बॉलीवुड तक सीमित नहीं हैं। वह मराठी फिल्म 'हाइवे', तमिल फिल्म 'काला' और हॉलीवुड फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। 'महारानी' और 'लीला' जैसी वेब सीरीज में उनके अभिनय को खूब सराहना मिली। साल 2023 में 'तरला' में मशहूर शेफ तरला दलाल की भूमिका निभाकर उन्होंने दर्शकों का दिल जीता। उनकी अपकमिंग फिल्मों में 'जॉली एलएलबी 3', 'बयान' और 'पूजा मेरी जान' शामिल हैं।₹हुमा की निजी जिंदगी अक्सर चर्चा में रही है। उनका नाम कई सितारों के साथ जुड़ा। एक इंटरव्यू में हुमा ने कहा कि उन्होंने मुस्लिम होने के बावजूद भारत में कभी अलग-थलग महसूस नहीं किया। वह अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करती हैं। हुमा लेखनी में भी रूचि रखती हैं। उन्होंने साल 2023 में अपनी पहली किताब 'जेबा: एन एक्सीडेंटल सुपरहीरो' लॉन्च की, जिसे कई लिटरेचर फेस्टिवल में सराहना मिली। हुमा को तीन फिल्मफेयर नॉमिनेशन और एक फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड मिल चुका है। उनकी फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' का प्रीमियर कान्स फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। हुमा सोशल वर्क में भी सक्रिय हैं और कई एनजीओ के साथ काम करती हैं।

तमन्ना भाटिया ने बताया, फैशन शो के बैकस्टेज का माहौल कैसा होता है?

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक फैशन इवेंट के दौरान बैकस्टेज की हलचल की झलक दिखाई। उन्होंने दिखाया कि फैशन शो के पीछे किस तरह की भाग-दौड़ और तैयारियों का माहौल होता है।

तमन्ना भाटिया ने इंडिया कॉउचर वीक 2025 में अपने रैंप वॉक की कुछ फोटो और वीडियो साझा किए। उन्होंने बताया कि रैंप पर जो जादुई पल दिखते हैं, उनके पीछे काफी मेहनत और टीमवर्क होता है।

तमन्ना भाटिया ने अपनी पोस्ट के साथ लिखा, एक लुक में रैंप पर जाना और कुछ ही मिनटों में दूसरे लुक के साथ लौटना... यह काफी रोमांचक लगता है, लेकिन इसके पीछे बैकस्टेज पर टीमवर्क की स्पीड और फोकस काफी अहम भूमिका निभाती हैं। स्टेज पर जो कुछ सेकंड के लिए जादुई पल दिखते हैं, उनमें टीम की मेहनत और प्यार छिपा होता है।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में तमन्ना काफी स्टाइलिश नजर आ रही हैं। एक फोटो में वह कैमरे के लिए पोज देती दिख रही हैं। वहीं, एक बैकस्टेज वीडियो में वह कहते हुए सुनी जा सकती हैं, गणपति बप्पा मोरया, हर हर महादेव।

24 जुलाई को तमन्ना ने इंडिया कॉउचर वीक 2025 में डिजाइनर राहुल मिश्रा के लिए शोस्टॉपर बनकर रैंप पर जलवा बिखेरा

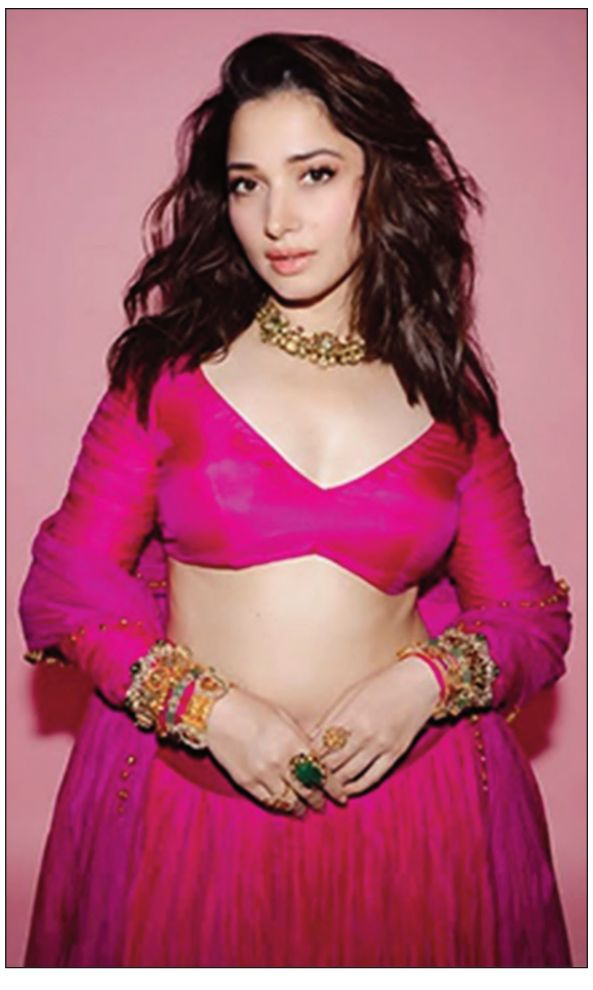

था। वह लैवेंडर कलर के टाइट-फिटिंग गाउन में रैंप पर उतरी। दूसरी बार उन्होंने फ्लॉवर प्रिंट लहंगा पहना, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

एफडीसीआई (फैशन डिजाइन काउंसलिंग ऑफ इंडिया) ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर तमन्ना भाटिया की तस्वीरें पोस्ट की और लिखा, ''यह फैशन शो सिर्फ कपड़ों का नहीं, बल्कि प्यार की गहराई को दर्शाने वाला एक इवेंट था। तमन्ना इसमें रैंप पर चलकर इस सोच को सामने लाईं कि कैसे प्यार हमें धीरे-धीरे पूरी तरह बदल देता है और हम खुद को उसमें खो देते हैं।''

वर्कफ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया ने 2024 में नेटफ्लिक्स की एक हीस्ट थ्रिलर फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' में काम किया था। वह सस्पेंस और हॉरर फिल्म 'ओडेला 2' में भी नजर आई थीं। इसके अलावा, वह एक नई वेब सीरीज 'डेयरिंग पार्टनर्स' में भी दिखाई देंगी।

तुला और मकर राशि सहीत अन्य राशियों को महालक्ष्मी योग में भगवान गणेश की बरसेगी कृपा

आज 30 जुलाई, बुधवार को चंद्रमा और मंगल की युति कन्या राशि में होगी जिससे महालक्ष्मी योग बन रहा है। इस शुभ संयोग में भगवान गणेश की विशेष कृपा वृषभ, मिथुन, तुला और मकर राशि वालों पर रहने वाली है, जिससे इन्हें पूरे दिन भरपूर लाभ प्राप्त होगा। कार्यों में आ रही बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगेंगी और बिगड़े काम भी बनने शुरू हो जाएंगे। कारोबार को लेकर शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक तंगी से भी निजात मिलेगी और लाभ कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी करने वालों को किसी बड़े अधिकारी के सहयोग से बड़ा लाभ मिल सकता है और व्यापार में जरूरी निर्णय भविष्य में बड़ा लाभ दिलाएंगे, जिससे धन में भी वृद्धि होगी। साथ ही, कुछ नए लोगों से संपर्क बनाने भी लाभकारी सिद्ध होंगे।

मेष राशि : कानूनी विवाद होंगे दूर

व्यापार के मामले में अपने काम धंधे को आगे बढ़ाने के लिए आपको नए तरीके से काम की शुरुआत करनी पड़ सकती है। कुछ ऐसी स्थिति स्थिति भी बन सकती है जो बाकी लोगों के लिए असुविध-ाजनक हो सकती है। अगर कोई कानूनी विवाद चल रहा है, तो अब उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है और स्थान परिवर्तन की योजना में भी सफलता हासिल हो सकती है।

वृषभ राशि : सुनने को मिलेगा शुभ समाचार

कार्यक्षेत्र में कामकाज सही चलेगा और लाभ कमाने के नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल रहेगा। हो सकता है कि दोपहर तक आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिले, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। परिवार वालों के साथ भी आप सुखद समय बिताएंगे और रात में किसी मांगलिक कार्य में भी जा सकते हैं।

मिथुन राशि : आर्थिक तंगी से मिलेगी राहत

कारोबार और नौकरी के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आपके द्वारा लिए गए निर्णय और बनाई गई योजनाओं का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है। साथ ही, लाभ कमाने के अवसर भी मिलेंगे। अगर आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे, तो अब उससे भी छुटकारा मिल सकती है। लेकिन कार्यक्षेत्र में कामकाज थोड़ी धीमी गति से चल सकता है, जिससे तनाव होगा संभव है। विवादों से भी आपके लिए दूर रहना बेहतर रहेगा।

कर्क राशि : सोच-विचार करके लें फैसले

दिन आपके लिए ज्यादा अच्छा नहीं रहने वाला है। सुबह के समय कार्यक्षेत्र में कुछ प्रतिकूल परिस्थितियां देखने को मिल सकती हैं। ऐसे में कोई भी फैसला आपके लिए सोच-समझकर लेना बेहतर होगा और जल्दबाजी में भी निर्णय लेने से बचें। ऐसा करने से बड़ा नुकसान हो सकता है। साथ ही, आपको अपनी सेहत पर भी आज खास ध्यान देने की जरूरत है।

सिंह राशि : नौकरी में पाएंगे लाभ

दिन सामान्य से थोड़ा बेहतर रहेगा। कारोबार में कामकाज की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आता जाएगा। नौकरी करने वालों को किसी बड़े अधिकारी का सहयोग मिलने से कार्यस्थल में आपकी स्थिति और ज्यादा मजबूत होती जाएगी। लेकिन आपको विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। वे आपके खिलाफ कोई रणनीति बना सकते हैं।

कन्या राशि : कार्यक्षेत्र में रहें सावधान

कार्यक्षेत्र में आपको अपने आसपास सही और गलत लोगों के बीच पहचान करनी होगी। अन्यथा कुछ लोग आपकी बातों का लाभ उठा सकते हैं और पीठ पीछे आपकी बुराई भी कर सकते हैं। ऐसे में सही लोगों के साथ रहना जरूरी होगा। व्यापार के सिलसिले में आप मित्रों के साथ भी बातचीत कर सकते हैं। जिससे सही दिशा मिलने की संभावना है।

तुला राशि : जरूरी फैसलों से भविष्य में होगा लाभ

अगर आप व्यवसाय या कारोबार से जुड़ा कोई प्रस्ताव, योजना या कागजी काम करने वाले हैं, तो उसे दिन के समय पूरा कर लेना बेहतर होगा। जरूरी फैसले लेने के लिए आप दिन के तीसरे पहर का समय उत्तम रहने वाला है। इससे भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है। आपको किसी परीक्षा या प्रतियोगिता के लिए भी तैयार रहना होगा।

वृश्चिक राशि : हर किसी पर न करें भरोसा

कार्यक्षेत्र में काम आपके मन मुताबिक नहीं होगा और कुछ विपरीत परिस्थिति भी देखने को मिल सकती है, जिससे मन थोड़ा उदास रहेगा। साथ ही, आपको किसी भी व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना होगा, अन्यथा धोखा मिल सकता है। व्यापार के मामले में दिन मिलाजुला रहेगा। कुछ कार्यों में सफलता मिलने की भी संभावना है, जिससे तनाव थोड़ा कम होगा। साथ ही, कोई अच्छी खबर भी सुनने को मिल सकती है जिससे उदासी दूर होगी।

धनु राशि : कामकाज में भागदौड़ से मिलेगा लाभ

अगर व्यापार के मामले में कई दिनों से आपके छोटे-छोटे कार्यों में बाधाएं आ रही थीं या वे बीच में अटके हुए थे, तो स्थिति बेहतर हो सकती है। आपके कार्यों में अब धीरे-धीरे सुधार आने लगेगा। लेकिन किसी अनावश्यक चीज को लेकर आपका मन अशांत रह सकता है। दोपहर के समय कामकाज के सिलसिले में भागदौड़ करने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

मकर राशि : नए संपर्क से होगा बड़ा लाभ

व्यापार के मामले में आपको कुछ नई जानकारियां प्राप्त हो सकती हैं, जिससे बौद्धिक क्षमता में भी बढ़ोतरी होगी। कामकाज के सिलसिले में किसी ऐसे व्यक्ति के साथ बातचीत या मुलाकात हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। प्रियजनों की ओर से कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

कुंभ राशि : मेहनत भरा रहेगा दिन

कार्यक्षेत्र में आपको अपने सभी जरूरी कार्यों को समय निपटाना होगा, जिसके चलते थोड़ी भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। नौकरी करने वालों का दिन भी व्यस्त रहने वाला है। वहीं, कुछ अपने लोग आपकी चिंता का कारण बन सकते हैं। ऐसे में धैर्य बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। निजी जीवन में भी आपको कुछ सही फैसले लेने होंगे।

मीन राशि : एक साथ करने होंगे कई कार्य

कार्यस्थल पर आपको बहुत सारे काम एक साथ करने पड़ सकते हैं, जिससे आपको प्रेशर महसूस होगा और पूरे दिन व्यस्त भी रहेंगे। सुबह के समय इन कार्यों को पूरा करने के लिए आपको मेहनत करनी होगी। क्योंकि दिन के बाद समय आपके लिए विपरीत हो सकता है। बनते कार्यों में अड़चनें आने की संभावना है, जिससे मानसिक तनाव भी बढ़ेगा।

भारतीय आध्यात्मिक, तांत्रिक और ज्योतिषीय परंपरा में विशिष्ट स्थान रखता है नागकेसर

नागकेसर से दूर होंगे ग्रह दोष, तंत्र मंत्र और आयुर्वेद में भी बताया है गुणकारी

नागकेसर, केवल एक वनस्पति नहीं, यह भारतीय परंपरा में दिव्यता, सौंदर्य और रहस्य का प्रतीक है, जो अपनी मौजूदगी से आत्मा को छूता है और अपनी संरचना से ब्रह्मांड के अदृश्य तत्वों को प्रकट करता है, आध्यात्मिक साधना, तांत्रिक अनुष्ठान और ज्योतिषीय उपचार का मौन साधन रहा है। नागकेसर एक दुर्लभ सुगंधित हर्ब के साथ भारतीय आध्यात्मिक, तांत्रिक और ज्योतिषीय परंपरा में विशिष्ट और रहस्यमय स्थान रखता है। इसकी महक जहाँ ध्यान की सूक्ष्म तरंगों को जाग्रत करती है, वहीं इसके सूक्ष्म तत्व तांत्रिक क्रियाओं और ग्रह बाधा निवारण में अचूक माने गए हैं। ऋषियों ने इसे 'दैवी पुष्प' कहा है, जो देवत्व की उपासना में आत्मा का सार बन जाता है।

आध्यात्मिक महत्व

नागकेसर को देवताओं का प्रिय पुष्प माना गया है। विशेषतः भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और श्रीराम को यह अर्पित किया जाता है। इस पुष्प का निर्माण अत्यंत शुद्धता से होता है, इसकी सुगंध स्थिर है, जैसे साधक की ध्यानावस्था; और इसकी पंखुड़ियाँ कोमल होते हुए भी सघन ऊर्जा से भरी होती हैं। यह पुष्प व्यक्ति के मनोमय कोश को शुद्ध करता है और आत्मिक कंपन को उच्च करता है।इसका उपयोग यदि प्रातःकालीन पूजा में किया जाए तो यह वातावरण को सात्त्विक बनाता है, और चेतना को स्थिर करता है। इसकी गंध उस मौन की स्मृति दिलाती है जहाँ शब्द निष्क्रिय हो जाते हैं और केवल अनुभव शेष रह जाता है।

तांत्रिक महत्व

तंत्र शास्त्र नागकेसर को एक रहस्यमय औषध मानता है, जो न केवल बाहरी शक्ति की रक्षा करता है, बल्कि भीतर की शक्तियों को भी जाग्रत करता है। भूत बाधा, काली शक्तियों, और नजर दोष से सुरक्षा हेतु नागकेसर को धूप में जलाया जाता है। माना जाता है कि यदि किसी को अनजानी नकारात्मक ऊर्जा से घिरा हुआ अनुभव हो, तो उसके तकिए के नीचे नागकेसर की कुछ कलियां रख देने से रात्रि भयमुक्त और स्वप्नदर्शना होती है। कुछ विशेष तांत्रिक साधनाओं में नागकेसर का प्रयोग यंत्रों के बीच किया जाता है, जैसे श्री यंत्र, कुबेर यंत्र, अथवा मोहिनी विद्या से जुड़े अनुष्ठानों में। यह पुष्प ऊर्जा का वाहक नहीं, स्वयं ऊर्जा का स्रोत बन जाता है।

ज्योतिषीय महत्व

नागकेसर ज्योतिषीय दृष्टि से एक शक्तिशाली रत्नीय समकक्ष माना गया है। शुक्र और गुरु की शुभता के लिए, विशेषतः जब इन ग्रहों की स्थिति कुंडली में पीड़ित हो, तो नागकेसर का प्रयोग अत्यंत लाभकारी होता है। इसे चांदी या पीतल की डिब्बी में दक्षिणावर्त घुमाकर मंत्र सिद्ध करके तिजोरी या पूजा स्थल में रखा जाता है, जिससे धन की स्थिरता, सौभाग्य में वृद्धि, तथा चंद्रमा की मानसिक शांति देने वाली ऊर्जा प्राप्त होती है। इसके अलावा, नागकेसर को राहु-केतु के दुष्प्रभाव, कालसर्प योग, तथा अचानक उत्पन्न होने वाली दुर्घटनाओं से रक्षा के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ज्योतिषीय उपायों में इसे विशेष रूप से गुरुवार या शुक्रवार के दिन अभिमंत्रित कर धारण किया जाता है।

आयुर्वेदिक महत्व

आयुर्वेद में नागकेसर को 'त्रिदोषहर' माना गया है - अर्थात यह वात, पित्त और कफ, तीनों दोषों को संतुलित करता है। इसके पुष्प, बीज, और छाल औषधीय प्रयोग में आते हैं।

इसका चूर्ण रक्तस्राव, विशेषकर महिलाओं के रजोनिवृत्ति संबंधी विकारों, आंतरिक सूजन, और आँतों की दुर्बलता में उपयोगी है।

यह हृदय को बल देता है, मस्तिष्क की बेचैनी शांत करता है और तनावजनित अनिद्रा में लाभकारी है।

इसकी सुगंध नाड़ी संस्थान को संतुलित करती है और ध्यान में स्थिरता लाती है।

समाहार

नागकेसर एक ऐसा पुष्प है जो धरती से उगता अवश्य है, परन्तु उसकी जड़ें किसी अलौकिक लोक से जुड़ी प्रतीत होती हैं। उसकी गंध में स्थायित्व है, पर उसमें बसा कंपन समय के बाहर है। वह पूजा की थाली में एक पुष्प हो सकता है, किन्तु साधक के लिए वह एक प्रवेशद्वार है, स्वयं की ऊर्ध्वगति की ओर, जहां इन्द्रियां मौन हो जाती हैं और चेतना प्रस्फुटित होती है।

नागकेसर एक वनस्पति मात्र नहीं, वह एक साक्षात प्राकृतिक अनुष्ठान है, एक साधना है, एक यात्रा है, भीतर की ओर।

21 सितंबर को सूर्य ग्रहण से छा जाएगा अंधेरा!

4 घंटे 24 मिनट का लंबा सूर्य ग्रहण, क्या भारत में देख पाएंगे

सूर्य ग्रहण को लेकर इस समय काफी चर्चा हो रही है। साल 2025 में 4 घंटे से ज्यादा का सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। ये सूर्य ग्रहण कब लगने जा रहा है। इसकी सटीक अवधि कितनी होने जा रही है और साथ ही सूर्य ग्रहण कहां-कहां दिखाई देगा। क्या यह भारत में भी दिखाई देगा?

इस साल सूर्य ग्रहण 21 सितंबर यानी रविवार को लगने जा रहा है। इस दिन आश्विन मास की अमावस्या तिथि है और यह सूर्य ग्रहण खंडग्रास सूर्य ग्रहण कहलाएगा। सूर्य ग्रहण की अवधि की बात करें तो यह भारतीय समयानुसार रात 10.59 बजे शुरू होगा और देर रात 3.23 मिनट तक रहेगा। ग्रहण की अवधि करीब 4 घंटा 24 मिनट की रहने वाली है। वहीं ग्रहण का मध्य काल रात 1.11 बजे रहेगा।

सूर्य ग्रहण कहां-कहां दिखेगा

यह सूर्य ग्रहण भारत के किसी भी शहर में नहीं दिखाई देगा। हालांकि यह अंटार्कटिका, ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी हिस्सों, न्यूजीलैंड और फिजी जैसे कुछ ही देशों में दिखाई देगा। चूंकि भारत में सूर्य ग्रहण नहीं दिखाई देगा इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। हालांकि हिंदू धर्म में सूर्य ग्रहण को शुभ नहीं माना जाता है। माना जाता है कि सूर्य को राहु और केतु ग्रस लेते हैं। सूर्य ग्रहण के दौरान शुभ कार्यों को करने से मना किया जाता है। इस दौरान भगवान का नाम जपने, दान-पुण्य करने का बड़ा महत्व माना जाता है।

अगला सूर्य ग्रहण कब लगेगा

वहीं अगले साल यानी 2026 की शुरुआत में भी सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। 17 फरवरी को यह सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। हालांकि यह भी भारत में नहीं दिखाई देगा। यह भारतीय समयानुसार दोपहर 3.26 बजे से रात 7.57 बजे तक लगेगा जिसे कंकण सूर्य ग्रहण कहा जा रहा है। लेकिन यह दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे, तंजानिया, नामीबिया, मोजांबिक, बोत्सवाना, अंटार्कटिका, दक्षिण अमेरिकी देशों अर्जेंटीना, चिली आदि देशों में दिखाई देगा।

सात घोड़ों वाली तस्वीर इन जगहों पर लगाकर देखें, बुरा वक्त होगा दूर, भाग्य देने लगेगा आपका साथ

वास्तुशास्त्र में सात घोड़े वाली तस्वीर घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति का जीवन खुशियों से भर सकता है। लेकिन अगर इसे सही स्थान पर न लगाया जाए या गलत प्रकार की तस्वीर लगाई जाए, तो जातक के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में अगर आप भी घर में सात घोड़े की तस्वीर लगाने की सोच रहे हैं, तो वास्तु के कुछ विशेष नियमों को जरूर जान लें। मान्यता है कि अगर कुछ खास स्थानों पर सात घोड़े की तस्वीर लगा दी जाए, तो इससे व्यक्ति के जीवन से बुरा वक्त दूर हो सकता है और भाग्य साथ देने लगता।

कार्यालय में लगाएं दौड़ते हुए घोड़ों की तस्वीर

सफेद घोड़ों को शक्ति, सफलता, शांति, शक्ति, साहस और प्रगति का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में इनकी तस्वीर को सही स्थान पर लगाने से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने शुरू हो सकते हैं। कारोबार में सफलता और तरक्की हासिल करने के लिए कार्यालय में सात घोड़ों की दौड़ती हुई तस्वीर लगाई जा सकती है। लेकिन इसका लाभ प्राप्त करने के लिए फोटो को पूर्व दिशा की और दीवार पर लगाएं। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। वास्तु के अनुसार, इससे व्यापार में लाभ प्राप्त होने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं और धन लाभ के योग भी बनने लगते हैं। इसके लिए सात घोड़ों की तस्वीर लगाते समय इस बात का भी ध्यान रखें की तस्वीर कार्यालय के अंदर की ओर हो। आप चाहें तो घर में घोड़े की नाल भी लटका सकते हैं, क्योंकि यह भी सात घोड़ें की तस्वीर के समान ही लाभ देने वाला होता है।

सात घोड़े की तस्वीर यहां लगाने से घर में आएगी खुशहाली

मान्यता है कि घर में सही दिशा और स्थान पर सात घोड़े की तस्वीर लगाने से नकारात्मकता दूर होती है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है। इसके लिए तस्वीर को लिविंग रूम में लगाया जा सकता है। इससे घर में होने वाले झगड़े और मनमुटाव दूर होने लगते हैं। साथ ही, परिवार के बीच का प्रेम बढ़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार सात घोड़े की तस्वीर लिविंग रूम में लगाने से जातक को आर्थिक तंगी से भी निजात मिल सकती है और घर में धन आने के अन्य मार्ग खुलने लगते हैं। इससे परिवार के बीच हमेशा सुख-शांति का माहौल बना रहता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

इन दिशाओं में 7 घोड़े की तस्वीर लगाने से बुरा वक्त होगा दूर

माना जाता है कि दौड़ते हुए सात घोड़े की तस्वीर लगाते वक्त सही स्थान के साथ-साथ सही दिशा का ख्याल रखना भी जरूरी होता है। इससे व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आने लगती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में सात घोड़े की तस्वीर को उत्तर दिशा की ओर लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन से दरिद्रता दूर होने लगती है और जीवन में आने वाली समस्याओं से भी निजात मिलती है। इसके अलावा, पूर्व दिशा में भी सात घोड़ों की तस्वीर लगाई जा सकती है। इससे व्यक्ति का बुरा वक्त दूर होता है और भाग्य आपका साथ देना शुरू कर सकता है। वास्तु के अनुसार सात घोड़ों की तस्वीर लगाने से परिवार के सदस्यों को जीवन और करियर में सफलता हासिल होती है।

सात घोड़े की तस्वीर लगाने के विशेष वास्तु नियम

हमेशा सात घोड़े की तस्वीर खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उसके पीछे का बैकग्राउंड उगते हुए सूरज का हो। इस प्रकार की पेंटिंग घर में लगाना शुभ माना जाता है।

पेंटिंग के बैकग्राउंड में चंद्रमा, उगता हुआ सूरज, या समुद्र तट होना अच्छा माना जाता है। इससे परिवार के सदस्यों के जीवन में सकारात्मकता आती है। साथ ही, सफलता भी प्राप्त हो सकती है।

सात घोड़े की तस्वीर में इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए कि सभी घोड़े बिना किसी बाधा के सीधी रेखा में दौड़ते हुए नजर आ रहे हों। इससे प्रगति का प्रतीक माना जाता है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में सात घोड़ों की ऐसी तस्वीर लगानी चाहिए जिसे देखकर आनंद का अहसास हो और वह आपको प्रेरित करती हो। घर में सकारात्मक प्रभाव डालने वाली तस्वीर लगाना बेहद शुभ होता है।

घर में ऐसी सात घोड़ों की तस्वीर कभी नहीं लगानी चाहिए, जिसमें घोड़े अलग-अलग दिशाओं में भाग रहे हों। साथ ही, ऐसी तस्वीर लगानी भी वर्जित मानी जाती है, जिसमें घोड़े क्रोध या आक्रामक मुद्रा में नजर आ रहे हों।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

संपादकीय

आपदा के दाग न बढ़ाएं

आपदा के पांव नहीं होते, फिर भी लंगड़ी राजनीति को वहां अपने चिन्ह दिखाई देते हैं। हमने इन्हीं कालमों में, 24 जुलाई के अंक में 'राहत में सियासत नहीं', के तहत जो अंदेशा प्रकट किया था, अंततः वही घिनौना परिदृश्य समाज से खेल रहा है। उस भावना को अपवित्र कर रहा है, जो पूरे हिमाचल से ही नहीं पड़ोसी राज्यों से भी राहत की खिड़कियां खोल रहा है। जनता का दर्द जनता जानती है, इसलिए राज्य के पास जो भी संभव है, उसे अर्पित किया जा रहा है, लेकिन आपदा के दाग पर सियासी या क्षेत्रवाद के दाग हिमाचल को भौंडा बना रहे हैं। एक परिदृश्य वो है जहां प्रदेश के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की सराज यात्रा का विरोध अति निम्न स्तर पर पहुंच जाता है और दूसरा यह कि अब इस अपमान की गलियों में जिक्र यह कि ये 65 लोग इसी अवसर की तलाश में थे कि काले झंडे दिखा कर एफआईआर अपने नाम किया जाए। हम राहत को राजनीति या राहत में क्षेत्रवाद ढूंढने की किसी भी कहानी का समर्थन नहीं करते, लेकिन यह कैसे स्वीकार करें कि केंद्र अपनी भूमिका से बच कर निकल जाए। हो सकता है समाज का एक पक्ष काले झंडे दिखाने पर फख्र महसूस करे या यह भी कि प्रशासन अब इनके खिलाफ सबक सिखाने में जुट जाए। इन दोनों परिस्थितियों में असहाय तो पीड़ित जनता ही होगी। जो सड़क पर थे, वे असल में थे ही नहीं। वहां तो आंदोलन खड़ा करके हर कोई अपने-अपने आका को खुश कर रहा था। दूसरी ओर अगर यह जनता का स्वाभाविक आक्रोश था, तो अब फैसले सड़क पर ही होंगे या प्रशासन व कानून-व्यवस्था से बेखबर होंगे। विवाद बागवानी महाविद्यालय को तुरत फुरत शिफ्ट करने से भी उभरा या ऐसी आशंकाओं में सियासत को अपना सुर मिला। अगर यह क्षेत्रवाद है, तो हिमाचल अतीत से अब तक केवल सत्ता का क्षेत्रवाद है। इसी संदर्भ में हिमाचल की आपदा धीरे-धीरे पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के चुनाव क्षेत्र सराज की आपदा में परिवर्तित होती है, तो राहत-एक पैमाना नहीं, पूरी तरह घमासान हो गया। आप उठाइए बयान या उठाइए काले झंडे, सभी के साथ चस्पां है क्षेत्रवाद। ऐसी सोच, समझ या बयानबाजी को तूल देने के बजाय राजस्व मंत्री को अपने राहत शिविर का दायरा बड़ा करना चाहिए था। बेशक हिमाचल अब सत्ता के संघर्ष में कांग्रेस और भाजपा के बीच विभक्त हो चुका है। यहां नीतियां केवल सत्ता का प्रभाव हैं, इसलिए हर तरह के विकास में नेताओं का क्षेत्रवाद से सना प्रभाव है। हम अगर बागबानी महाविद्यालयों की स्थापना में ही देखें, तो पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल हमीरपुर विधानसभा और जयराम ठाकुर सराज में यह सौगात ले आए। हम दर्जनों रेस्टहाउस, स्कूल-कालेज, बस डिपो, अनावश्यक कार्यालय व पर्यटन परिसर उजड़ते हुए देख सकते हैं, क्योंकि ये मकबरे सत्ता के प्रभाव में केवल सियासत की चरागाह को खोजते रहे। हम पूरे हिमाचल में ऐसे अनेक बुर्ज और बुर्जियां देख सकते हैं। आपदा के इन पलों में विकास की नीतियों और केंद्र से मदद के अल्फाज खोजने के बजाय अगर संदर्भ राजस्व मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री के बीच, राजनीति के नए मानक स्थापित भी कर लें, तो ऐसे वैमनस्य से मिलेगा क्या। सराज में केवल विरोध नहीं हुआ, बल्कि विरोध का एक नया सिलसिला भी पैदा हुआ है। यानी किसी विपक्षी घर के चूल्हे का धुआं न देखा गया, तो अपना भी एक दिन जलेगा। अंततः जनता न कभी राजा या फकीर होती है, लेकिन हिमाचल में हम देख सकते हैं कि यहां विकास भी नफरत के आईने में आत्ममुग्ध रहता है। सडक़ें कहीं सीना तान कर चौड़ी हो जातीं, तो कहीं मिट जातीं। सरकारें बदलते ही कई चुनाव क्षेत्र, कई महत्त्वपूर्ण शहर या पर्यटक स्थल अछूत हो जाते हैं और यकायक विकास के सारे पत्थर अपनी पसंद के इलाकों में नए मकबरे चिन लेते हैं, जहां अकसर आत्मश्लाघा एक दिन चूर-चूर हो जाती है। हिमाचल को सत्ता का कस्बा बना देने से कौन-कौन बार लौटा, बल्कि हर बार जनता तमाशबीन बन कर कभी अपने तो कभी इस प्रदेश के दिन गुजारती है। कम से कम इस आपदा में तो राजनीति और न ही राजनीतिक क्षेत्रवाद को अवसर मिलना चाहिए।

> हमने इन्हीं कालमों में, 24 जुलाई के अंक में 'राहत में सियासत नहीं', के तहत जो अंदेशा प्रकट किया था, अंततः वही घिनौना परिदृश्य समाज से खेल रहा है। उस भावना को अपवित्र कर रहा है, जो पूरे हिमाचल से ही नहीं पड़ोसी राज्यों से भी राहत की खिड़कियां खोल रहा है। जनता का दर्द जनता जानती है, इसलिए राज्य के पास जो भी संभव है, उसे अर्पित किया जा रहा है, लेकिन आपदा के दाग पर सियासी या क्षेत्रवाद के दाग हिमाचल को भौंडा बना रहे हैं। एक परिदृश्य वो है जहां प्रदेश के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की सराज यात्रा का विरोध अति निम्न स्तर पर पहुंच जाता है और दूसरा यह कि अब इस अपमान की गलियों में जिक्र यह कि ये 65 लोग इसी अवसर की तलाश में थे कि काले झंडे दिखा कर एफआईआर अपने नाम किया जाए। हम राहत को राजनीति या राहत में क्षेत्रवाद ढूंढने की किसी भी कहानी का समर्थन नहीं करते, लेकिन यह कैसे स्वीकार करें कि केंद्र अपनी भूमिका से बच कर निकल जाए।

कुछ अलग

ये मौत के मंदिर

क्षमा करें, हम आपकी आस्था का अपमान नहीं कर रहे हैं और न ही उसे क्षुद्र मान रहे हैं। आपके मन में किसी भी आराध्य-देव के प्रति आस्था है, लिहाजा आप दर्शन करने मंदिरों और तीर्थ-स्थलों तक जाते हैं। हमारी जिज्ञासा और सवाल ये हैं कि ऐसी तीर्थ-यात्रा, आराध्य-देव के दर्शन 'मौत' में तबदील क्यों हो जाते हैं? भगदड़ के हादसे क्यों होते हैं? आराध्य-देव के मंदिर इतने दुर्गम, दुर्लभ और ऊबड़-खाबड़, संकरे रास्तों के पार ही क्यों स्थित हैं? क्या ईश्वर अपने भक्तों, श्रद्धालुओं की निरंतर परीक्षा लेते रहते हैं? क्या ये मौतें भी इनसान की नियति ही हैं? ये सवाल आपकी आस्था को खंडित करने वाले नहीं हैं। प्रभु तक पहुंचने वाले रास्ते सुगम, सरल, सहज भी हो सकते हैं।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे

मनसा का मातमः अफवाह बनी त्रासदी की वजह

ललित गर्ग

> धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी।

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ति और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी।

भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी। इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा। इस दौरान बचे हुए श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ इतनी घनी थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। मनसा देवी मंदिर की यह घटना हमें याद दिलाती है कि भीड़ सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि अगर उसे सही दिशा और सुरक्षा नहीं दी जाए तो वह भयावह त्रासदी में बदल सकती है। यह समय है कि प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं ताकि आस्था के केंद्र जीवन के लिए खतरा न बनें। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी के इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है। रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं।

देश दुनिया से

कम्बोडिया-थाईलैंड संघर्ष और सुलह के सवाल

भगवान विकिसके हैं? उनकी आराधना से जुड़ा मंदिर किसका है? इसे लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ी और कुछ समय के लिए रुक गई। ट्रम्प इस जंग के रेफरी थे। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि एशिया में दो लड़ते देशों के बीच उन्होंने शांति स्थापना की है। पहले, भारत-पाकिस्तान, फिर ईरान-इस्राइल, और अब कम्बोडिया-थाईलैंड। व्हाइट हाउस ने पूरी दुनिया को सन्देश देने की कोशिश की है कि ट्रम्प की धमकी काम कर गई। मगर, मलेशिया और चीन ने भी दावा किया है, कि उनकी पहल पर थाई-कम्बोडिया के बीच शांति वार्ता संपन्न हुई। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया ने 'तत्काल और बिना शर्त' युद्धविराम पर सहमति जताई है। सोमवार को मलेशिया की प्रशासनिक राजधानी पुत्रजया स्थित प्रधानमंत्री अनवर के आवास पर थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने युद्धविराम वार्ता के लिए मुलाकात की थी। हुन मानेट ने ट्रम्प की 'निर्णायक' भूमिका की भी प्रशंसा की और कहा कि हमारे देश और पड़ोसी थाईलैंड के बीच 'विश्वास और भरोसे का पुनर्निर्माण' होगा। थाईलैंड के फुमथम, जिन्होंने पहले मलेशिया में वार्ता से पहले कंबोडिया की ईमानदारी पर संदेह व्यक्त किया था, ने कहा, कि थाईलैंड युद्धविराम पर सहमत हो गया है, जिसे 'दोनों पक्षों द्वारा सद्भावनापूर्वक लागू किया जाएगा।' दक्षिण-पूर्व एशिया के इन दो पड़ोसी देशों के बीच एक दशक से भी ज़्यादा समय से संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। लड़ाई शुरू होने के चार दिन बाद, रविवार तक, मृतकों की संख्या 30 से ज़्यादा हो गई, जिनमें थाईलैंड में 13 और कंबोडिया में आठ नागरिक शामिल हैं। रविवार को स्कॉटलैंड में पत्रकारों से बात करते हुए, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हमने दोनों देशों को चेतावनी दी है कि अगर शत्रुता जारी रही, तो वाशिंगटन के साथ भविष्य के व्यापार समझौते निलंबित कर दिए जाएंगे। थाईलैंड और कंबोडिया 817 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा

साझा करते हैं। साल 1904 में पहली फ्रैंको-सायामी संधि हुई और दूसरी 1907 में फ्रांसीसी तृतीय गणराज्य और सियाम (वर्तमान थाईलैंड) के बीच हुई। इस संधि के तहत सियाम ने कंबोडिया के कुछ हिस्सों को फ्रांस को सौंप दिया, और फ्रांस ने सियाम को कुछ क्षेत्र वापस कर दिए। मगर, इस सीमा निर्धारण में 11वीं सदी में खमेर राजाओं द्वारा निर्मित प्राचीन शिव मंदिर प्रीह विहियर परिसर आ चुका था। इस पर विवाद के क्रम में कंबोडिया ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय से मांग की थी कि वह इस मंदिर पर अधिकार का फ़ैसला उसे दे, और थाईलैंड को साल 1954 से वहां तैनात अपने सैनिकों को हटाने का आदेश दे। 15 जून, 1962 को हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अंतिम निर्णय में कहा, कि साल 1904 की फ्रैंको-सायामी संधि के हवाले से एक संयुक्त सीमा-निर्धारण आयोग बनाया गया था, जिसके बनाए नक्शे में उस मंदिर को कंबोडिया की सीमा में दिखाया गया था। न्यायालय को इसके भी प्रमाण मिले कि थाईलैंड ने वास्तव में उस नक्शे को स्वीकार किया था, कि प्रीह विहियर मंदिर कंबोडियाई क्षेत्र में आता है। लेकिन थाईलैंड पलट गया, और कोर्ट से कहा कि अगर स्वीकार किया, तो ग़लत धारणा में किया। हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने यह भी कहा, कि थाईलैंड को वहां तैनात अपनी सैन्य या पुलिस टुकड़ियों को हटाना होगा। 46 साल बाद, 7 जुलाई, 2008 को, प्रीह विहियर को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, जिसमें इस मंदिर को कंबोडियाई क्षेत्र में माना गया। इसे लेकर थाईलैंड भड़क चुका था। यह मामला एकबार फिर हेग सुनवाई के लिए चला गया। पांच साल बाद, 2013 में दिये एक और फैसले में आईसीजे ने कंबोडिया का पक्ष लिया, जो थाईलैंड को मान्य नहीं था। बैंकॉक का कहना है कि उसने कभी भी अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं दी है, और वह द्विपक्षीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक प्रतिद्वंद्विता खेल, भोजन और पहनावे तक फैल गई। थाई राष्ट्रवादी, कम्बोडिया को 'क्लेम्बोडिया' बोलते हुए, उसके द्वारा की गई 'सांस्कृतिक चोरी' की निंदा करते हैं, जबकि उनके खमेर समकक्षों ने उन्हें 'स्यामी चोर' करार दिया है। जुलाई, 2025 की शुरुआत में, कंबोडिया द्वारा अपनी खमेर विवाह परंपरा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल करने के लिए नामांकित किए जाने पर विवाद छिड़ गया था। इस विवाद को सुलगाने में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका थी। थाई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया, कि यूनेस्को की सूची में एक थाई पारंपरिक पोशाक भी शामिल थी। इसे जानते ही राष्ट्रवादियों का गुस्सा भड़क उठा। थाई सैनिकों ने बीते गुरुवार को 13वीं शताब्दी के ता मोआन मंदिर परिसर को कंटीले तारों से घेर दिया, जिससे हिंसक वारदातें शुरू हो गईं। गोलीबारी के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग विस्थापन के शिकार हुए। सबसे मुश्किल स्थिति क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर है। आसियान देश मानते हैं, कि सदस्यों के बीच मतभेद हम सुलझा लेंगे। चीन के कंबोडिया और थाईलैंड के साथ रणनीतिक संबंध हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि चीन अपनी निष्पक्ष स्थिति बनाए रखेगा और युद्धविराम में रचनात्मक भूमिका निभाएगा। इससे पहले मलेशियाई प्रधानमंत्री दातुक सेरी अनवर इब्राहिम ने गुरुवार को सीमा विवाद के संघर्ष में बदल जाने के तुरंत बाद युद्धविराम वार्ता का प्रस्ताव रखा था। लेकिन ट्रंप को अपनी चौधराहट दिखानी थी। यह भी सन्देश देना था, कि वह अपने दूसरे कार्यकाल में शांतिदूत होकर अवतरित हुए हैं।

आप का नजरिया

आकांक्षाओं से भरा जिला चंबा

चंबा की तो यूं कई विशेषताएं हैं, परंतु आजकल चंबा में चल रहा मिंजर मेला चंबा की एक विशेष पहचान है। अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेला चंबा की सदियों पुरानी रीति-रिवाजों और संस्कृति की एक झलक है। बदलते समय के साथ मिंजर का स्वरूप भी बदला और मिंजर सांस्कृतिक के साथ व्यापारिक बुलंदियों पर भी पहुंचा। परंतु आज मैं बात मिंजर को लेकर नहीं, बल्कि चंबा के मुख्य विषय विकास को लेकर कर रहा हूं। चंबा हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत और ऐतिहासिक, पौराणिक व सांस्कृतिक जिला है। इसे जितने भी विशेषणों से नवाजा जाए, कम है। परंतु एक विशेषता जो इसको उपहार में मिली है, वो है 'आकांक्षी जिला'। जी हां, चंबा की आकांक्षाओं को किसी ने समझा ही नहीं और जब समझा तो उसे ये तमगा मिला। जिला चंबा को आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो ये आकांक्षी होना चंबा के विकास के लिए सुनहरा अवसर है। परंतु विचार करने वाला प्रश्न यह भी है कि पिछले 10 सालों में चंबा की कितनी आकांक्षाओं को पूरा किया गया। जिला चंबा हिमाचल के क्षेत्रफल की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा जिला है। चंबा की भौगोलिक संरचना भी थोड़ी प्रतिकूल है। चंबा एक कोने में बसा है। जहां आगे जाने का कोई रास्ता नहीं, वहां जाकर आपको यदि दुनिया से जुडऩा है तो निश्चित ही वापस आना पड़ेगा। इसलिए भी चंबा के विकास में कई रोड़े आते रहे। चंबा के पास कोई बहुत ज्यादा नेशनल हाईवे नहीं हैं। चंबा में कोई बहुत बड़ा उद्योग क्षेत्र नहीं है, चंबा के पास कोई बहुत बड़ा व्यापारिक क्षेत्र नहीं है, चंबा कोई बहुत बड़े कॉलेज या यूनिवर्सिटी नहीं चलाता, चंबा के पास कोई बहुत बड़ी खेल अकेडमी नहीं है। हां, अगर थोड़ा बहुत कुछ है तो वो पर्यटन स्थल है, परंतु वो चंबा के विकास में कुछ खास योगदान नहीं देते। अभी चंबा देश के 115 आकांक्षी जिलों में से एक जिला है जो निःसंदेह प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। आकांक्षी जिलों के लिए जो सबसे बड़ा रोडमैप बनाया गया, वो ये मुख्य पांच प्रकार से हैं- स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, कौशल विकास और आधारभूत सुविधाएं। आज चंबा आकांक्षी जिलों में अग्रणी है, इसमें कोई दो राय नहीं। हम बहुत से क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, परंतु आज भी चंबा के पास वो सुविधा नहीं पहुंच पाती जो चंबा को चाहिए। शिमला से विकास की गाड़ी बस यही गीत गाते चलती है कि 'माएं नी मेरिये शिमले दी राहें चंबा कितनी की दूर'। और दिल्ली से ये गाड़ी और भी दूर हो जाती है। जब कक्षा में कोई कमजोर छात्र हो तो शिक्षकों को उस पर विशेष ध्यान देना पड़ता है, परंतु हिमाचल के इस पिछड़े जिले को वो स्थान नहीं मिलता। हर बार चंबा राजनीतिक इच्छा शक्ति से पिछड़ जाता है। इस बार विधानसभा अध्यक्ष के रूप में कुलदीप सिंह पठानिया के प्रयास इस ओर जरूर रहे हैं कि चंबा को विश्व पटल पर लाया जाए। वो अपने भाषणों में भी चंबा का जिक्र करते हैं और चंबा की पीड़ा को समझते हैं। चंबा-चुवाड़ी सुरंग उनकी महत्वाकांक्षी योजना में से एक है जिसके लिए वो निरंतर प्रयासरत दिख रहे हैं। आज उनके कार्यकाल में ये काम शुरू भी हुआ है, भले ही ये मांग पिछली सरकार से चली आ रही है। परंतु ये भी सभी जानते हैं कि केंद्र सरकार के बिना इस सुरंग निर्माण का कार्य संभव नहीं है। ये सुरंग चंबा के लिए बहुत प्रकार से उपयोगी होने वाली है। इससे चंबा की दूरी कम होगी तो वहीं दुनिया की पहुंच चंबा तक सुगम होगी। परंतु इसके लिए अभी लंबा इंतजार करना पड़ेगा। चंबा की आकांक्षाओं को यदि पंख लग सकते हैं, तो वो एक क्षेत्र बिजली भी है। चंबा हिमाचल व देश की बिजली आपूर्ति में अहम भूमिका निभाता है। कहते हैं कि भारत का चंबा दूसरा ऐसा क्षेत्र था जहां सन 1910 में अपनी बिजली थी। ऐसे चंबा को पिछड़ता देखना सच में दुख की बात है, परंतु अब चंबा को यदि आगे लाना है तो सरकारों को प्रयास करने ही होंगे। चंबा के गांव बहुत दूर-दूर तक हैं। यहां बहुत से ऐसे गांव अभी भी हैं जो सडक़ सुविधाओं से महरूम हैं। यहां आज भी लोग कठिन जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इन लोगों की आकांक्षाओं में सडक़ ही मुख्य है। ऐसे गांवों को सडक़ों से जोड़ा जाना अति आवश्यक है। चंबा में भले ही मेडिकल कॉलेज खुल चुका है, परंतु स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में चंबा अति पिछड़ा है, इसमें कोई दो राय नहीं। बहुत कम डॉक्टर यहां नौकरी करना पसंद करते हैं। कारण है चंबा में शिक्षा का पिछड़ापन। बहुत से उच्च अधिकारी बेहतर शिक्षा सुविधाओं के न होने पर भी चंबा का रुख नहीं करते। चंबा के सरकारी स्कूलों में भी शिक्षकों की कमी आए दिन चर्चा का विषय रहती है, तो बहुत आधुनिक निजी स्कूल भी यहां उपलब्ध नहीं हो पाते। व्यापार की बात करें, तो हमें हर सामान अपने पड़ोसी राज्य पंजाब से ही लाना पड़ता है। सडक़ों की स्थिति पर हम पहले ही चर्चा कर चुके हैं। लैंड स्लाइड और संकरे रोड यहां के व्यापार और पर्यटन दोनों को ही प्रभावित करते हैं। सडक़ों की बेहतर सुविधा न होने से बहुत से पर्यटक चंबा का रुख नहीं करते। कृषि की बात करें तो उसमें भी हमारे किसान बहुत उन्नत नहीं हैं। यहां के खेत छोटे और सीढ़ीनुमा होते हैं। आलू, लहसुन और मक्की की खेती की जाती है, परंतु वो इतनी ज्यादा नहीं होती कि उसे राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया जा सके। इसलिए चंबा को आकांक्षी जिला से अग्रणी जिला में लाने के लिए विशेष ध्यान देना होगा। निःसंदेह इसमें बहुत पैसा खर्च होगा और इसमें सरकारों को पीछे नहीं हटना चाहिए।

दृष्टि कोण

भारत अब चौथा सर्वाधिक समानता वाला देश

हाल ही में जारी विश्व बैंक की 'स्प्रिंग 2025 पावर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' ने दुनिया में एक बहस शुरू की है। बहस का मुद्दा यह है कि क्या भारत वास्तव में दुनिया का चौथा सबसे समान देश बन गया है, जैसा कि इस रिपोर्ट में कहा गया है। वास्तव में देश और दुनिया में प्रचलित विमर्श का यह रिपोर्ट खंडन करती है। देश में बड़ी तादाद में बुद्धिजीवी जो इससे पूर्व की रिपोर्टों और आंकड़ों का हवाला देते हुए यह तर्क देते रहे हैं कि देश में आर्थिक संवृद्धि के साथ-साथ असमानताएं भी बढ़ी हैं। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि आर्थिक संवृद्धि के साथ-साथ गरीब और अमीर के बीच खाई बढ़ी हैस वंचित वर्ग के हालात पहले से अधिक बिगड़े हैं और यह असमानता आय और संपत्ति दोनों में दिखाई देती है। ऐसे में यदि कोई रिपोर्ट यह कहे कि देश में असमानताएं कम हुई हैं तो असमंजस स्वाभाविक ही है। ऐसे में उन बुद्धिजीवियों द्वारा इस प्रकार की रिपोर्ट पर प्रश्नचिन्ह लगाना भी स्वाभाविक ही है। लेकिन यहां यह भी सत्य है कि जो लोग यह मानते हैं कि देश में आय और संपत्ति की असमानताएं बढ़ी हैं, वे भी आंकड़ों के आधार पर अपनी बात को सिद्ध कर सकते हैं और जो रिपोर्ट विश्व बैंक ने प्रकाशित की है, वह भी आंकड़ों पर ही आधारित है। समझने की कोशिश करते हैं कि क्या विश्व बैंक की रिपोर्ट सिर्फ आंकड़ों का खेल है, जैसा उसके आलोचक दावा करते हैं या उसमें कुछ सच्चाई है। और यदि यह सच है तो यह भी समझने का प्रयास करेंगे कि भारत में समानताएं घटने के पीछे कारण क्या हैं?

आय और संपत्ति की असमानताएं : असमानताओं को मापने का सर्वाधिक उपयोगी तरीका गिनी चटांक माना जाता है। गिनी चटांक शून्य से एक तक होता है, जहां शून्य गिनी सह गुणांक पूर्णतः समानता को और 1 पूर्णतः असमानता

को दर्शाता है। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनामिक रिसर्च और अन्य गृहस्थ आय सर्वेक्षणों के आंकड़ों के अनुसार 2023 में आय गिनी सह गुणांक 0.410 था जो 1955 में 0.371 से भी अधिक था। यदि संपत्ति के वितरण के बारे में विचार करें तो ग्रामीण क्षेत्रों में 2023 में यह सह गुणांक 0.405 था जो 1955 में 0.341 से कहीं अधिक था, जबकि शहरी क्षेत्र में यह 1955 में 0.392 से घटकर 2023 में 0.382 ही रह गया, लेकिन अभी भी यह काफी ऊंचे स्तर पर बना हुआ है।

लेकिन घट गई है उपभोग में असमानताएं : भारत में आय और संपत्ति में बढ़ती असमानताओं के बीच, अच्छी खबर यह है कि उपभोग में असमानताएं कम हो रही हैं। इसे अलग-अलग शब्दों में पहले यूएनडीपी की रिपोर्ट के अनुसार बहुआयामी गरीबी में भारी कमी और बाद में विश्व बैंक की हाल ही में जारी रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में अत्यधिक गरीबी में बड़ी कमी दर्ज की गई है। हालांकि अत्यधिक गरीबी की परिभाषा 2.15 डॉलर प्रतिदिन से बदलकर 3.0 डॉलर प्रतिदिन कर दी गई है, फिर भी 2022-23 में केवल 5.3 प्रतिशत लोग ही अत्यधिक गरीबी से पीड़ित थे। दिलचस्प बात यह है कि 2011-12 में यह आंकड़ा 27.1 प्रतिशत था। और यदि इस परिभाषा को पहले की तरह 2.15 डॉलर ही रखा जाए, तो 2022-23 में अत्यधिक गरीबी से पीड़ित लोगों का प्रतिशत केवल 2.3 प्रतिशत ही रह गया है। विश्व बैंक द्वारा हाल ही में जारी इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में उपभोग में असमानताएं अब कम हो गई हैं। एक अधिक समतापूर्ण समाज की ओर भारत की यात्रा पिछले कुछ वर्षों में उसके गिनी सूचकांक में परिलक्षित होती है। 2011 में यह सूचकांक 28.8 था, जो 2022 में 25.5 तक पहुंच गया। इसका मतलब है कि अब यूएनडीपी से लेकर विश्व बैंक तक, सब में इस बात पर आम सहमति है कि भारत में उपभोग असमानताएं निश्चित रूप से कम हुई हैं। लेकिन दूसरी ओर आलोचक भारत में बढ़ती असमानताओं का तर्क आगे बढ़ा रहे हैं। वे इस सच्चाई को मानने के लिए तैयार नहीं हैं कि गरीबी और उपभोग में असमानताएं दोनों पहले से कम हो गए हैं।

क्या कहते हैं आलोचक : आलोचकों का पहला तर्क यह है कि विश्व बैंक की रिपोर्ट गृहस्थ उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित है और इसमें आय और संपत्ति को शामिल नहीं किया गया है। उपभोग आधारित गिनी सहगुणांक असमानताओं को कम करके आंकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप आपको आत्मविश्वास से साथ दिन की शुरुआत करने की जरुरत हैं आप एक से अधिक प्रोजेक्ट में शामिल होंगे और समय की कमी भी महसूस कर सकते हैं. वित्तीय स्थिति में सुधार होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त रास्ता भी मिल सकता है. यदि आप परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी स्थिति को बढ़ाना चाहते हैं तो अपने मन को एकाग्र रखें प्रत्येक बिंदु पर ध्यान देने की जरुरत हैं । आपको अपने जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा. प्रेम संबंध मजबूत होंगे. व्यायाम करते रहें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार की शुरुआत कुछ धीमी रहेगी आपको अपने क्रोध पर संयम बरतने की आवश्यकता हैं, वरना व्यर्थ विवाद में फंस सकते हैं. दोपहर के बाद धन का आगमन होगा. किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है. संतान की शिक्षा पर व्यय बढ़ेगा. आपकी निर्णय लेने की क्षमता और पराक्रम में वृद्धि होगी. आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने के भी योग हैं प्रेमी जोडों को आपस मे मिलने का सही समय हैं एक दूसरे को मन की बात कहने से पीछे नही हटना चाहिए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन आपकी परेशानी को दूर करेगा आपकी सारी इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है. बिजनेस के सिलसिले में आपकी यात्रा हो सकती है. साथ ही यात्रा सुखद रहेगी. संतान पक्ष से सुख की अनुभूति हो सकती है, जिससे आपके खुशियों में इजाफा होगा. ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलेगा, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा. गणेश जी के मंत्र का जप करें कार्यसिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन सफलता वाला रहेगा श्रेष्ठ परिणाम रहेंगे . परीक्षा या नौकरी की तलाश करने वाले या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक लोगों को सतत प्रयास करने जरुरत हैं. क्योंकि आने वाले समय में सफलता आपके साथ होगी. व्यवसाय विस्तार की योजना संभव है. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. आप अपने समर्पण और कड़ी मेहनत से दूसरों से आगे रहेंगे. पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण होगा और पारीवारिक सदस्यों के मध्य एकता रहें । आप का परिवार का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है और इसके कारण आप अधिक तनाव मे रहेंगे और बेचैन होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. कोई बड़ा काम होगा. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. यात्रा लाभदायक रहेगी. आपके छोटे भाई या बहन का समर्थन आप को आत्मविश्वास देगा. अतिरिक्त काम में किसी की मदद मिल सकती है. पुराने कुछ मामलों में अनबन खत्म हो सकती है. दूसरो की समज को भी नजरअंदाज नही करना चाहिए ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज एकाएक आपको अचानक धन लाभ होगा. ऑफिस के कुछ सहकर्मी आपके काम में सपोर्ट करेंगे, जिससे आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा. किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आगे आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा. आपके सोचे हुए काम आसानी से पूरे होंगे. नौकरी या बिजनेस में आप जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें आपको पूरा सफलता मिलेगी. अपनी सामर्थ्य अनुसार मंदिर मे दान करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को सामाजिक तौर पर फायदा होगा राजनीति क्षेत्र मे जमीन तलाश कर सकते हैं जीवन में कुछ बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिनका उपयोग आप अपने लाभ के लिए कर सकते हैं. किसी बुद्धिमान व्यक्ति से मिलने वाली महत्वपूर्ण सलाह पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि आप उससे अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं. विचारों का आदान–प्रदान भी आपको बहुत लाभ दिला सकता है. आपको अपने पिता के सुझाव का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि यह आपके लिए कुछ नए वित्तीय मार्ग खोलने में मदद कर सकते हैं. परिवार की महिला का स्वास्थ्य आप को चिंता मे डाल सकता है.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज किसी पर भी आप को भरोसा नही करना चाहिए पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. अपने आत्मविश्वास पर आप को आगे बढना चाहिए उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें. रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है.गाय को गुड खिलाए और चिंटियों शक्कर डालें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह धार्मिक ग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए विचारों मे सात्विकता रहेगी मित्रो के साथ समय बितेगा , जिससे घर में खुशियों का माहौल बन जायेगा. आप बच्चों को कुछ उपहार जरूर दें बच्चे पढ़ाई में महनत करते रहेंगे टीचर्स भी सहायता करेंगे. जिससे बच्चों का रुझान पढ़ाई में बढ़ेगा. आप कोई नया काम करने की सोचेंगे. शिवजी के सन्मुख तिल के तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप अपने अलग अलग व्यापार का एक मे विलय कर सकते. कठिन समय है, कार्य स्थल पर बार–बार परिवर्तन आपको भ्रमित कर सकता है. प्रेम संबंधों के लिए यह एक अच्छा समय है. आप का परिवार के साथ तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनेगा विवाहित सम्बन्ध मे तनाव हो सकता हैं परंतु आप का मौन और संयम तनाव का अंत सुखद बना देगा बच्चे आपको व्यस्त और खुश रखेंगे. स्वास्थ्य मजबूत रहेगा । शाम के समय मे मन भी प्रफुल्लित रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सभी ओर से खुशी का वातावरण रहेगा पारिवारिक जीवन मे संतुष्टि रहेगी एवं आपस मे सौहार्दपूर्ण माहौल रहेगा. जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा. छोटी–मोटी नोंक–झोंक को नजरअंदाज करना चाहिए दूसरों के काम में दखल न दें. झंझटों से दूर रहें. विवाद को बढ़ावा न दें । आज आप व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें.आप के प्रयास धन की किल्लत को दूर करेंगे नौकरी की समस्या हल होगी ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज किसी मित्र के यहा हवन का आयोजन बन सकता हैं आप की व्यस्तता भी रहेगी फिर भी आपका दिन खुशनुमा रहेगा. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. ऑफिस में आपके काम को लेकर सीनियर्स आपकी तारीफ कर सकते हैं. छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. साथ ही कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है. नंदी को चावल का भूसा खिलाए आर्थिक संकट दूर होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 जुलाई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
तिथि : षष्ठी रात्रि 02:43 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 09:53 तक
योग : सिद्ध रात्रि 03:40 तक
करण : कौलव दोपहर 01:42 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:54 , सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:56 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कल्की जयंती ,वर्ण षष्ठी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में एक नई हरित क्रांति का सूत्रपात

राजस्थान में 6 करोड़ 81 लाख से अधिक का पौधारोपण

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में एक नई हरित क्रांति का सूत्रपात हुआ है। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरियालो राजस्थान (एक पेड़ मां के नाम) पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। यह एक जन–आंदोलन का रूप ले चुका है जिसमें आमजन सहित राजकीय, गैर–राजकीय संस्थान प्रदेश के सभी अंचलों में वृक्षारोपण कर रहे हैं। केवल चार महीनों के समय में ही 6 करोड़ 81 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं जोकि प्रदेश का ग्रीन कवर बढ़ाने में दूरगामी कदम है।

पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन भारतीय संस्कृति में अभिन्न अंग है। आमजन वृक्षों के संरक्षण को प्रकृति के प्रति अपना प्रमुख नैतिक कर्तव्य मानते हैं और इसकी निष्ठा से पालना भी करते हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने इन्हीं मूल्यों को प्रोत्साहित करने के लिए हरियालो राजस्थान महाभियान का नवाचार किया है। इस महाभियान का लक्ष्य न केवल पौधे लगाना है बल्कि उसका वृक्ष के रूप में आकार लेने तक संरक्षण करना भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू हुए 'एक पेड़ मां के नाम' की भावना को इसमें प्रमुखता से समाहित किया गया है ताकि प्रदेशवासी जब मां के नाम पौधा लगाएं तो उसे परिवार का सदस्य मानकर देखभाल भी करें।

मुख्यमंत्री शर्मा इस अभियान की नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं जिसके फलस्वरूप यह अभियान सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाएं और उसकी समुचित देखभाल भी करें। हर पौधे का संरक्षण और संवर्धन करना हमारा प्रमुख ध्येय होना चाहिए। गौरतलब है कि अभियान के अंतर्गत लगाए जा रहे पौधों की सतत मॉनिटरिंग करने के क्रम में हरियालो राजस्थान ऐप की भी लॉन्चिंग की गई है, जिसके माध्यम से अब तक लाखों वृक्ष प्रेमियों को डिजिटल प्रमाणपत्र भी दिए जा चुके हैं।

इस अभियान के परिणामस्वरूप राजस्थान के कोने–कोने में वृक्षारोपण की भावना का तेजी से प्रसार हुआ है और ऐतिहासिक जनभागीदारी भी सुनिश्चित हुई है। प्रदेश की 8 करोड़ जनता ने अपनी सहभागिता से एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सम्पूर्ण प्रदेश में 1 अप्रैल 2025 से 29 जुलाई 2025 (लगभग 4 माह) के दौरान 6 करोड़ 81 लाख 60 हजार 999 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। यह वृक्षारोपण 1 लाख 80 हजार 456 स्थानों पर किया गया, जिसमें 53 से अधिक प्रजातियों के पौधे लगाये गए। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने पौधारोपण में अग्रणी भूमिका निभाते हुए 2 करोड़ 33 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया। यह मुहिम गांव–ढाणी तक पहुंची और आमजन ने पूरी सक्रियता से पौधारोपण किया। वहीं, वन विभाग ने 1 करोड़ 76 लाख से अधिक पौधे लगाकर जैव विविधता को सहेजने में उल्लेखनीय कार्य किया। शिक्षा विभाग ने भी इस अभियान को शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचाते हुए 1 करोड़ 14 लाख से अधिक पौधारोपण कर बच्चों में प्रकृति प्रेम और संरक्षण की भावना को जागृत किया। जिलेवार पौधारोपण में जयपुर जिले ने 66 लाख से अधिक पौधों का रोपण कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। उदयपुर जिले ने 33 लाख, जबकि जैसलमेर ने 32 लाख से अधिक पौधे लगाकर अभियान में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। आमजन, स्वयंसेवी संगठन और प्रदेश सरकार ने मिलकर पर्यावरणीय चेतना को जनक्रांति में बदला है।मुख्यमंत्री शर्मा ने हरियाली तीज के पावन पर्व पर जयपुर के मदाऊ में 27 जुलाई को राज्य स्तरीय वन महोत्सव में शिरकत की और आमजन से सघन वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। इसके फलस्वरूप प्रदेशभर में एक दिन में 2 करोड़ 54 लाख पौधे लगाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया गया। हरियालो मिशन के तहत 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है जिसमें से इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मिशन हरियालो राजस्थान का शुभारंभ किया था। गत वर्ष 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली/जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मिलकर राजस्थान के विकास पर चर्चा की। सीएम ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं निरंतर सहयोग के लिए राजस्थान की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने नई ऊंचाइयों को छूते हुए विश्वपटल पर अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। उनके कुशल मार्गदर्शन में पिछले डेढ़ वर्ष से राजस्थान निरंतर विकास की सभी बाधाओं को पार करता जा रहा है और नई ऊंचाइयां छू रहा है। हमारी डबल इंजन की सरकार लगातार राजस्थान को एक आदर्श राज्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, जहां प्रत्येक किसान, युवा, महिला, गरीब और वंचित वर्ग को न्याय मिल रहा है और वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ सम्मान युक्त जीवन जी रहे हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने आने वाले समय में राजस्थान को और अधिक सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

विधानसभा को लोकतंत्र का जीवन्त स्थल बनाने में सहभागी बने : वासुदेव

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा अपनी स्थापना का अमृत महोत्सव मनायेगी। उन्होंने कहा कि विधान सभा गठन के 75वें वर्ष में प्रवेश के साथ अमृत महोत्सव के शुभारम्भ की रूप रेखा तैयार की जा रही है। देवनानी मंगलवार को यहां विधान सभा में तीन अधिकारियों के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने सेवानिवृत्त होने वाले उप सचिव बनवारी लाल मीणा, सहायक सचिव नरेन्द्र कुमार शर्मा और निजी सचिव पुरुषोत्तम शर्मा को उनकी सेवा यात्रा के लिए सम्मानित किया।

लोकतंत्र का जीवन्त स्थल– देवनानी ने कहा कि देश की श्रेष्ठ विधानसभाओं में शुमार राजस्थान विधान सभा लोकतंत्र का जीवन्त स्थल है। विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को प्रतिदिन आमजन देखने आते है। देवनानी ने विधान सभा कर्मियों का आव्हान किया कि वे भी लोकतंत्र के इस पावन स्थल को जीवन्त बनाने में सहभागी बने।

राजस्थान विधान सभा प्रदेश की लोकतांत्रिक गरिमा का प्रतीक– विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा प्रदेश की लोकतांत्रिक गरिमा का प्रतीक है। इसकी प्रतिष्ठा और प्रभावशीलता सभी कर्मियों के परिश्रम और निष्ठा से ही सुनिश्चित होती है। इस मौके पर विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोतम शर्मा, राजस्थान विधान सभा कर्मचारी सहकारी साख समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। हिमाचल प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष ने देखी राजस्थान विधानसभा– राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मंगलवार को यहां राजस्थान विधान सभा में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष राजीव बिंदल ने शिष्टाचार मुलाकात की।

विश्व बाघ दिवस पर भारत की सबसे प्रतिष्ठित बाघिन को आधिकारिक श्रद्धांजलि

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

विश्व बाघ दिवस के अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को सवाईमाधोपुर के रणथंभौर टाइगर रिजर्व की गौरवशाली और विश्वविख्यात बाघिन मछली (टी–16) को चिरस्थायी स्मृति देने हेतु जोगी महल गेट रणथम्भौर पर भव्य स्मारक का अनावरण किया। वन राज्यमंत्री ने विश्व टाइगर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रणथम्भौर टाईगर रिजर्व सवाई माधोपुर की पहचान है तथा इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि रणथम्भौर टाईगर रिजर्व क्षेत्र को आबाद करने में बाघिन मछली (टी–16) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि देश में टाईगर का यह द्वितीय स्मारक है। वन विभाग की ओर से यह स्मारक बाघिन मछली (टी–16) को सच्ची श्रद्धांजलि है। शावको के साथ यह स्मारक, न केवल उसकी विरासत को जीवंत करता है, बल्कि रणथंभौर भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों एवं त्रिनेत्र गणेश मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए वन्यजीव संरक्षण की एक प्रेरणास्पद झलक भी प्रस्तुत करेगा। उल्लेखनीय है कि रणथम्भौर की सबसे प्रसिद्ध बाघिन मछली (टी–16) का जन्म, 1997 में हुआ। वह अपने चेहरे पर मछली जैसी आकृति के कारण यह नाम पाई और वर्षों तक पदम तालाब, राजबाग और मलिक तालाब जैसे झीलों वाले क्षेत्र पर नियंत्रण रखने के कारण लेडी ऑफ द लेक्स एवं एक विशाल मगरमच्छ को परास्त कर क्रोकोडाइल किलर भी कहलाई।

सीईटी परीक्षा के दौरान हरियाणा में पहली बार लोगों को पुलिस की प्रशंसा करते देखा : बड़ौली

चंडीगढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के नेतृत्व में प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने एक नया इतिहास रचा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को प्रदेश के सभी 20 हजार 629 बूथों पर सुनने वाला हरियाणा पहला राज्य बना है। बड़ी बात यह है कि सभी बूथों पर हुए कार्यक्रमों की फोटो सरल पोर्टल पर अपलोड़ भी कर दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने इसका श्रेय कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और परिश्रम को दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया और संगठन मंत्री ने भी मन की बात कार्यक्रम को सभी बूथों पर सुनने के लिए कार्यकर्ताओं की प्रशंसा कर चुके हैं।

मंगलवार को पंचकूला के प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पंचकूला के जिला पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने इस विषय की जानकारी दी। उन्होंने खुशी जताई कि हरियाणा के कार्यकर्ताओं ने सभी 20 हजार 629 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को आम नागरिकों के बीच बैठकर सुना। आज की बैठक में बड़ौली ने संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रणनीति और वर्तमान में चल रहे अभियानों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं का सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ नॉनस्टॉप कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष अजय मित्तल, कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, जिला प्रभारी रवि बतान सहित जिले के सभी प्रमुख पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान में आतंकवादी गतिविधियां पाकिस्तान द्वारा करवाई जाती हैं : विज

चंडीगढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम अनिल विज ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा में पक्ष और विपक्ष की जोरदार बहस पर पत्रकारों को प्रतिक्रिया देते हुए कहाकि लोकसभा में 20–20 मैच हुआ है जिसमें भारत की तरफ से भारतीय जनता पार्टी व उसकी सहयोगी पार्टी खेल रही है और पाकिस्तान की तरफ से कांग्रेस व उसकी सहयोगी पार्टियां खेल रही है। उन्होंने कहा कि सारा हिंदुस्तान देख रहा है, हमें नतीजा भी मालूम है कि इसमें जीत भी भारत की ही होगी। ऑपरेशन महादेव के दौरान श्रीनगर में हुई मुठभेड़ में पहलगाम आतंकी हमले में शामिल मास्टरमाइंड सुलेमान शाह उर्फ मूसा भी इस मुठभेड़ में मारा गया जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि हमारे देश की सरकार आतंकवाद को खत्म करने के लिए संकल्पबद्ध है और देश की अस्मिता पर हमला करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि पहलगाम के आतंकी हमले का बदला पाकिस्तान से भी लिया गया है क्योंकि लगातार ऐसे समाचार आते रहते हैं कि हिंदुस्तान में आतंकवाद गतिविधियां पाकिस्तान द्वारा करवाई जाती हैं।

दुर्गम क्षेत्रों में सड़क सुविधा पहुंचाना राज्य सरकार की जिम्मेदारी : सैनी

चंडीगढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण हरियाणा में अग्निशमन केंद्रों की आवश्यकता का आंकलन किया जाए ताकि आवश्यकतानुसार नए फायर स्टेशनों की स्थापना सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज यहां सीएम घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि मोरनी जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में स्थानीय निवासियों को सड़क, बिजली और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। भले ही किसी क्षेत्र में एक ही घर हो, संबंधित विभाग वहां मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि किसी भी निवासी को असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में नायब सिंह सैनी ने प्रदेश को बेसहारा गोवंश मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी विभाग को शहरी स्थानीय निकाय विभाग और गौ सेवा आयोग के साथ समन्वय करते हुए मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए ताकि दो माह के भीतर सभी बेसहारा गोवंश को सड़कों और सार्वजनिक स्थलों से हटाकर गौशालाओं में संरक्षित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए बताया कि पंचकूला, पानीपत और हिसार जिलों में नंदीशालाएँ स्थापित की जा चुकी है। शेष जिलों में भी इस दिशा में कार्य में तेजी लाई जाए। इसके लिए विभाग द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (उडठ) के तहत नंदीशालाओं की स्थापना के लिए संभावनाएं तलाशी जाएँ। साथ ही, पहले से स्थापित सभी नंदीशालाओं में एक–एक वेटरनरी क्लिनिक की स्थापना सुनिश्चित की जाए, जहां विजिटिंग पशु चिकित्सक की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विकास कार्यों को तीव्र गति से और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए ताकि आमजन को इन कार्यों का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि कलेसर क्षेत्र से यमुना नदी के जल को चैनल के माध्यम से पंचकूला सहित अन्य स्थानों तक लाने के लिए सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया जाए, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नदी जोड़ो अभियान' को मूर्त रूप प्रदान करते हुए जल का उपयोग कृषि सहित अन्य कार्यों में किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सब्सिडी से जुड़ी सभी योजनाओं का डाटाबेस नियमित रूप से अद्यतन रखा जाए, ताकि योजनाओं का लाभ पारदर्शी रूप से किसानों को सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सुझाव दिया कि विभाग कृषि वैज्ञानिकों के माध्यम से उन्नत गुणवत्ता वाले बीजों के विकास हेतु विशेष योजना तैयार करे, जिससे किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त, बागवानी विभाग को भी इस वर्ष के एक्शन प्लान के तहत किसानों को बागवानी की ओर प्रोत्साहित करते हुए किसान उत्पादक संगठनों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाए और आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्ष 2014 से अब तक की गई सभी घोषणाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित घोषणाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

खेलों को उत्तर प्रदेश में मिल रहा अभूतपूर्व प्रोत्साहन

500 से अधिक खिलाड़ियों को दी गई सरकारी नौकरी: योगी

केसरी और वीर अभिमन्यू खिताब से नवाजे गए कुश्ती चैंपियन

गोरखपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार से मिले प्रोत्साहन से प्रदेश के खिलाड़ियों ने ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियाड, वर्ल्ड चैंपियनशिप और नेशनल गेम्स में मान बढ़ाया है। प्रदेश की खेल नीति के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल लाने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार सरकारी नौकरी की सुविधा दे रही है।

सीएम योगी ने कहा कि खेलों से संबंधित अवस्थापना सुविधाओं के विकास और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। विगत आठ वर्षों में इसके परिणाम भी सामने आए हैं। एक तरफ ग्रामीण स्तर तक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है तो दूसरी तरफ पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानजनक पुरस्कार राशि देने के साथ उन्हें सरकारी नौकरी की सुविधा दी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर खेलों के माध्यम से देश-प्रदेश का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने के मामले में उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है।

सीएम योगी मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में नागपंचमी के अवसर पर खेल विभाग और जिला कुश्ती संघ की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पिछले 11 वर्षों से खेल और खेल की गतिविधियों भारी परिवर्तन आया है। 2014 में पीएम मोदी ने खेलो इंडिया की घोषणा कर युवाओं और नागरिकों को खेलों की उपादेयता से अवगत कराया।

प्रोत्साहन मिलने से 11 वर्षों के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियाड, वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है और इसमें उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी उत्कृष्ट रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत आठ वर्षों में प्रदेश सरकार ने राज्य में खेल अवस्थापना सुविधाओं के विकास और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता ओं में पदक विजेत-ाओं और प्रतिभागियों का सम्मान करने के साथ गांव, ब्लॉक और जिला स्तर तक खेल सुविधाओं का विकास किया है। गांव स्तर पर खेल के मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम बनाए गए। युवक मंगल दलों और महिला मंगल दलों के माध्यम से गांव-गांव के खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार से मिले प्रोत्साहन से प्रदेश के खिलाड़ियों ने ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियाड, वर्ल्ड चैंपियनशिप और नेशनल गेम्स में मान बढ़ाया है। प्रदेश की खेल नीति के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल लाने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार सरकारी नौकरी की सुविधा दे रही है। खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने के मामले में प्रदेश पहले स्थान पर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता, अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश को तीसरा स्थान मिला है और इसमें उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाड़ियों का सर्वश्रेष्ठ योगदान है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार और उत्तर प्रदेश वीर अभिमन्यु खिताब के लिए कुश्ती के फाइनल मुकाबले का अवलोकन किया और ताली बजाकर पहलवानों का उत्साह बढ़ाया।

इस अवसर पर उन्होंने उत्तर प्रदेश केसरी का खिताब जीतने वाले गौतमबुद्धनगर के जोंटी भाटी को 1.01 लाख रुपए व गदा, उप विजेता बागपत के उत्तम राणा को 51 हजार रुपए, उत्तर प्रदेश कुमार का खिताब जीतने वाले गोरखपुर खेल छात्रावास के सौरभ को 1.01 लाख रुपए व गदा, उप विजेता गोरखपुर के रमन सिंह को 25 हजार, वीर अभिमन्यु का खिताब जीतने वाले गोंडा के मोनू को 51 हजार रुपए व गदा, उप विजेता गोरखपुर के जनार्दन को 25 हजार रुपए का पुरस्कार प्रदान किया।

साइबर अपराधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की चिंता

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में उपयोग हो रहा देश का धन

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। देश को अस्थिर करने के लिए अब तक बाहर से पैसा आता था, लेकिन अब साइबर अपराधियों की मदद से भारत का पैसा भारत के ही खिलाफ इस्तेमाल किया जा

रहा है। देश विरोधी ताकतें दुबई, सिंगापुर, चीन और पाकिस्तान की मदद से नेपाल से सटे जिलों में स्लीपर सेल को वित्तीय मदद उपलब्ध करा रही हैं। रायबरेली के बाद बलरामपुर में सामने आए मॉड्यूल ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

अप्रैल में पता चला कि रायबरेली में चार साइबर अपराधियों की मदद से पाकिस्तान का रहीम उत्तर प्रदेश और बिहार के स्लीपर सेल को फंड मुहैया करा रहा है। इसके लिए उसने चार प्रदेशों में 150 से अधिक बैंक खाते खुलवाए। उन्हीं बैंक खातों से करीब 162 करोड़ रुपए दुबई और पाकिस्तान से भेजे गए। बदले में साइबर अपराधियों को सात से आठ प्रतिशत कमीशन दिया। बाद में उन्हीं खातों से पैसे बाहर भी भेजे।

अब बलरामपुर में भी ऐसा ही मामला सामने आया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार बिहार, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल व झारखंड में भी बैंक खाते खुलवाए। वहां से रुपए निकालकर बिहार के मधुबनी, सीतामढ़ी, दरभंगा व समस्तीपुर के युवाओं के खाते में भेजा। इन युवाओं का जुड़ाव स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) व इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) से भी मिला। कुछ रकम नेपाल के सीमावर्ती जिले लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, बहराइच, पीलीभीत, सिद्धार्थनगर व महराजगंज के बैंक खातों में भी जमा कराई।

पूर्व आईबी अधिकारी संतोष सिंह का कहना है कि स्लीपर सेल को फंड मुहैया कराने में साइबर अपराधियों की मदद ली जा रही है। अब तक बाहर से पैसा देश में आता था लेकिन अब यहां से पैसा बाहर जा रहा है। फिर वही पैसा लौटकर देश विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल हो रहा है। रायबरेली और बलरामपुर जैसे साइबर अपराधियों का नेटवर्क सुरक्षा के लिए घातक है।

यूपी की महिलाओं को रक्षाबंधन का तोहफा

एक करोड़ की सम्पत्ति पर स्टाम्प छूट का शासनादेश जारी

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने महिलाओं के नाम पर एक करोड़ की सम्पत्ति खरीदने पर स्टाम्प में दी जाने वाली छूट पर शासनादेश जारी कर दिया है। इस फैसले से यूपी की महिलाओं को बड़ा लाभ होगा। रक्षाबंधन के पहले योगी सरकार ने प्रदेश की महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। एक करोड़ की सम्पत्ति खरीदने पर स्टाम्प में छूट का शासनादेश जारी कर दिया गया है। बता दें कि बीते दिनों यूपी कैबिनेट ने प्रस्ताव पास किया था कि महिलाओं के नाम पर सम्पत्ति खरीदने पर एक करोड़ तक की रजिस्ट्री में एक फीसदी स्टाम्प तक की छूट दी जाएगी। हालांकि, इसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रुपए रखी गई है। बताया जा रहा है कि इस फैसले से पश्चिमी यूपी की महिलाओं को बड़ा लाभ होगा।

शासनादेश जारी होने के बाद अब उत्तर प्रदेश में 1 करोड़ रुपए तक मूल्य की सम्पत्ति (जैसे मकान, जमीन आदि) यदि किसी महिला के नाम खरीदी जाती है, तो उस पर स्टाम्प शुल्क में 1 प्रतिशत की छूट मिलेगी। अब तक राज्य में यह छूट केवल 10 लाख रुपए तक की सम्पत्ति पर ही लागू थी, जिसमें अधिकतम 10 हजार रुपए तक की छूट मिलती थी। लेकिन अब सरकार ने इस छूट को बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए तक की सम्पत्ति पर लागू कर दिया है, जिससे महिलाओं को अधिक लाभ मिलेगा।

श्रावस्ती में अवैध मजार पर चला बुलडोजर

सीमावर्ती जिलों में अवैध कब्जे के खिलाफ चल रहा अभियान

श्रावस्ती, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में सीमावर्ती जनपदों में अवैध मजार के निर्माणों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए श्रावस्ती प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। भिनगा-सिरसिया मार्ग पर नगर पालिका परिषद की आरक्षित भूमि पर अवैध रूप से बने मजार को गिराकर शासकीय संपत्ति को मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई प्रशासन, नगर पालिका और राजस्व विभाग के संयुक्त अभियान के तहत की गई।

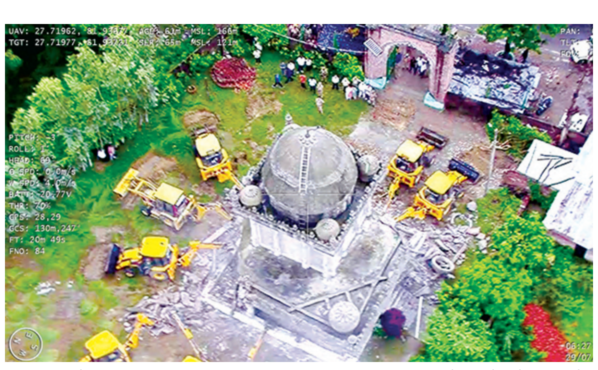

यह भूमि खंड गाटा संख्या-121, रकबा 0.1420 हेक्टेयर नगर पालिका भिनगा के अंतर्गत आता है और इसे इमारती लकड़ी भंडारण के लिए आरक्षित किया गया था। प्रशासन को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि इस भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध कब्जा कर मजार का निर्माण कर लिया गया है। प्रशासन ने तत्काल सख्ती दिखाते हुए शासकीय भूमि पर अनधिकृत कब्जे के खिलाफ कार्रवाई की। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद, राजस्व विभाग और पुलिस बल के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने पहले सीमांकन कर कब्जे की विधिवत पहचान की और संबंधित पक्षों को अग्रिम सूचना दी गई। निर्धारित समय के पश्चात मंगलवार को पूरे प्रशासनिक अमले ने मौके पर पहुंचकर अवैध मजार के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया। अवैध मजार सहित सभी निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया और भूमि को पूर्ण रूप से कब्जा मुक्त घोषित किया गया। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में सुरक्षाबल भी तैनात रहे ताकि कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

जिलाधिकारी ने बताया कि नगर पालिका की आरक्षित भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत हटाया गया है। यह कार्रवाई कानून व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक हित की रक्षा के लिए आवश्यक थी। भविष्य में किसी को भी सरकारी भूमि पर कब्जा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ग्राहकों की शिकायत के निस्तारण के लिए जिम्मेदारी तय

बिजली उपभोक्ताओं की 63 हजार से अधिक शिकायतें लंबित

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिजली विभाग के हेल्पलाइन नंबर 1912 पर की गई शिकायतों के निस्तारण के लिए एसडीओ से लेकर एमडी तक जिम्मेदार होंगे। ऊर्जा विभाग सॉफ्टवेयर में बदलाव कर रहा है। इससे उपभोक्ताओं को कई सहूलियतें मिलेंगी। निगमवार व्यवस्था हटाकर लखनऊ और नोएडा में केंद्रीयकृत कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। अभी प्रदेशभर में 63 हजार से अधिक शिकायतें लंबित हैं।

उत्तर प्रदेश में ऊर्जा विभाग 1912 पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण के लिए नई रणनीति अपनाने जा रहा है। शिकायतों के निस्तारण के लिए अब उपकेंद्र प्रभारी (एसडीओ) से लेकर प्रबंध निदेशक (एमडी) तक जिम्मेदार होंगे। इसके लिए सॉफ्टवेयर में कई बदलाव किए गए हैं। जल्द ही इसे लागू करने की तैयारी चल रही है। फिलहाल प्रदेशभर में 63 हजार से अधिक शिकायतें लंबित हैं। बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण के लिए टोल फ्री नंबर 1912 है। उपभोक्ताओं की शिकायत रहती है कि टोल फ्री नंबर पर कॉल करने से बात नहीं होती है। कई बार कॉल करने पर फोन उठा भी तो बिना पूरी बात सुने कट जाता है। शिकायत दर्ज भी हो गई तो दूर नहीं की जाती है।

कई बार बिना शिकायत दूर किए ही उसके निस्तारित होने का संदेश भेज दिया जाता है। ऐसे में अब ऊर्जा विभाग ने 1912 का नया मॉडल विकसित किया है। इसमें कई तरह के बदलाव किए गए हैं। अत्याधुनिक तकनीकी का प्रयोग किया गया है। सर्वर से लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण के लिए चरणवार जिम्मेदारी तय की गई है। 1912 पर आई हर कॉल का रिकॉर्ड देखा जा सकेगा। कॉल ड्रॉप होने पर भी उसका विवरण रहेगा। शिकायत दर्ज हुई तो उसके बारे में एसडीओ को सूचना जाएगी। उसके स्तर से निस्तारित नहीं होने पर अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता के स्तर से होते हुए प्रबंध निदेशक तक शिकायत का विवरण जाएगा। सभी संबंधित शिकायतों की ऑनलाइन निगरानी कर सकेंगे। जिस स्तर पर शिकायत निस्तारण में देरी होगी, उसे कारण बताना होगा। कॉल सेंटर के किसी कर्मी ने शिकायतकर्ता से अभद्रता की तो इसकी जानकारी तत्काल उच्चाधिकारियों को मिल जाएगी।

कारपोरेशन के निदेशक (आईटी) सरोजित घोष ने बताया कि शिकायत करने वाले के मोबाइल नंबर पर पीएनआर की तरह मेसेज जाएगा। उसके आधार पर शिकायतकर्ता देख सकेगा कि उसकी शिकायत के निस्तारण का स्तर क्या है? यानी शिकायत निस्तारण के संबंध में किस-किस अधिकारी ने काम किया है। इसी तरह 1912 का कॉल सेंटर अभी तक निगमवार है। अब इसे केंद्रीयकृत किया जा रहा है। लखनऊ और नोएडा में कंट्रोल रूम होगा। इससे हर तरह की शिकायतें पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष भी देख सकेंगे।

8819 पीएम आवासों में जरूरी सुविधाएं तक नहीं

रिपोर्ट में खुलासे के बाद शासन हुआ सख्त

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बनने वाले आवासों के आसपास जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने में लापरवाही बरतने का मामला सामने आया है। बार-बार निर्देश के बावजूद अधिकतर विकास प्राधिकरण इस पर ध्यान नहीं दे रहे। इस संबंध में शासन को रिपोर्ट मिली है, जिसमें 12 शहरों के पीएम आवासों में जरूरी सुविधाएं नहीं मिलने का जिक्र आया है।

इन शहरों में गाजियाबाद, रायबरेली, फिरोजाबाद, उन्नाव, हापुड़, मुजफ्फरनगर, लखनऊ, गोंडा, बाराबंकी, बुलंदशहर व झांसी शामिल हैं। इनमें ऐसे कुल 8819 मकान चिह्नित किए गए हैं। विकास प्राधिकरणों की लापरवाही के चलते इन मकानों के आवंटियों को कब्जा नहीं दिया जा सका है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में करीब 65 हजार किफायती मकान बनाए जाने हैं। इन मकानों को बनाकर दिसंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से आवंटियों को कब्जा दिया जाना है। आवास और नगरीय विकास अभिकरण की बैठक में पता चला है कि विकास प्राधिकरणों द्वारा मकान तो बनाए जा रहे हैं, लेकिन इसके आसपास जरूरी सुविधाएं विकसित नहीं की जा रही हैं। इसके चलते आवंटियों को कब्जा देने में बाधा उत्पन्न हो रही है।

निदेशक आवास बंधु रवि जैन ने इस संबंध में विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और आवास आयुक्त को पत्र भेजकर जरूरी सुविधाएं देने के निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री आवास शहरी के किफायती योजना को लेकर प्रमुख सचिव आवास द्वारा 21 जुलाई को मिशन निदेशक सबके लिए आवास के साथ समीक्षा की गई। इसमें बताया गया कि केंद्र सरकार के निर्देश के अनुसार 31 दिसंबर 2025 तक इन भवनों को पूर्ण कर लाभार्थियों को भौतिक कब्जा देना है।

संकट-प्रबंधन के लिए सांसदों-विधायकों से मिले सीएम योगी

विकास कार्यों के प्रति उदासीनता बरत रहे हैं नौकरशाह

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। विकास कार्यों के प्रति नौकरशाहों की उदासीनता की शिकायतों के बाद सीएम योगी ने सांसदों और विधायकों से मुलाकात की। उन्होंने तीन संभागों के लिए 19 हजार करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले जनप्रतिनिधियों से सुझाव लिया। सीएम योगी ने अफसरों और नेताओं के बीच सामंजस्य न होने के कारण विकास परियोजनाओं के उद्घाटन से पहले यह बैठक की। इसमें झांसी, कानपुर और चित्रकूट डिवीजन के अफसर और सांसद विधायक शामिल हुए। परियोजनाओं को अलग रूप देने से पहले जनप्रतिनिधियों के साथ रखे गए इस मंडलवार संवाद का विचार पिछली बैठकों से लिया गया था।

आधिकारिक घोषणा की गई कि भविष्य में इसी प्रकार की बैठकें की जाएंगी। यह बैठक अगले वर्ष के पंचायत चुनाव और 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अफसरों और जनप्रतिनिधियों के बीच की खाई को समाप्त करने के लिए किया गया था। सीएम आवास पर हुई बैठक में झांसी डिवीजन के लिए 4901 करोड़, चित्रकूट डिवीजन के लिए 3875 करोड़ और कानपुर डिवीजन के छह जिलों के लिए 10914 करोड़ आवंटित किया गया।

जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र के अनुरूप परियोजनाएं बनाने की स्वतंत्रता दी गई थी, जिससे क्षेत्र के सभी मुद्दों पर चर्चा की जा सके। विधायकों द्वारा विभिन्न परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा गया,

जिसमें सड़क, सिंचाई और धार्मिक संस्थान जैसे अहम विषय शामिल थे। सीएम ने सभी अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों के विचार लेकर परियोजनाओं को अंतिम रूप देने को कहा है। सभी प्रतिनिधियों से कहा, आप लोग अपने क्षेत्र में सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं को लागू करने के साथ उसकी निगरानी भी करेंगे। उसके बाद उन्होंने एमपी और एमएलए से अफसरों के साथ सामंजस्य और जनता की उनसे उम्मीद के विषय में सुझाव लिया। सीएम ने अधिकारियों को आदेश दिया कि परियोजनाओं का शिलान्यास स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा कराया जाए।

पूर्व में कई नेताओं ने अफसरों के सहयोग न करने के कारण विभिन्न योजनाओं को लागू करने में समस्या हुई, जिससे जनता से भी शिकायतें मिली थीं। एक विधायक ने कहा, सीएम ने अधिकारियों से कहा कि उम्मीद है कि बैठक सार्थक रही और आप लोग अब अपना पूरा सहयोग जनप्रतिनिधियों को देंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी20 में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराया, सीरीज 5–0 से जीती

बासेटेर (सेंट्स किट्स),29 जुलाई (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवां और आखिरी टी20 मैच मंगलवार को जीतकर सीरीज 5–0 से क्लीन स्वीप कर ली। गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस (3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी और बाद में मिडिल ऑर्डर की दमदार बल्लेबाज़ी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 3 ओवर बाकी रहते हुए 3 विकेट से जीत हासिल की। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 171 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और टीम ने 25 रन पर 3 विकेट और 60 पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कैमरन ग्रीन (32 रन), टिम डेविड (12 गेंद में 30 रन, 4 छक्के, 1 चौका) और मिशेल ओवेन (37 रन) ने पारी को संभाला। जब ग्रीन आउट हुए, तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 141–6 था और उसे अभी 30 रन की जरूरत थी। हालांकि, आरोन हार्डी ने 28 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा, सीरीज शुरू होने से पहले 5–0 की उम्मीद नहीं थी, लेकिन हमने बेहतरीन क्रिकेट खेला। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने हार की वजह बल्लेबाज़ी को बताया। उन्होंने कहा, हमने कभी भी पूरी तरह सटीक बल्लेबाज़ी प्रदर्शन नहीं किया — या तो अच्छी शुरुआत मिली और अंत खराब रहा, या फिर इसके उलट हुआ। इतने मजबूत विपक्ष के सामने आप इस तरह जीत नहीं सकते।

ड्वार्शुइस की फिरकी में फंसे कैरेबियाई बल्लेबाज – ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाज़ी के लिए बुलाया। बेन ड्वार्शुइस ने चौथे ओवर में ब्रैंडन किंग (11) और कप्तान शाई होप (9) को आउट कर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। इसके बाद वेस्टइंडीज का स्कोर 64–4 हो गया था। यहां से शिमरोन हेटमायर ने संघर्ष करते हुए 31 गेंदों में 52 रन बनाए जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे। ऐसा लग रहा था कि हेटमायर टीम को एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक ले जाएंगे, लेकिन ड्वार्शुइस ने धीमी बाउंसर पर उन्हें लंबा शॉट खेलने को मजबूर किया और शॉन एबॉट ने लॉन्ग–ऑफ पर कैच लपक लिया। हेटमायर के आउट होने के बाद वेस्टइंडीज 19.4 ओवर तक 170 पर सिमट गई। मैच के 'प्लेयर ऑफ द मैच' ड्वार्शुइस ने कहा, पिच थोड़ी धीमी थी, इसलिए हमने हार्ड लेंथ और स्लोअर बॉल का अच्छा इस्तेमाल किया। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भी वेस्टइंडीज का 3–0 से सफाया किया था। इस तरह उन्होंने पूरे दौरे पर आठों मैच जीतकर एकतरफा दबदबा कायम रखा।

न्यूज ब्रीफ

सात्विक-चिराग की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में टॉप 10 में वापसी, लक्ष्य और उन्नति की एकल में छलांग

नई दिल्ली। एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीडब्ल्यूएफ पुरुष युगल वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप 10 में वापसी कर ली है। मंगलवार को जारी ताज़ा रैंकिंग में उन्होंने चीन ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद तीन स्थान की छलांग लगाई और अब वह 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से 13–21, 17–21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ टूर पर उनका तीसरा सेमीफाइनल था। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर ओपन और इंडिया ओपन में अंतिम–4 में जगह बनाई थी। पिछले साल थाईलैंड ओपन जीतने के बाद वे वर्ल्ड नंबर 1 बने थे। पुरुष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन दो स्थान की छलांग लगाकर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 54,442 अंक हैं और वे अब चीन के झेनशियांग वांग से आगे हैं, जिन्होंने पांच स्थान की छलांग लगाकर 18वां स्थान हासिल किया है। एचएस प्रणय भी दो पायदान ऊपर चढ़ते हुए 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं। महिला एकल में 17 वर्षीय उन्नति हुड्डा ने चार स्थान की छलांग लगाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग हासिल की है। उन्होंने पिछले सप्ताह दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को प्री–क्वार्टर फाइनल में हराकर यह मुकाम हासिल किया था। हरियाणा की उभरती हुई शटलर ने सिंधु को 21–16, 19–21, 21–13 से हराया था। हालांकि, वह क्वार्टर फाइनल में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से हार गईं। सिंधु 15वें स्थान पर स्थिर बनी हुई हैं और महिला एकल में शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी बनी हुई हैं।

अविनाश साबले की हुई एसीएल सर्जरी 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। भारत के 3000 मीटर स्टीपलचेज़ राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अविनाश साबले ने अपने

दाहिने घुटने में एन्टीरियर क्रूशिएट लिगामेंट (एसीएल) और मेनिस्कस की चोट के लिए सफल सर्जरी कराई है। हालांकि उनकी रिकवरी में आमतौर पर 6 से 8 सप्ताह का समय लगता है, जिससे वह 13 से 21 सितंबर के बीच होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भाग ले पाएंगे या नहीं, इस पर संदेह बन गया है। साबले ने यह जानकारी अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में दी और लिखा, मोनाको डायमंड लीग के दौरान मेरे दाहिने घुटने में एसीएल और मेनिस्कस की चोट लग गई थी। यह मेरे लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन मैं कड़ी मेहनत कर फिर से मजबूती से वापसी करूंगा। मोनाको में हुए 3000 मीटर स्टीपलचेज़ इवेंट में साबले रेस पूरी नहीं कर सके थे। रेस की शुरुआत में वॉटर जंप के दौरान वह गिर पड़े थे और दर्द से जूझते हुए उन्हें रेस छोड़नी पड़ी। उन्हें घुटने के पीछे जांघ के निचले हिस्से को पकड़ते हुए देखा गया था। सर्जरी के बाद साबले ने कहा, मैंने डॉ. दिनशॉ पारदीवाला और कोकिलाबेन अस्पताल की टीम की देखरेख में सर्जरी पूरी की है। उनके प्रति मैं दिल से आभारी हूं। साथ ही मैं एएफआई, टॉप्स, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट, नाइकी और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स का भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस कठिन समय में मेरा साथ दिया।

युगांडा ने सीएएफ अफ्रीकी नेशंस चैम्पियनशिप के लिए अंतिम टीम की घोषणा की

कम्पाला। सह–मेजबान यूगांडा ने आगामी कॉन्फेडरेशन ऑफ अफ्रीकन फुटबॉल (सीएएफ) अफ्रीकी नेशंस चैम्पियनशिप 2024 के लिए अपनी अंतिम 25 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह घोषणा सोमवार को टीम के कोच मॉर्ले बायेकवसो और फ्रेड मुहुमुजा द्वारा की गई। यह टूर्नामेंट केवल घरेलू लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए आयोजित किया जाता है और 2 अगस्त से 30 अगस्त तक युगांडा, केन्या और तंजानिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। सीएएफ ने मूल रूप से 2024 में प्रस्तावित इस प्रतियोगिता को ढांचागत सुविधाओं की तैयारियों के कारण एक साल आगे बढ़ाकर 2025 में आयोजित करने का निर्णय लिया था। घोषित युगांडा टीम में विपर्स एससी के मिडफील्डर एलन ओकेलो को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि जोएल मुताकुबवा और रोजर्स ओचाकी टोराच को उप–कप्तान नियुक्त किया गया है। युगांडा की टीम इस प्रतियोगिता में सातवीं बार भाग ले रही है और ग्रुप सी में उसका सामना दक्षिण अफ्रीका, नाइजर, गिनी और अल्जीरिया से होगा। कोच मॉर्ले बायेकवसो ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमने एक बहुत प्रतिस्पर्धी टीम चुनी है और टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग : स्किवर–ब्रंट दोबारा बनीं नंबर–1, हरमनप्रीत, जेमिमा को भी फायदा

नई दिल्ली,29 जुलाई (एजेंसियां)।

इंग्लैंड की कप्तान नट स्किवर–ब्रंट ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के निर्णायक मुकाबले में 98 रनों की अहम पारी खेलने के बाद आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाज़ी रैंकिंग में शीर्ष स्थान दोबारा हासिल कर लिया है।

डरहम में खेले गए तीसरे मैच में इंग्लैंड भले ही 13 रन से हार गई और भारत ने सीरीज़ 2–1 से जीत ली, लेकिन स्किवर–ब्रंट की पारी ने उन्हें स्मृति मंधाना से तीन अंकों की बढ़त दिलाते हुए तीसरी बार करियर में नंबर–1 पोजीशन पर पहुंचा दिया। इससे पहले वह जुलाई 2023 से अप्रैल 2024 और जून से दिसंबर 2024 तक टॉप पर रह चुकी हैं।

हरमनप्रीत और जेमिमा को भी मिला इनाम

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर, जिन्होंने निर्णायक मुकाबले में 84 गेंदों पर 102 रन की मैच जिताऊ पारी खेली, वह रैंकिंग में 10 स्थान की छलांग लगाकर 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। उनकी साथी खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स दो स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंची हैं, जबकि विकेटकीपर ऋचा घोष नौ पायदान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर आ गई हैं और अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 516 रेटिंग तक पहुंची हैं।

आयरलैंड की ओरला प्रेंडरगास्ट ने मारी बड़ी छलांग

आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच खेली गई दो मैचों की वनडे सीरीज़ में आयरलैंड की ओरला प्रेंडरगास्ट 'प्लेयर ऑफ द सीरीज़' चुनी गईं। उन्होंने 50 और 67 रन की पारियां खेली और रैंकिंग में 12 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंचीं, जो उनका करियर का सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने गेंदबाज़ी में भी कमाल किया और पहले मैच में 20 रन देकर दो विकेट झटके। इसके दम पर वह गेंदबाज़ी रैंकिंग में 10 स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर आ गईं और ऑलराउंडर की सूची में 13वें से सीधे 10वें स्थान पर पहुंच गईं। आयरलैंड की कप्तान गेबी लुईस एक स्थान ऊपर चढ़कर अब 17वें स्थान पर हैं। वहीं, एमी हंटर दो पायदान ऊपर चढ़कर 28वें स्थान पर पहुंच गई हैं। जिम्बाब्वे की कप्तान चिपो मुगेरी–तिरिपानो की 48 और 56 रनों की पारियों ने उन्हें 40वें स्थान और 513 रेटिंग अंकों तक पहुंचाया है। उनकी साथी मोडेस्टर मुपाचिवाना दो पायदान ऊपर 53वें स्थान पर आ गई हैं।

टी20 रैंकिंग में भी आयरलैंड का दबदबा

डबलिन में खेले गए टी20 सीरीज़ के दूसरे और तीसरे मुकाबले के नतीजे भी इस रैंकिंग अपडेट में शामिल किए गए हैं। आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को टी20 सीरीज़ में भी क्लीन स्वीप किया। गेबी लुईस ने दो मैचों में 67 और 87 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज़ का खिताब जीता और वह बल्लेबाज़ी रैंकिंग में भारत की जेमिमा के साथ संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर पहुंच गईं। गेंदबाज़ी में कारा मरे ने तीन–तीन विकेट झटककर तीन स्थान की छलांग लगाई और 45वें स्थान पर पहुंच गईं। वे सात विकेटों के साथ सीरीज़ की टॉप विकेटटेकर रहीं।

कुलदीप को अंतिम टेस्ट में शामिल करने की मांग जोर पकड़ने लगी

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के इस दौरे में चाइनमैन स्पिनर कुलदीप यादव अब तक बैंच पर ही बैठे हुए हैं। ऐसे में उन्हें अंतिम टेस्ट में अवसर देने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। भारतीय टीम इस सीरीज में 1–2 से पीछे है। ऐसे में उसके लिए अंतिम मैच में जीत दर्ज करना जरुरी है। इन हालातों में कुलदीप जैसा गेंदबाज और भी प्रभावी साबित हो सकता है क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाज कलाई के स्पिनर के सामने सहज नजर नहीं आते। वहीं टीम प्रबंधन अगर चौथे गेंदबाज के रूप में कुलदीप को शामिल नहीं करता है तो ये नुकसानदेह रहेगा और उन्हें इंग्लैंड ले जाना भी बेकार रहेगा। ये भी साफ है कि गेंदबाजों को केनिंग्टन ओवल में पिच से सहायता की उम्मीद है फिर भी एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज होना फायदेमंद रहेगा। भारतीय टीम प्रबंधन का भी माना है कि कुलदीप को अंतिम ग्यारह में जगह देने के प्रयास हो रहे है पर आठवें नंबर तक बल्लेबाज रखने की जो रणनीति है। उसके कारण ये संभव नहीं हो पा रहा। टीम प्रबंधन का मानना है कि हम कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करने के लिए रास्ता तलाश रहे हैं पर इसके लिए हमारे शीर्ष के छह बल्लेबाजों को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। कुलदीप एक विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और इस समय वह बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, इसलिए हम उन्हें टीम में शामिल करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

रफ्तार और सुनंदा शर्मा की धमाकेदार परफॉर्मेंस से सजेगा डीपीएल 2025 का उद्घाटन समारोह

नई दिल्ली,29 जुलाई (एजेंसियां)।

राजधानी के प्रतिष्ठित अरुण जेटली स्टेडियम में 2 अगस्त को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 का भव्य आगाज़ होने जा रहा है। लीग के दूसरे संस्करण की शुरुआत एक रंगारंग उद्घाटन समारोह से होगी, जिसमें म्यूजिक और एंटरटेनमेंट का जबरदस्त संगम देखने को मिलेगा। पिछले साल की तरह इस बार भी ओपनिंग नाइट को खास बनाने के लिए कई बड़े सितारे मंच पर नजर आएंगे। इस बार के उद्घाटन समारोह में पंजाबी पॉप सेंसेशन सुनंदा शर्मा, रैप सुपरस्टार रफ्तार और मशहूर हिप–हॉप आर्टिस्ट कृष्णा अपने परफॉर्मेंस से माहौल को संगीतमय और जोशीला बनाएंगे।

डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे संस्करण की शुरुआत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। यह न सिर्फ खिलाड़ियों और टीमों के लिए, बल्कि पूरे शहर और उसके चाहनेवालों के लिए भी एक नई शुरुआत है। इस बार लीग में महिला और पुरुष क्रिकेट को समान प्राथमिकता दी जाएगी और युवा प्रतिभाओं को उभरने का भरपूर मौका मिलेगा। उद्घाटन मुकाबला साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज और गत विजेता ईस्ट दिल्ली राइडर्स के बीच खेला जाएगा, जिसमें नवदीप सैनी, अनुज रावत, आयुष बडोनी और दिग्वेश राठी जैसे सितारे मैदान पर जलवा बिखेरेंगे। पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला 31 अगस्त 2025 को खेला जाएगा, जबकि 1 सितंबर को रिजर्व डे के रूप में रखा गया है। महिला टूर्नामेंट 17 अगस्त से 24 अगस्त 2025 तक चलेगा, जिसमें चार टीमें हिस्सा लेंगी। इस बार लीग में आठ पुरुष टीमों और चार महिला टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिसमें उभरती प्रतिभाओं को मंच देने के साथ–साथ फैंस को भी पूरी तरह जोड़ा जाएगा। डीपीएल 2025 न केवल क्रिकेट का उत्सव होगा, बल्कि यह दिल्ली के जीवंत और ऊर्जा से भरपूर माहौल का उत्सव भी बनेगा।

कोपा अमेरिका फुटबॉल

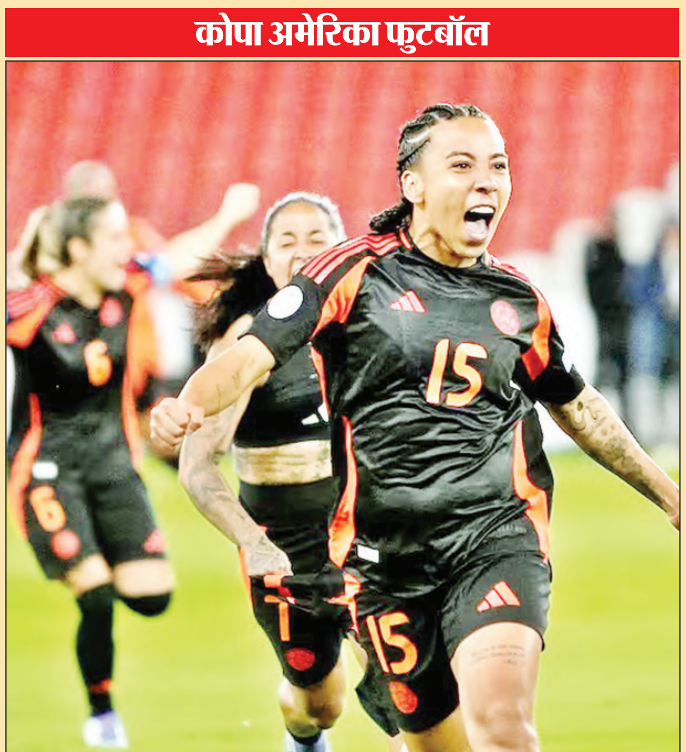

क्यूटो में महिलाओं के कोपा अमेरिका फुटबॉल में भाग लेती हुई अर्जेंटीना और कोलंबिया की खिलाड़ी।

महिला कोपा अमेरिका : पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना को हराकर कोलंबिया फाइनल में

2028 लॉस एंजेलेस ओलंपिक का टिकट भी पक्का

क्विटो,29 जुलाई (एजेंसियां)।

कोलंबिया की महिला फुटबॉल टीम ने सोमवार को खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में 5–4 से हराकर कोपा अमेरिका महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही टीम ने 2028 लॉस एंजेलेस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम में मुकाबला 0–0 की बराबरी पर छूटा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। कोलंबियाई गोलकीपर कैथरीन तापिया ने अर्जेंटीना की पॉलिना ग्रामालिया का शॉट रोककर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके बाद मायरा रामिरेज़ का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया और अर्जेंटीना को वापसी का मौका मिल गया। कोलंबिया की वेंडी बोनिला ने छठा पेनल्टी किक गोल में बदलकर दबाव अर्जेंटीना पर डाल दिया। अर्जेंटीना की एलिआना स्टैबिल गोल करने में नाकाम रहीं और उनका शॉट बार से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

मैच के बाद गोलकीपर तापिया ने कहा, हम फाइनल में हैं और ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है, यही हमारा लक्ष्य था। अब हम फाइनल के लिए तैयार हैं। अर्जेंटीना ने शुरुआत में आक्रामक खेल दिखाया। फ्लोरेनसिया बॉनसेगुंडो और यामिला रोड्रिगेज ने कोलंबियाई डिफेंस पर दबाव बनाया, लेकिन तापिया ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल होने से रोक दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों के कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने से खेल की लय थोड़ी बाधित हुई। कोलंबिया की ओर से रामिरेज, लेइसी सैंटोस और लिंडा कैईसिडो ने गोल के अवसर बनाए, लेकिन उन्हें भुनाया नहीं जा सका। दूसरे हाफ में कोलंबिया ने दबाव और बढ़ाया और वैलेरिन लोबोआ का एक शॉट लगभग गोल में तब्दील होता दिखा, लेकिन अर्जेंटीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने शानदार बचाव कर मैच को बराबरी पर बनाए रखा। इस मैच में पहली बार टूर्नामेंट में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) तकनीक का इस्तेमाल किया गया। यह तकनीक केवल नॉकआउट मुकाबलों के लिए उपलब्ध है।

कनाडियन ओपनः पहले राउंड में जीत के साथ बाउचर्ड का संन्यास टला

राडुकानू और ओसाका भी दूसरे दौर में पहुंचीं

लॉस एंजेल्स,29 जुलाई (एजेंसियां)।

कनाडियन ओपन के पहले राउंड में सोमवार को घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए कनाडा की युजिनी बाउचर्ड ने कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो को 6–4, 2–6, 6–2 से हराकर अपने संन्यास की योजना को फिलहाल टाल दिया। पूर्व वर्ल्ड नंबर–5 बाउचर्ड ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि यह टूर्नामेंट उनके करियर का आखिरी होगा। लेकिन इस जीत के बाद उन्होंने अपने फैसले में एक शर्त जोड़ दी। बाउचर्ड ने कहा, अगर मैं यह टूर्नामेंट जीतती हूं, तो रिटायर नहीं होंगी। यह उनका इस साल का दूसरा सिंगल्स मुकाबला था। उन्होंने पहला सेट दमदार

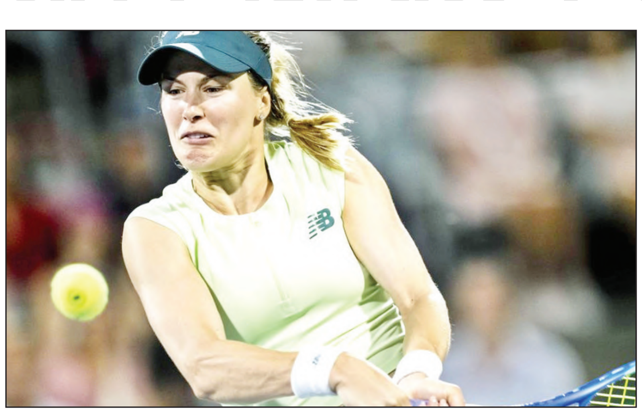

फोरहैंड विनर से जीता, लेकिन दूसरे सेट में लगातार अनफोर्स्ड एरर के चलते अरांगो ने वापसी की। निर्णायक सेट में बाउचर्ड ने 3–1 की बढ़त बनाई और फिर एक शानदार वॉली लगाकर 4–1 की लीड हासिल की। 31 वर्षीय वाइल्डकार्ड बाउचर्ड अब दूसरे दौर में 17वीं सीड स्विट्ज़रलैंड की बेलिंडा बेनसिच से भिड़ेंगी। राडुकानू और ओसाका भी अगले दौर में ब्रिटेन की एमा राडुकानू ने रोमानिया की एलेना गैब्रिएला रुस को 6–2, 6–4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। मैच के बाद राडुकानू ने कहा, किसी करीबी खिलाड़ी के खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। खुश हूं कि मैं उस भावनात्मक पहलू को अलग रख सकी। जापान की चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने कनाडा की क्वालिफायर आरियाना आर्सेनेल्ट को 6–4, 6–2 से हराया। अब वह दूसरे दौर में रूस की 13वीं सीड ल्युडमिला समसोनोवा से भिड़ेंगी। पुरुष वर्ग में वॉल्टन और करेनो बुस्टा की जीत टोरंटो में खेले जा रहे पुरुष वर्ग में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन ने फ्रांस के बेंजामिन बॉन्ज़ी को 4–6, 6–0, 6–3 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जहां अब उनका सामना टॉप सीड जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

महिला क्रिकेटः प्रेंडरगास्ट का जलवा बरकरार, आयरलैंड ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज़ में भी किया क्लीन स्वीप

बेलफास्ट। ऑर्ला प्रेंडरगास्ट (नाबाद 67 रन) की एक और शानदार पारी की बदौलत आयरलैंड ने सोमवार को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में ज़िम्बाब्वे को चार विकेट से हराकर दो मैचों की वनडे सीरीज़ 2–0 से अपने नाम कर ली। इससे पहले आयरिश टीम ने टी20 सीरीज़ में भी ज़िम्बाब्वे का 3–0 से सूपड़ा साफ किया था। ज़िम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया, लेकिन एक बार फिर उनकी शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ी लड़खड़ा गई। 17वें ओवर तक स्कोर 54/4 हो गया। ऐसे में कप्तान चिपो मुगेरी (56) और मोडेस्टर मुपाचिक्वा (45) ने पारी को संभालते हुए पांचवें विकेट के लिए 94 रनों की अहम साझेदारी की। हालांकि एक बार इस जोड़ी के टूटने के बाद ज़िम्बाब्वे की पारी फिर से ढह गई। टीम 148/4 से 178 रन पर ढेर हो गई। आयरलैंड के लिए अलाना डैलजेल ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 10 ओवर में 36 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि लारा मैकब्राइड ने 3 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। पावरप्ले के अंदर ही सारा फोर्ब्स और एमी हंटर सस्ते में आउट हो गईं। लेकिन कप्तान गैबी लुईस (44) और प्रेंडरगास्ट ने तीसरे विकेट के लिए 49 रन जोड़ते हुए पारी को संभाला।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली,29 जुलाई (एजेंसियां)।

लगातार पांच दिनों की गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण भी देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये से लेकर 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सोमवार के भाव 91,590 रुपये से लेकर 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

1 साल में गोल्ड लोन 2 गुना हुआ

मुंबई। देश में गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या और उसकी राशि लगभग डबल हो चुकी है। मई 2024 तक देश के कुल गोल्ड लोन का आंकड़ा 1.16 लाख करोड रुपए का था। जो मई 2025 में बढ़कर 2.51 लाख करोड़ हो चुका है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में दिए गए एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी है। मुथूट फाइनेंस के प्रबंध निदेशक का कहना है, जब महंगाई बढ़ती है। तब गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या और राशि बढ़ जाती है। लोगों को अपने जरूरी खर्च के लिए गोल्ड गिरवी रखना पड़ता है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री के अनुसार पिछले तीन सालों में विदेश जाकर पढ़ाई करने वालों का कर्ज 25.2 फ़ीसदी कम हो गया है। विदेश जाकर पढ़ने वाले छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। इसका असर एजुकेशन लोन में देखने को मिल रहा है।

ई-कॉमर्स और 3पीएल कंपनियों से वेयरहाउसिंग सेक्टर में जोरदार उछाल

नई दिल्ली। भारत के आठ प्रमुख शहरों में 2025 की पहली छमाही में औद्योगिक स्थानों और गोदामों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। रियल एस्टेट सेवा प्रदाता सीबीआरई की रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में औद्योगिक और वेयरहाउसिंग क्षेत्र में लीजिंग (पट्टे पर लेना) 63 प्रतिशत बढ़कर 27.1 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच गई। इस वृद्धि का प्रमुख कारण ई-कॉमर्स और थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) कंपनियों की मजबूत मांग रही। जनवरी-जून 2025 के दौरान लीज पर दी गई कुल जगह में से 32 प्रतिशत हिस्सेदारी 3पीएल कंपनियों की रही, जबकि ई-कॉमर्स कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। सीबीआरई के एक अधिकारी ने कहा कि 3पीएल और ई-कॉमर्स कंपनियों का प्रभुत्व यह दर्शाता है कि तेजी से बदलती उपभोक्ता अपेक्षाएं और आपूर्ति श्रृंखला में तकनीकी अनुकूलन इस सेक्टर को नई दिशा दे रहे हैं। गोदामों की मांग 63 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2.7 करोड़ वर्ग फुट पहुंची रिपोर्ट के मुताबिक इसी अवधि में 1.67 करोड़ वर्ग फुट नई आपूर्ति दर्ज की गई, जिसमें बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई का कुल 57 प्रतिशत योगदान रहा। सीबीआरई को उम्मीद है कि 2025 की दूसरी छमाही में भी इसी तरह की मजबूत मांग बनी रहेगी। आने वाले समय में प्रीमियम, टिकाऊ और तकनीक-समर्थित वेयरहाउसिंग सुविधाओं की मांग और अधिक बढ़ने की संभावना है।

अमेरिका ने भारत पर व्यापार समझौते में तुरंत शुल्क हटाने का दबाव बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से पहले एक नई चुनौती सामने आ गई है। अमेरिका चाहता है कि भारत समझौते के लागू होते ही अधिकांश उत्पादों पर आयात शुल्क पूरी तरह समाप्त कर दे। जबकि भारत इस प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के पक्ष में है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, अमेरिका की मांग है कि अधिकांश वस्तुओं पर शून्य शुल्क तुरंत लागू हो, जबकि कुछ संवेदनशील उत्पादों पर यह 1-2 वर्षों में हटाया जा सकता है। परंपरागत रूप से भारत 'टैरिफ स्टेजिंग' के तहत शुल्क कम करने की नीति अपनाता आया है, जिसमें समयबद्ध तरीके से शुल्क घटाया जाता है। 1 अगस्त से पहले व्यापार समझौते की डील पर संकट ब्रिटेन के साथ हाल में हुए मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने 10 वर्षों में 90 फीसदी वस्तुओं पर शुल्क हटाने का समझौता किया, जिसमें से 64 फीसदी वस्तुएं समझौते के लागू होते ही शुल्क मुक्त हो गईं। यह मॉडल भारत को घरेलू उद्योगों की रक्षा का अवसर देता है। इस बीच, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत की नीति घरेलू बाजार को संरक्षित करने पर केंद्रित रही है, लेकिन अमेरिका चाहता है कि बाजार अधिक खुले। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस मुद्दे पर अभी और वार्ता की आवश्यकता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यदि समझौता होता है, तो यह भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजारों में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली,29 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के बीच ट्रेड डील फाइनल हो जाने के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए।

एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 6,389.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.33 प्रतिशत उछल कर 21,178.58 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,873.65 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 9,081.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,800.88 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 247.14 अंक यानी 1.03 प्रतिशत टूट कर 23,970.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर दबाव बना नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,226.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,634.10 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,689 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत फिसल कर 3,595.19 अंक के स्तर तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

ब्रिटेन को भारत का चमड़ा और जूता निर्यात तीन साल में होगा 1 अरब डॉलर- पीयूष गोयल,देश भर के प्रमुख निर्माण केंद्रों को लाभ होगा

नई दिल्ली। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच हुए व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) से भारत के चमड़ा और जूता उद्योग को बड़ा प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जानकारी दी कि 2024 में 49.4 करोड़ डॉलर रहा यह निर्यात तीन वर्षों में दोगुना होकर 1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में निर्यातकों के साथ बैठक में बताया कि यह समझौता सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाता है, तकनीकी मानकों को संरेखित करता है और भारतीय भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पादों जैसे कोल्हापुरी चप्पल और मोजरी की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इससे भारतीय उत्पादों को यूके के 8.7 अरब डॉलर के चमड़ा और फुटवियर बाजार में बेहतर दृश्यता मिलेगी। इस समझौते के तहत यूके ने भारतीय उत्पादों पर लगने वाले 2 से 11.9 फीसदी तक के आयात शुल्क समाप्त कर दिए हैं, जिससे भारत को बांग्लादेश, कंबोडिया और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले समान अवसर मिलेंगे। इससे देश भर के प्रमुख निर्माण केंद्रों को लाभ होगा। खासकर एमएसएमई, कारीगरों, महिला उद्यमियों और युवा-नेतृत्व वाले व्यवसायों में हजारों नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। सरकार ने 1,700 करोड़ के भारतीय फुटवियर और चमड़ा विकास कार्यक्रम और केंद्रित उत्पाद योजना जैसी पहलें भी शुरू की हैं, जो टेक्नोलॉजी अपग्रेड, मेगा क्लस्टर और ब्रांडिंग को बढ़ावा देंगी।

सरकारी बैंकों ने नए डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल से मंजूर किए 98,995 एमएसएमई लोन

नई दिल्ली,29 जुलाई (एजेंसियां)।

सरकार ने संसद को बताया कि इस वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 15 जुलाई तक सरकारी बैंकों ने नए डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल के तहत 98,995 एमएसएमई लोन आवेदनों को मंजूरी दी है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में लिखित जवाब में बताया कि इस नए मॉडल के कारण लोन निर्णय लेने में अधिकतम एक दिन का समय लगता है, जो पारंपरिक मैनुअल प्रक्रिया की तुलना में काफी तेज है। नए डिजिटल मॉडल से एमएसएमई क्षेत्र को कई लाभ मिले हैं। आवेदनकर्ता कहीं से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिससे कागजी कार्रवाई और शाखा का दौरा कम हो गया है। डिजिटल प्रणाली के जरिए लोन प्रस्तावों को बिना रुकावट प्रोसेस किया जाता है और त्वरित सैद्धांतिक स्वीकृति मिलती है। साथ ही, निर्णय डेटा एवं लेनदेन व्यवहार और क्रेडिट इतिहास के आधार पर लिया जाता है, जिससे धोखाधड़ी की संभावना घटती है और निर्णय अधिक पारदर्शी होता है।

नए डिजिटल मॉडल से एमएसएमई क्षेत्र को कई लाभ मिले

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह मॉडल सिस्टम-जनरेटेड क्रेडिट लॉजिक और स्कोरकार्ड का उपयोग करता है, जो लोन पात्रता का तेज, सटीक और लक्षित मूल्यांकन सुनिश्चित करता है। इसके तहत बैंकों को बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय अपनी आंतरिक क्षमता विकसित करने की प्रेरणा मिली है। यह नया डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल केंद्रीय बजट 2024-25 में पेश किया गया था। हालांकि, इस मॉडल से बैंकों के एमएसएमई लोन के बुनियादी पात्रता मानदंडों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। सरकार का उद्देश्य एमएसएमई सेक्टर को आसान, तेज और भरोसेमंद वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। यह कदम एमएसएमई क्षेत्र की वृद्धि और विकास में सहायक होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कहां गायब हो...

ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जब यह पाया गया कि कुछ डिपो में सूचीबद्ध कोयले की मात्रा नीलामी और परिवहन के बाद भी कम नहीं हुई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अवैध रूप से और ताजा खनन किया गया कोयला डिपो में रखा गया था ताकि उसे सूचीबद्ध कोयला जैसा दिखाया जा सके।

मेघालय में 4,000 मीट्रिक टन कोयला गायब होने की घटना मेघालय बेसिन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमबीडीए) द्वारा एक डिपो में दर्ज 1,839.03 मीट्रिक टन कोयले के अलावा है। इस मामले में रिटायर्ड जस्टिस बीपी कटेकी समिति ने लापता कोयले और उसके परिवहन के बारे में गंभीर सवाल उठाए हैं। इस घटना ने मेघालय में कोयले के अवैध व्यापार और परिवहन की पुरानी समस्या को एक बार फिर उजागर किया है। यानि, कोयले के अवैध खनन, परिवहन और व्यापार पर अंकुश लगाने की कभी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इतने संवेदनशील मामले में मेघालय के मंत्री किरमेन शायला का बयान हास्यास्पद है या चालाकी भरा, इसे समझा जा सकता है। मंत्री ने कहा, मेघालय में सबसे ज्यादा बारिश होती है। इसलिए इस भारी बारिश की वजह से कुछ भी हो सकता है। मंत्री का आशय यह था कि चार हजार मीट्रिक टन कोयला बारिश में बह गया और जितना कोयला चोरी नहीं ले जा पाया, वह बारिश से बच गया। मेघालय हाईकोर्ट के जस्टिस एचएस थांगखियू की अध्यक्षता वाली बेंच ने इतनी बड़ी मात्रा में कोयले के गायब होने और गायब होने की वजह के बारे में दिए जा रहे बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई है।

आतंकियों को...

कि न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग अब नहीं चलेगी और न ही न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग के सामने भारत झुकेगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत की आत्मनिर्भर ताकत को पहचाना। मेक इन इंडिया ड्रोन और मिसाइलों ने पाकिस्तान के हथियारों की पोल खोलकर रख दी। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर से यह साफ हो गया है कि भारत ने तीन बिंदुओं पर निर्णय ले लिया है। एक, यदि भारत पर कोई आतंकवादी हमला होता है, तो हम अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर और अपने समय पर जवाब देंगे। दो, अब कोई परमाणु ब्लैकमेल काम नहीं करेगा। तीन, हम आतंकवाद का समर्थन करने वाली सरकारों और आतंकवादी सरगनाओं को दो अलग-अलग संस्थाओं के रूप में नहीं देखेंगे।प्रधानमंत्री ने कहा, पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया गया। कोई सोच भी नहीं सकता कि कोई वहां तक पहुंच सकता है। बहावलपुर, मुरीदके को भी जमींदोज कर दिया गया है। हमारी सेना ने आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। हमने पाकिस्तान की परमाणु धमकी को झूठा साबित कर दिया है। भारत ने साबित कर दिया है कि अब परमाणु ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगी और न ही भारत इस परमाणु ब्लैकमेलिंग के आगे झुकेगा। भारत ने अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया है। उसने पाकिस्तान के सीने पर सटीक वार किया है। पाकिस्तान के एयरबेस और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। और आज तक, उनके कई एयरबेस आईसीयू में हैं। यह तकनीक-आधारित युद्ध का युग है। अगर हमने पिछले 10 वर्षों में की गई तैयारियों को पूरा नहीं किया होता, तो हम कल्पना कर सकते हैं कि तकनीक के इस युग में हमें कितना नुकसान हो सकता था। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पहली बार दुनिया ने आत्मनिर्भर भारत की ताकत को पहचाना। भारत में बने ड्रोन और मिसाइलों ने पाकिस्तान की हथियार प्रणाली की पोल खोल दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल की घटना का बदला समय रहते ले लिया। 22 मिनट में सटीक हमले। पहलगाम आतंकवादी हमले के तुरंत बाद पाकिस्तानी सेना को अंदाजा हो गया था कि भारत वाकई कोई बड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने परमाणु हमले की धमकियां देनी शुरू कर दीं। 6-7 मई की रात को भारत ने अपने तयशुदा समय के अनुसार कार्रवाई की। पाकिस्तान कुछ नहीं कर सका। हमारे सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल की घटना का बदला 22 मिनट के भीतर सटीक हमलों से ले लिया।संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर हो रही बहस के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष के खास नेताओं और उन तमाम लोगों को आड़े हाथों लिया, जो भारत के बजाय पाकिस्तान के प्रति अधिक चिंता दिखाते हैं। पीएम मोदी ने कहा, मैंने कहा था कि यह भारत के विजयोत्सव का एक सत्र है। जब मैं विजयोत्सव की बात कर रहा हूं, तो मैं कहना चाहूंगा कि ये विजयोत्सव आतंक के ठिकानों को मिट्टी में मिलाने का है। विजयोत्सव ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का है। 22 अप्रैल को पहलगाम में जो क्रूर घटना घटी, जिस तरह आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों से उनका धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी, वह क्रूरता की पराकाष्ठा थी। यह भारत को हिंसा की आग में झोंकने की एक सोची-समझी कोशिश थी। यह भारत में दंगे फैलाने की एक साजिश थी। आज मैं देशवासियों का आभार व्यक्त करता हूं कि देश ने एकजुट होकर उस साजिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा, मैं इस सदन के समक्ष भारत का पक्ष रखने के लिए यहां खड़ा हूं। जो लोग भारत का पक्ष नहीं देखते, मैं उन्हें आईना दिखाने के लिए यहां खड़ा हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा, 22 अप्रैल के बाद मैंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि यह हमारा संकल्प है कि हम आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे। सजा उनके आकाओं को भी मिलेगी और ऐसी सजा मिलेगी जो कल्पना से भी बड़ी होगी। 22 अप्रैल को मैं विदेश में था। वहां से लौटने के तुरंत बाद मैंने एक बैठक बुलाई। उस बैठक में मैंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आतंकवाद को करारा जवाब देना होगा, और यह हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। सेना को कार्रवाई की खुली छूट दी गई। यह भी कहा गया कि सेना को यह तय करना चाहिए कि कब, कहां, कैसे और किस तरीके से कार्रवाई करनी है। ये सारी बातें उस बैठक में स्पष्ट रूप से कही गईं। हमें गर्व है, आतंकियों को वो सजा दी कि आज भी आतंक के उन आकाओं की नींद उड़ी हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पहलगाम आतंकवादी हमले के ठीक बाद पाकिस्तानी सेना को यह अंदाजा हो गया था कि भारत वास्तव में कोई बड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने परमाणु हमले की धमकियां देनी शुरू कर दीं। 6-7 मई की मध्यरात्रि को भारत ने ठीक अपने निर्णय के अनुसार कार्रवाई की। पाकिस्तान कुछ नहीं कर सका। हमारे सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल की घटना का बदला 22 मिनट के भीतर सटीक हमलों से ले लिया। भारतीय सेना ने दुश्मनों को धुआं-धुआं कर दिया।

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में शामिल लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पहलगाम हमले की निंदा की, पाकिस्तान पर प्रहार किया और भारतीय सेना की जमकर तारीफ की। राहुल गांधी ने कहा, पहलगाम में एक क्रूर और निर्दयी हमला, जो साफ तौर पर पाकिस्तानी सरकार की ओर से प्रायोजित और षडयंत्र किया गया था। हम सभी ने इस सदन के प्रत्येक व्यक्ति ने मिलकर पाकिस्तान की निंदा की है।राहुल गांधी ने सोमवार को सदन में दिए गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भाषण का उल्लेख करते हुए कहा, राजनाथ सिंह ने सदन को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर सुबह 1.05 बजे शुरू हुआ। ऑपरेशन सिंदूर 22 मिनट तक चला। फिर उन्होंने सबसे चौंकाने वाली बात कही। उन्होंने कहा, 1.35 पर हमने पाकिस्तान को फोन किया और उन्हें बताया कि हमने गैर-सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया है। हम तनाव नहीं बढ़ाना चाहते। राहुल गांधी ने कहा, शायद रक्षा मंत्री को यह समझ नहीं आया कि उन्होंने सदन में क्या खुलासा कर दिया है। भारत के डीजीएमओ को भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर की रात ही 1.35 बजे युद्धविराम के लिए कहने के लिए कहा था। आपने सीधे पाकिस्तान को अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति बता दी कि आपके पास लड़ने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है, कि आप लड़ना नहीं चाहते। राहुल गांधी ने कहा कि रक्षा मंत्री ने एक और बहुत महत्वपूर्ण बात कही, हो सकता है कि उनका यह कहने का इरादा न रहा हो। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पाकिस्तानियों से कहा कि हम आपके किसी भी सैन्य ढांचे पर हमला नहीं करेंगे। राहुल ने कहा, फिर आपने सेना को कार्रवाई की किस तरह की खुली छूट दी थी?

राहुल ने कहा, मैं उन लोगों के बयान से सहमत नहीं कि भारत ने ढेर सारे विमान खो दिए, लेकिन मैं इस बात से सहमत हूं कि हमने कुछ विमान खो दिए। यह केवल राजनीतिक नेतृत्व द्वारा सैन्य प्रतिष्ठान और उनकी वायु रक्षा पर हमला न करने के लिए दिए गए प्रतिबंध के कारण हुआ। आप पाकिस्तान में गए, आपने पाकिस्तान पर हमला किया और आपने हमारे पायलटों से कहा, उनकी वायु रक्षा प्रणाली पर हमला न करें। यह किस तरह की कारगर कार्रवाई की आपने?

पाकिस्तान ...

और उनके मददगार भी पकड़े गए हैं। अमित शाह ने सवाल उठाया कि पाकिस्तान को बचाने की कोशिश कर कांग्रेस को क्या हासिल होगा। शाह ने कहा कि चिदंबरम का बयान पूरी दुनिया के सामने उनके पाक प्रेम का बखान है। गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता का यह सवाल कि आतंकी पाकिस्तान से आए या नहीं, देश के पूर्व गृह मंत्री की तरफ से एक तरह से पाकिस्तान को क्लीन चिट देने जैसा है। इसके साथ ही शाह ने कहा कि हमारे पास सबूत हैं और हम संसद के पटल पर उसे रखने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मारे गए तीन आतंकियों में से दो के वोटर नंबर तक हमारे पास हैं। उनकी जेब में पाकिस्तान निर्मित चॉकलेट भी मिले हैं। साथ ही शाह ने बताया कि हमला कब और कैसे हुआ। अमित शाह ने कहा कि जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकी पाकिस्तान से थे। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह 4 बजे इसकी पुष्टि हो गई। साथ ही जिन दो लोगों ने इन आतंकियों को शरण दी थी, उन्हें भी पकड़ लिया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने आतंकियों और उनके मददगारों को पकड़ने के लिए सभी संसाधनों का इस्तेमाल किया।

पाठ्यक्रम में...

के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों पर सैन्य हमले शामिल थे। ये हमले पहलगाम नरसंहार के जवाब में किए गए थे। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, एनसीईआरटी मॉड्यूल दो भागों में जारी किए जाएंगे। पहला भाग कक्षा 3 से 8वीं तक के लिए होगा, जबकि दूसरा भाग कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों को पढ़ाया जाएगा। प्रत्येक मॉड्यूल आठ से दस पृष्ठों का है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, इसका उद्देश्य छात्रों को भारत की सैन्य शक्ति और पाकिस्तान की एक बार फिर हार से अवगत कराना है। इस मॉड्यूल के माध्यम से, छात्र ऑपरेशन सिंदूर और हमारे सशस्त्र बलों की सामरिक ताकत के बारे में भी जानेंगे। दिप्रिंट को मिली जानकारी के अनुसार, एनसीईआरटी छात्रों के लिए पूरक पठन सामग्री के रूप में विशेष मॉड्यूल भी तैयार कर रहा है, जो प्रमुख राष्ट्रीय विषयों पर केंद्रित होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को देश की उपलब्धियों से अवगत कराना और गर्व की भावना जगाना है। अब तक, विकसित भारत, नारी शक्ति वंदन, जी20, कोविड-19, भारत-लोकतंत्र की जननी और चंद्रयान जैसे विषयों पर 15 ऐसे मॉड्यूल जारी किए जा चुके हैं।ऑपरेशन सिंदूर के साथ, एनसीईआरटी कुछ अन्य मॉड्यूल भी तैयार कर रहा है। एक अन्य सरकारी अधिकारी ने कहा, आगामी मॉड्यूल मिशन लाइफ, विभाजन की भयावहता और अंतरिक्ष शक्ति के रूप में भारत के उदय-चंद्रयान और आदित्य-एल1 से लेकर सुभांशु शुक्ला की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उपस्थिति तक के बारे में होंगे। इसका उद्देश्य देश की उपलब्धियों को प्रदर्शित करके आगे की राह पर प्रकाश डालना है। एनसीईआरटी ने पाठ्यपुस्तकों में हाल के इतिहास की घटनाओं को शामिल किया है। हाल ही में जारी कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में, इसने सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख किया है, जो नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार भारत की 2016 की सैन्य कार्रवाई का जिक्र करता है। पुस्तक में मराठा शासक शिवाजी द्वारा मुगल सरदार शाइस्ता खान पर हमले की तुलना आधुनिक सर्जिकल स्ट्राइक से भी की गई है।

नई शिक्षा नीति (एनईपी) के पांच वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करके छात्रों के समग्र और बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम (एबीएसएस) में शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल शुरू की जाएगी। पीएम मोदी ने कहा, शिक्षा वह माध्यम है जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर और राष्ट्र को सशक्त बनाती है। हमारा उद्देश्य ऐसी शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है जिसमें विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता और सपनों के अनुसार आगे बढ़ सकें। आज देश गौरवशाली भारतीय संस्कृति से जुड़ी शिक्षा को तकनीक और वैश्विक मानकों से सुसज्जित करके प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पीएम ने कहा, पिछले पांच वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक सकारात्मक बदलाव हुए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करके विद्यार्थियों के समग्र और बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत काल में भारत एक भव्य और विकसित राष्ट्र के निर्माण की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस दौरान, हमारे युवाओं के आत्मविश्वास, जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। शिक्षा समागम हमारे साझा संकल्प और सहयोग की भावना का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि यह आयोजन न सिर्फ शिक्षण संस्थानों को अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं, रणनीतियों और उपलब्धियों को साझा करने का अवसर प्रदान करेगा, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयासों को भी और सशक्त करेगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 30 जुलाई, 2025

गोवत्स फाउण्डेशन
हैदराबाद
(Reg. No. 224/2013)
निराश्रित गोवंश, गोशालाओं में आपकी
नित्य सेवा का इंतज़ार कर रहा है
आपका छोटा सा सहयोग
गौशालाओ में रह रहे गोवंश का
कष्ट दूर करने में सहायक होगा
नित्य गोसेवा करें...
Scan for Donation
जय गो माता - जय गोपाल
सीए मुरली मनोहर पलोड़ 9849467807
ओमप्रकाश अग्रवाल 9246532277

हरियाली तीज पर्व पर पौधारोपण

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा, सिकंदराबाद द्वारा भव्य आयोजन

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा, सिकंदराबाद ने हरियाली तीज के पावन अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया।शाखा की अध्यक्ष श्रीमती शीतल जैन के नेतृत्व में 101 पौधों का रोपण किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह वृक्षारोपण घोड़ेला परिवार के बच्चों - सिद्धार्थ, अंशुमन, तनुष्का, दिव्यांशी और मानवी की ओर से समर्पित रहा।

इस कार्यक्रम में शाखा की ऊर्जावान महिलाओं और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित सदस्यों में शामिल रहीं।

इस अवसर पर संरक्षक: मंजू विनायकिया एवं अन्य सदस्यों में : प्रेम चावड़ा, वीना जैन, सीमा चावड़ा, सोनू चावड़ा, वरजू राठौर, मंजू घोड़ेला, योगिता अलीजार, उर्मिला ढल्ला, अर्चना ढल्ला, सुरेखा गांधी, किरण गांधी, आशा डाफरिया, संजू सांखला, ज्योति मखाना, संतोष चौहान, सुमित्रा शर्मा, खुशबू शर्मा, पूजा शर्मा, चंदा मोदी, प्राची मोदी, दुर्गा मालवीय, बबीता शर्मा, प्रेस जैन, विवाह मखाना, इशिता शर्मा, गजेंद्र शर्मा, हितेश शर्मा, किरण कुमार, राजकुमार, गौरव मालवीय, भावना चावड़ा, खुशी मालवीय, और आरती कुमारी। इन सभी ने मिलकर इस आयोजन को जीवंत और यादगार बनाया।

विशेष सम्मान समारोह

कार्यक्रम के दौरान सिकंदराबाद शाखा के वरिष्ठ सदस्य नारायणजी चावड़ा, अध्यक्ष पंकज राठौड़, और पूर्व रक्तदान संयोजक मनोज जैन को 100 रक्त यूनिट पूर्ण करने की उपलब्धि पर माल्यार्पण और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।शाखा मंत्री सुमन घोड़ेला ने सभी सदस्यों का तहेदिल से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक पौधा, एक जीवन - आइए हम सब मिलकर धरती को हरा-भरा बनाएं!

यह छोटी-सी पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा बदलाव लाने की क्षमता रखती है। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा का यह प्रयास समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने और हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर भी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत मंगलवार को विवेक तोषणीवाल के जन्मदिन के अवसर पर बृजगोपाल दिनेश कुमार तोषणीवाल परिवार द्वारा बेगम बाजार गौशाला के समीप माता के मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने इस सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के जगत नारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल,महेश अग्रवाल,रवि अग्रवाल,विवेक तोशनीवाल,माधवी तोशनीवाल,जगन भाई चंपापेट,राजेश सर योग,सुनील भाई,रीतेश अग्रवाल,अशोक अग्रवाल,नरेश बंसल,पन्ना लाल जी,नमन अग्रवाल,पूजा विजयवर्गी,रजनी गुप्ता,लता गोयल,मीना अग्रवाल,शर्मिला अग्रवाल,अनिल भाई,गोविंद भाई,विनोद तोशनीवाला,आशीष,किशन पाल एवं अन्य सदस्यों ने सेवा की।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नं. 1265 के समीप जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के रामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,महेश अग्रवाल,संजय गोयल,किरण गोयल,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,विशालजी अग्रवाल,शिवानी अग्रवाल,ई-जगन चम्पापेट,श्याम सुन्दर अग्रवाल,भगतराम गोयल,मनीष फिटकारीवाला,नंदकिशोर अग्रवाल,प्रीतिका अग्रवाल,सविता अग्रवाल,श्याम सुंदर अग्रवाल सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जरूरतमंदों की सेवा की।

हैदराबाद में मॉम्स और बच्चों ने 'स्क्विड गेम' इवेंट में खूब की मस्ती

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के हैप्पी फीट क्लब ने हाल ही में अपने अनोखे 'स्क्विड गेम'-थीम वाले इवेंट के साथ माताओं और बच्चों के बीच उत्साह का संचार किया। यह कार्यक्रम नेकलेस रोड स्थित जलविहार ग्रैंड लॉन में आयोजित किया गया, जिसमें 125 बच्चों और 80 माताओं ने हिस्सा लिया, और यह क्लब के लिए एक बड़ी सफलता साबित हुआ।

हैप्पी फीट क्लब की शुरुआत अप्रैल 2025 में चांदनी शाह और पूजा कोठारी नामक दो उत्साही महिलाओं ने की थी। उनका उद्देश्य माताओं और बच्चों दोनों के लिए विशेष और आकर्षक कार्यक्रम आयोजित करना है।

'स्क्विड गेम' इवेंट में नेटफ्लिक्स के लोकप्रिय शो के पहले सीज़न से प्रेरित होकर 6 रोमांचक खेलों का आयोजन किया गया था। इनमें फ्लिप द कार्ड, रेड लाइट ग्रीन लाइट, दालगोना कुकी कटिंग, टग ऑफ वॉर, मिंगल्स और ग्लास वॉक जैसे खेल शामिल थे। बच्चों और माताओं दोनों ने इन खेलों का भरपूर आनंद लिया और एक साथ यादगार पल बिताए।

क्लब की संस्थापिकाओं, चांदनी और पूजा के अनुसार, उनका मुख्य ध्यान ऐसे मनोरंजक और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करने पर है, जिनमें माताएं और बच्चे दोनों सक्रिय रूप से भाग ले सकें। वे बच्चों को नई चीजों से परिचित कराना और माताओं को अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का अवसर प्रदान करना चाहती हैं।

अपनी स्थापना के बाद से, हैप्पी फीट क्लब ने 100 माताओं को अपनी सदस्यता दिलाई है, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। क्लब की इस सफलता का श्रेय चांदनी और पूजा के समर्पण और उनके द्वारा आयोजित किए जा रहे अनूठे कार्यक्रमों को जाता है।

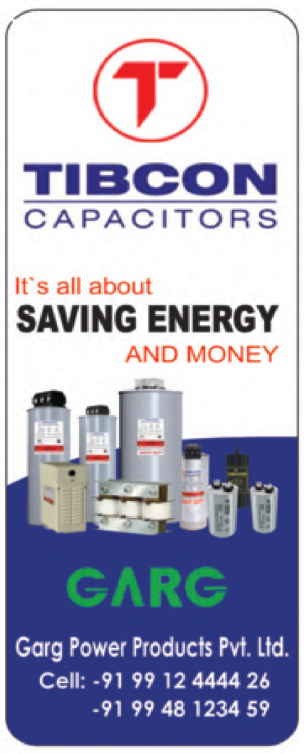

अग्रवाल समाज अमीरपेट शाखा द्वारा कांवड़ियों का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अग्रवाल समाज अमीरपेट शाखा ने भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा 2025 के अवसर पर अपनी सेवा भावना का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया।

कांवड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत

रविवार, 27 जुलाई 2025 को ओम कन्वेंशन, नारसिंहगी चौक पर पहुंचे 1221 कांवड़ यात्रियों और उनके परिवारजनों का अग्रवाल समाज अमीरपेट शाखा द्वारा हार्दिक स्वागत किया गया। शाखा के सदस्यों ने पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ ताजे फल, चाय, दूध और बिस्किट वितरित किए, जिससे यात्रियों का उत्साह दोगुना हो गया।

समिति सदस्यों का अथक प्रयास

पिछले वर्षों की परंपरा को कायम रखते हुए, इस वर्ष भी अमीरपेट शाखा के सभी समिति सदस्य पूरे मन, लगन और मेहनत के साथ इस सेवा कार्य में जुटे रहे। उनके सामूहिक प्रयासों ने इस आयोजन को अत्यंत सफल और यादगार बनाया।

अग्रवाल समाज अमीरपेट शाखा निरंतर इस प्रकार की धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और संस्कारों की भावना को मजबूत करने के लिए कटिबद्ध है।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा का श्रावणी उपाकर्म महोत्सव 9 अगस्त को

हैदराबच, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावणी उपाकर्म महोत्सव का भव्य आयोजन शनिवार, 9 अगस्त 2025 को प्रातः 10 बजे से श्री वेंकटेश्वर स्वामी बालाजी मंदिर, मामडपल्ली (पहाड़ीशरीफ) में आयोजित किया जाएगा।

इस संदर्भ में पारिक भवन, कोलासावाड़ी में एक बैठक आयोजित की गई। गायत्री वंदना के पश्चात महासचिव रामदेव नागाला ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए रामनिवास पार-ाशर और दामोदर जोशी को संयोजक नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम का विवरण

बस व्यवस्था: प्रातः 8:00 बजे से 9:00 बजे तक रामनाथ आश्रम, भगवान गंज से निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध रहेगी।

धार्मिक अनुष्ठान: प्रातः 9:55 बजे से अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के विख्यात पुरोहितों के सान्निध्य में निम्नलिखित अनुष्ठान संपन्न होंगे: दशविधि स्नान, गायत्री पूजा, यज्ञोपवीत पूजा,योग्यपवित्र पूजा और पांच कुंडीय गायत्री यज्ञ।

महा आरती और प्रसाद: दोपहर 1:45 बजे महा आरती के पश्चात सभी के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था होगी।

पंजीकरण और संपर्क

नूतन यज्ञोपवीत धारकों से अनुरोध है कि वे अपना पंजीकरण निम्नलिखित सदस्यों से संपर्क करके करवाएं:

सुरेश गांधी: 9030095447
रामदेव नागाला: 6300534407
श्रीलाल पारिक: 9848017110
अनिल जायलवाल: 9394548180

विज्ञप्ति के अनुसार, अभी तक 14 यज्ञोपवीत धारकों ने अपना नाम दर्ज करवाया है।

व्यवस्था और जिम्मेदारियां

पूजा व्यवस्था: मोहनलाल शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा (पहलवान), प्रभुदयाल पांडिया, मुरलीधर तिवाड़ी, और रामनिवास ओझा। प्रचार-प्रसार: संदीप जायलवाल। भोजन व्यवस्था: दामोदर जोशी, मुकेश सांडिल्य, रामदेवपाल जोशी, और अन्य सहयोगी।बस व्यवस्था: विजय शर्मा पांडिया, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी, और घनश्याम सड्डा तिवाड़ी प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे।

विशेष अपील

महासचिव रामदेव नागाला ने सभी 13 उपन्यासी बंधुओं से विशेष अपील की है कि श्रावणी उपाकर्म विप्र बंधुओं का प्रथम त्योहार है। अधिक से अधिक बंधु इस पवित्र अनुष्ठान में भाग लें।

विज्ञप्ति में बताया गया कि श्रावण मास होने और आयोजन स्थल पर विशाल मंदिर व हरियाली युक्त वातावरण के कारण पिछले 2-3 वर्षों से महिलाएं भी इस आयोजन में भाग ले रही हैं। इच्छुक महिलाएं भी इस पवित्र अवसर पर शामिल होकर आनंद ले सकती हैं।

तेरापंथ शासन की 108 वर्षीय साध्वी श्री बिदामांजी की गुणानुवाद सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के तत्वावधान में, साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी के सान्निध्य में, तेरापंथ भवन सिकंदराबाद में तेरापंथ शासन की दीर्घजीवी साध्वी श्री बिदामांजी की गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। साध्वी श्री बिदामांजी ने 108वें वर्ष में पूर्ण जागरूकता के साथ समाधिपूर्वक देवलोक गमन किया।

साध्वी श्री बिदामांजी का प्रेरणादायी जीवन

साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि साध्वी श्री बिदामांजी भैक्षव शासन में दीक्षित, शिक्षित और तीन-तीन आचार्यों द्वारा परीक्षित शासन श्री और दीर्घजीविता की धनी थीं। वे वीरभूमि मेवाड़ की वीरांगना थीं और स्वर्गीय श्रीमान वीरधीचंदजी हंजाबाई चावला की बेटी थीं। ठाणं सूत्र के अनुसार चार प्रकार के व्यक्तियों का वर्णन है - नारियल के समान, दाख के समान, बिदाम के समान, और बेर के समान। साध्वी श्री बिदामांजी दाख के समान थीं, जिन्होंने अपने जीवन में अद्भुत समर्पण और सादगी का परिचय दिया।

संयम और समर्पण की मिसाल

युगप्रधान आचार्य श्री तुलसी के कर कमलों से दीक्षित साध्वी श्री बिदामांजी ने अपने यौवनकाल में संयम रत्न को ग्रहण किया था। उनकी आचारनिष्ठा, संयमनिष्ठा, मोक्षनिष्ठा, आज्ञानिष्ठा और गुरुनिष्ठा उनके व्यक्तित्व में गहरे तक समाई हुई थीं। तेरापंथ धर्मसंघ में उन्होंने 79 वर्षों तक एक ही समूह में दही की तरह जमकर अपने समर्पण और विनम्रता का परिचय दिया। आचार्य श्री महाश्रमण जी के युग में उन्होंने दीर्घ संयम और दीर्घजीविता के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचा। अंत में, उन्होंने संयम पर कलश चढ़ाकर अपनी जीवन यात्रा को धन्य बनाया।

भावपूर्ण प्रस्तुतियां

कार्यक्रम में साध्वी मेरुप्रभा जी, साध्वी मयंकप्रभा जी, और साध्वी दक्षप्रभा जी ने सामूहिक गीतिका के माध्यम से साध्वी श्री बिदामांजी के जीवन दर्शन को प्रस्तुत किया। उपासिका सरला बाई भूतोडिया, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष नमिता सिंघी, पूर्व अध्यक्ष चंद्रा सुराणा, और साध्वी श्री बिदामांजी की संसारपक्षीय प्रपौत्र विकास दक ने कविता के माध्यम से अपनी भावांजलि अर्पित की।

सभा के विचार और परिचय

सिकंदराबाद सभा के अध्यक्ष श्री सुशील जी संचेती ने भी अपने विचार व्यक्त किए। श्री शांतिलाल जी दक ने साध्वी श्री बिदामांजी का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया, जिसमें उनके जीवन की प्रेरणादायी यात्रा को रेखांकित किया गया।

निष्कर्ष

यह गुणानुवाद सभा साध्वी श्री बिदामांजी के संयम, समर्पण और दीर्घजीविता से प्रेरित एक प्रेरणादायी आयोजन रहा, जो तेरापंथ धर्मसंघ और समाज के लिए एक अमर संदेश छोड़ गया।

जेबीएन डेक्कन द्वारा चातुर्मास के अवसर पर भव्य धर्म यात्रा का आयोजन

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन बिजनेस नेटवर्क (जेबीएन) - डेक्कन चैप्टर ने चातुर्मास के पावन अवसर पर एक दिवसीय धर्म यात्रा का सफल और भावपूर्ण आयोजन किया। इस यात्रा में लगभग 18 सदस्यों ने अपने परिवारों के साथ भाग लिया, जो भक्ति, सेवा और सामूहिकता का एक अनुपम उदाहरण रहा।

यह धर्म यात्रा जिनेश्वर धाम, काचिगुड़ा से शुरू हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने गुरु गणेश धाम, कोलानपाक जैन मंदिर, स्वर्णगिरी मंदिर, और अंत में चैतन्यपुरी जैन मंदिर में दर्शन किए। इन सभी स्थानों पर सदस्यों ने पूजा-अभिषेक, आरती, पक्षाल और भक्ति संध्या जैसी विभिन्न धार्मिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस धर्म यात्रा के आयोजन में श्री चंद्रेश जैन, श्री मिहिर मेहता और श्री पदम कटारिया के लाभार्थी परिवारों का विशेष योगदान रहा, जिसकी सराहना की गई।

इस भव्य आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में श्री पदम कटारिया (ग्रुप हेड), श्री अंकित चोरडिया (ग्रुप लीड) और श्री अभिषेक (सेक्रेटरी/कोषाध्यक्ष) की नेतृत्व भूमिका सराहनीय रही।

जेबीएन डेक्कन की यह धर्म यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं थी, बल्कि सद्भाव, संगठन और सेवा भावना का एक सजीव उदाहरण बन गई, जिसने समूह के मूल मूल्यों को और भी मजबूत किया।

क्रेडाई तेलंगाना ने 2025-27 के लिए नई प्रबंध समिति की घोषणा की

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) तेलंगाना ने अपने 2025-2027 के कार्यकाल के लिए नई प्रबंध समिति के चुनाव की घोषणा की है। नवनिर्वाचित नेतृत्व तेलंगाना में रियल एस्टेट विकास को गति देने, उद्योग प्रतिनिधित्व को मजबूत करने और प्रमुख पहलों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी संभालेगा।

नवनिर्वाचित पदाधिकारी

संगठन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में श्री प्रेम सागर रेड्डी को अध्यक्ष और श्री के. इंद्र सेना रेड्डी को राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है। श्री एस. राम रेड्डी को राष्ट्रपति-निर्वाचित बनाया गया है। उपाध्यक्ष के रूप में श्री एम. श्रीकांत, श्री गोवर्धन रेड्डी, श्री राम रेड्डी और श्री सत्यनारायण रेड्डी होंगे। श्री पल्लेरला नागप्रसाद संयुक्त सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

रणनीतिक प्राथमिकताएं

नए नेतृत्व की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं:

तेलंगाना सरकार के साथ सहयोग को मजबूत करना

रेरा अनुपालन को बढ़ावा देना और आधुनिक शासन मानकों को अपनाना

अत्याधुनिक तकनीक और टिकाऊ निर्माण प्रथाओं को प्रोत्साहन देना

डेवलपर्स को कौशल विकास और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाना

टियर 2 और 3 शहरों में एकीकृत टाउनशिप और प्लॉटेड विकास को समर्थन देना

समावेशी और न्यायसंगत रियल एस्टेट विकास के लिए नीतिगत समर्थन का विस्तार करना

नेतृत्व के विचार

प्रेम सागर रेड्डी, अध्यक्ष, क्रेडाई तेलंगाना ने कहा कि तेलंगाना की विकास गाथा तेजी से आगे बढ़ रही है-बुनियादी ढांचे से लेकर औद्योगिक समूहों तक। क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) और जिला विकास पर केंद्रित परियोजनाओं के साथ, क्रेडाई सक्रिय सहभागिता, नीतिगत समर्थन और भविष्य के लिए तैयार कौशल विकास के माध्यम से इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हमें भविष्य के विकास के लिए टियर 2 और 3 शहरों पर ध्यान देना होगा। कार्यबल को नई चुनौतियों और विकास के लिए सशक्त बनाने हेतु कौशल विकास पहलों की तैनाती की आवश्यकता है।

के. इंद्र सेना रेड्डी, प्रेसिडेंट, क्रेडाई तेलंगाना ने कहा कि यह तेलंगाना के रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक निर्णायक दशक है। 2047 तक, भारत की अर्थव्यवस्था के 50 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें हमारा उद्योग राष्ट्रीय जीडीपी में लगभग 5 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देगा। इस विकास के युग में, हमारा मिशन डेवलपर्स को अगले स्तर की तकनीकों, आधुनिक प्रथाओं और प्रगतिशील मानसिकता से लैस करना है। हमारी शीर्ष प्राथमिकताओं में संबंधित प्राधिकरणों के साथ प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।

एस. राम रेड्डी, प्रेसिडेंट-निर्वाचित, क्रेडाई तेलंगाना ने कहा कि क्रेडाई तेलंगाना के राष्ट्रपति-निर्वाचित के रूप में, मेरा मानना है कि हमें राज्य भर के कस्बों के समग्र विकास पर ध्यान देना चाहिए, जिसमें भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचा शामिल है। हमें इन क्षेत्रों को गुणवत्तापूर्ण रोजगार और विकास के केंद्र के रूप में उभरने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों के साथ सहयोग करना होगा। जी. अजय कुमार, सचिव, क्रेडाई तेलंगाना ने कहा कि सचिवालय के रूप में, हमारा ध्यान शाखाओं के बीच समन्वय को मजबूत करने, सदस्यों के लिए समर्थन को सुव्यवस्थित करने और नीतिगत अपडेट्स व नियामक परिवर्तनों पर समयबद्ध संचार सुनिश्चित करने पर होगा।

जगन मोहन, कोषाध्यक्ष, क्रेडाई तेलंगाना ने कहा कि हमारा लक्ष्य सभी शाखाओं में वित्तीय पारदर्शिता और विवेकपूर्ण संसाधन प्रबंधन सुनिश्चित करना है। मजबूत वित्तीय शासन हमारे दीर्घकालिक विकास उद्देश्यों का समर्थन करेगा। हमारा उद्देश्य उन प्रभावशाली पहलों को वित्तपोषित करना है जो डेवलपर्स और समुदायों दोनों को उत्थान करें। संरचित योजना के साथ, हम वास्तविक, मापने योग्य प्रगति को बढ़ावा दे सकते हैं।

अग्रवाल समाज रिकाबगंज शाखा का तीज की तरंग अपनों के संग कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज रिकाबगंज शाखा द्वारा 'तीज की तरंग अपनों के संग' और 'श्रावण की सैर' कार्यक्रम का आयोजन ब्लू थंडर वाटर पार्क एंड रिजॉर्ट, बीबीनगर में हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में शाखा के 100 से अधिक सदस्यों और उनके परिवारजनों ने भाग लिया।

सुबह 9 बजे, सभी सदस्य उच्च न्यायालय के पास से दो बसों और कारों के माध्यम से महाराजा अग्रसेन जी की जयकार करते हुए कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध प्रसाद गुप्ता, उपाध्यक्ष श्री रूपेश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष श्री अचल गुप्ता ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

शाखा अध्यक्ष जितेंद्र मित्तल, मंत्री सुनील कुमार अग्रवाल और संयोजक बजरंग लाल भालवाले ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया, जिसके पश्चात् सभी ने अग्रकुल शिरोमणि महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना की।

केंद्रीय समिति की भावी योजनाओं पर चर्चा और महिला भागीदारी की सराहना

श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने केंद्रीय समिति की भावी योजनाओं के बारे में उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया। उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता ने शाखा द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों की सराहना की और कार्यक्रम में महिलाओं की अच्छी उपस्थिति पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान, युवकों, युवतियों और बच्चों ने वाटर गेम्स, रेन डांस, झूले और वाटर राइड्स का भरपूर आनंद लिया। महिला सदस्याओं श्रीमती अनिता गुप्ता और संतोष गुप्ता ने अशोक बंसल और जितेंद्र मित्तल के सहयोग से विभिन्न खेलों का आयोजन किया, जिसमें म्यूजिकल ग्लास, जॉइन द डॉट्स और तंबोला जैसे खेल प्रमुख थे। इन खेलों में सभी आयु वर्ग के लोगों ने उत्साह से हिस्सा लिया।

सदस्यों को उपहार और लकी ड्रा पुरस्कार

शाखा द्वारा तीज के अवसर पर सदस्यों की पत्नियों को विशेष उपहार दिए गए। इसके अतिरिक्त, अतिथि के रूप में पधारी बहन-बेटियों को बजरंग लाल अग्रवाल द्वारा आकर्षक उपहार भेंट किए गए। उपस्थित सदस्यों के लिए लकी ड्रा के माध्यम से 21 पुरस्कार निकाले गए, जिसका प्रायोजन सुनील कुमार अग्रवाल और आर. अशोक कुमार के सौजन्य से किया गया। खेल में विजयी सदस्यों को शाखा द्वारा पुरस्कार दिए गए।

कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय समिति सदस्य अशोक बंसल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्ष जितेंद्र मित्तल ने किया।

इस अवसर पर जितेंद्र मित्तल, सुनील अग्रवाल, बजरंग लाल अग्रवाल, अशोक बंसल, श्रीमती संतोष गुप्ता, श्रीमती अनिता गुप्ता, राजेश बगड़िया, राहुल अग्रवाल, सी.ए. विनोद जैन, आर. अशोक कुमार, दीपक अग्रवाल, सुनील सिंघल, ओमप्रकाश जी अग्रवाल, रमेश चंद्र अग्रवाल, मनोज बंसल, अमित मित्तल, विष्णु मोदी, राकेश अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, श्रवण अग्रवाल, जितेंद्र जैन और उनके परिजन सहित अन्य सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लीलाबाई तोंडेवाला हाईस्कूल और गणेशीलाल कानोडिया प्राइमरी स्कूल में छात्र परिषद का सम्मान समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित लीलाबाई मोतीलाल तोंडेवाला हाईस्कूल (एल.बी.एम.टी. हाईस्कूल) और गणेशीलाल कानोडिया प्राइमरी स्कूल (जी.के.पी.एस.) का सम्मान समारोह समिति के प्रांगण में भव्यता से मनाया गया। यह कार्यक्रम नव-निर्वाचित छात्र परिषद को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम गीत, माता सरस्वती की वंदना और पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। समिति के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमोद कुमार केडिया को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीतिबाला ने अतिथियों का स्वागत संबोधन से करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य केवल नए विद्यार्थियों को शिक्षित करना ही नहीं, बल्कि उनमें कर्तव्य निर्वहन का भाव उत्पन्न करना है। उन्होंने एक नेता में धैर्य, साहस और नैतिक मूल्यों के महत्व पर भी जोर दिया, जो किसी भी संस्था की प्रगति के लिए आवश्यक हैं।

छात्र परिषद ने ली शपथ, किया मार्चपास्ट

मंचासीन पदाधिकारियों ने नव-निर्वाचित छात्र परिषद के छात्रों को बैज और सैशे देकर सम्मानित किया। विद्यालय में उपस्थित चारों सदनों (लाल, पीले, हरे, नीले) के छात्रों ने प्रभावशाली मार्चपास्ट किया। छात्र परिषद के छात्रों को उनके कर्तव्य और जिम्मेदारियों के निष्ठापूर्वक निर्वहन के लिए शपथ दिलाई गई।छात्र परिषद के प्रमुख विद्यार्थियों में हेड बॉय शुवमदान, हेड गर्ल संजना डलोई, डेप्युटी हेड बॉय कुशाल चांडक, डेप्युटी हेड गर्ल सुवोश्री सानी शामिल थे। इनके अतिरिक्त, साहित्यिक कप्तान नेहा पाल और जानवी शर्मा, सांस्कृतिक कप्तान तनिशा घंटा और ब्रिष्टी सिंघा, डिसिप्लिन कप्तान गणेश और कल्प जैन, पंक्चुअलिटी कप्तान आर. मोहनकरण और धर्मेंद्र अग्रवाल, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी अनिकेत पोरिया, स्पोर्ट्स कैप्टन मोहम्मद अब्दुल रहमान और सोहाना खातून, तथा विभिन्न सदनों के कप्तान और उपकप्तान भी शपथ लेने वालों में शामिल थे।

अध्यक्ष ने छात्रों को कर्तव्यों के प्रति किया प्रेरित

शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन शिक्षा समिति के लिए अत्यंत शुभ है। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण भले ही एक औपचारिकता हो, लेकिन उन्होंने नव-निर्वाचित विद्यार्थियों में अनुशासन, एकता, साहस और नैतिक मूल्यों का समावेश देखा है। उन्होंने छात्रों से अपनी योग्यतानुसार अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने का आह्वान किया।समिति के मानद सचिव सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह दिन संस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर दिया कि छात्र परिषद की नियुक्ति केवल एक अधिकार ही नहीं, बल्कि कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का क्षेत्र है, जहाँ उन्हें अपनी संस्था और अपने अभिभावकों के लिए कुछ कर दिखाना है।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की इंचार्ज निधि कौशिक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन नौवीं कक्षा की छात्रा पूर्वी मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय के कॉरेस्पोंडेंट एवं समिति के संयुक्त सचिव राजेश अग्रवाल, विद्यालय के कोऑर्डिनेटर प्रदीप कुमार अग्रवाल, शैक्षणिक निर्देशिका डॉ. सनोज जैन, सह-निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल, श्रीमती सी.ए. आराधना मोदानी, अध्यापकगण, गैर-अध्यापकगण, अभिभावक, विद्यार्थी और समिति के सभी संस्थानों के प्रधानाचार्य उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in के माध्यम से) PUB/0908

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत मुख्य अभियंता/सी-III/एससी, संगठन, निर्माण द.म.रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा क्रमशः निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित हैं

एनआईटी सं.: EPC-06-CAO-C-SC-2025 दिनांक: 25/07/2025 **कार्य का नाम:** दक्षिण मध्य रेलवे (निर्माण संगठन) विजयवाड़ा मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे में राजमुंदरी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (एझउ) अनुबंध। **अनुमानित लागत:** ₹ 252,74,74,973.00 **पूर्व धरोहर राशि :** ₹ 1,26,37,400.00 **पूरा करने अवधि:** 36 (छत्तीस) महीने **खुलने की तिथि:** 30/09/2025 15:00 बजे

I) बोली दस्तावेज़ और अन्य विवरणों के लिए, कृपया वेबसाइट https://ireps.gov.in पर लॉग इन करें। II) निविदाकर्ता अपनी ऑनलाइन बोलियां निविदा जमा करने की अवधि के दौरान जमा कर सकते हैं, जो निविदा बंद होने से पंद्रह दिन पहले की अवधि है। III) निविदाकर्ताओं को निविदा जमा करने की अवधि शुरू होने की तारीख तक किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) के लिए देखते रहना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, निर्माण, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. सी-एसजी-पीटी-टावर्स-01 दि. 26.07.2025 PUB/0909

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत उप-सीएसटीई/परियोजना/टेली/एससी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

निविदा सं. एवं दि. : सी-एसजी-पीटी-टावर्स-01 दि. 26.07.2025 **कार्य का नाम:** दक्षिण मध्य रेलवे के गुंटकल एवं गुंटूर मंडल में कवच के प्रावधान हेतु भूतल अवसंरचना कार्य। **अनुमानित परियोजना लागत :** ₹ 63,40,88,208.80 पैसे **बोली सुरक्षा:** ₹ 33,20,500.00 पैसे **कार्य पूरा की अवधि:** 720 दिन **बोली समाप्ति तिथि (बोली देय तिथि):** 27.08.2025 15.00 बजे **बोली खुलने की तिथि:** 27.08.2025. 15.00 बजे के बाद प्रस्ताव की वैधता: **बोली समाप्ति तिथि** से 120 दिन **निविदा पुस्तिका की लागत:** ₹ 0/-

सभी बोलियाँ भारतीय रेलवे के ई-टेंडरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर हैं। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जा सकते। अधिक जानकारी के लिए कृपया नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें। www.ireps.gov.in पर देखें।

उप-मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता/परियोजनाएं/दूरसचार/सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. C-SG-PT-MSDAC-01 दि. 21.07.2025 (शुद्धिपत्र सं.-01, दिनांक 25.07.2025) PUB/0910

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत उप-सीएसटीई/परियोजना/दूरसंचार/एससी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या और तिथि: C-SG-PT-MSDAC-01 दि. 21.07.2025 (शुद्धिपत्र सं. 01, दि. 25.07.2025) **कार्य का नाम:** (i) नांदेड़, परभणी, पूर्णा, मुदखेड़ स्टेशन पर मौजूदा ट्रैक सर्किट में दोहरी पहचान हेतु मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (MSDAC) पूर्ण प्रणाली का प्रावधान। (ii) नांदेड़ डिवीजन के शिवनीशिवपुर, वाशिम और माटेकडी स्टेशन पर मौजूदा ट्रैक सर्किट गुड्स साइडिंग/लूप लाइन में दोहरी पहचान के लिए मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) पूर्ण प्रणाली का प्रावधान। **अनुमानित परियोजना लागत:** ₹26,62,69,653.70/- **बोली सुरक्षा:** ₹14,81,400.00/- **कार्य पूरा होने की अवधि:** 12 महीने बोली **समाप्ति तिथि (बोली देय तिथि):** 22.08.2025, 15.00 बजे **बोली खुलने की तिथि:** 22.08.2025, 15.00 बजे के बाद **प्रस्ताव की वैधता:** बोली समाप्ति तिथि से 120 दिन **निविदा पुस्तिका की लागत:** ₹0.00 शुद्धिपत्र सं. 01 **जारी करने का कारण:** अनुसूची मूल्य में मुद्रण त्रुटि को अद्यतन करना.

सभी बोलियाँ भारतीय रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर हैं। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

उप-मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता/परियोजनाएँ/ दूरसंचार/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.: 2-CWMLGDRBK-ET-2025-26 दि. 25.07.2025 PUB/0911

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत CWM/LGDS, निविदा सं. 2-CWMLGDRBK-ET-2025-26 दि. 25.07.2025 के अंतर्गत ई-निविदाएँ आमंत्रित करता है। अंतिम तिथि 16.08.2025, प्रातः 11:00 बजे। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा।

निविदा सं.: 2-CWMLGDRBK-ET-2025-26-2025-26 **कार्य का विवरण:** रेल बोगी कारखाना, एस.सी.रेलवे, यादगीर जिला, कर्नाटक राज्य 585 221 पर वेल्डिंग टॉर्च उपभोग्य सामग्रियों सहित एलएचबी फिएट बोगी फ्रेम का निर्माण और पेंटिंग **मात्रा (संख्या):** 1000 **अवधि:** 12 महीने **निविदा मूल्य सहित जीएसटी:** ₹2,85,00,950/- (दो करोड़ पचासी लाख नौ सौ पचास रुपये मात्र) **पूधरा:** ₹2,92,500/- **समापन तिथि:** 16.08.2025 प्रातः 11:00 बजे **सूचना पट्ट पर निविदा का पूरा विवरण देखने का स्थान:** मुख्य कार्यशाला प्रबंधक का कार्यालय, कैरिज वर्कशॉप, लालागुडा, सिकंदराबाद 500017

निविदा की अन्य शर्तों/विवरणों (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) और निविदा दस्तावेजों, शुद्धिपत्र को डाउनलोड करने के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in/** पर जाएँ।

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, लालागुडा, सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.: 05-Mech-EPPFS-SHIFT-25-26 दि. 26.07.2025 PUB/0912

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत उप मुख्य यांत्रिकी अभियंता/ सीआरएस/ टीपीटीवाई द्वारा निम्न उल्लिखित अंतिम तिथि के अंतर्गत निविदा सं. : 11:00 बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे और प्राप्त किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा।

निविदा सं.: 05-Mech-EPPFS-SHIFT-25-26 दिनांक 26.07.2025 **कार्य का विवरण:** दक्षिण मध्य रेलवे के वर्कशॉप और डिवीजनों में अंडरस्लंग से ऑनबोर्ड में EPPFS का स्थानांतरण **अनुमानित लागत:** ₹3,35,30,880 **बोली सुरक्षा:** ₹3,17,700 **पूरा करने की अवधि:** 12 महीने **समापन तिथि:** 16.08.2025 11.00 बजे **वेबसाइट विवरण:** www.ireps.gov.in सूचना पट्ट वह स्थान जहाँ निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है: मुख्य कार्यशाला प्रबंधक का कार्यालय, कैरिज रिपेयर शॉप, तिरुपति

अधिक निविदा शर्तों/विवरणों (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) और निविदा दस्तावेजों, शुद्धिपत्र को डाउनलोड करने के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर जाएँ।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कैरिज रिपेयर शॉप, तिरुपति

सं.NW/148/NWIII/ निविदा सूचना/2025-26 दिनांक: 28.07.2025 PUB/0913

निविदा का विवरण www.ireps.gov.in पर पहले ही अपलोड किया जा चुका है।

क्रम सं.: 1 निविदा सं.: टी-202526-3-044 **प्राधिकारी:** समन्वयक **कार्य का विवरण:** दिव्यांगजन सुविधाओं (सिविल) (एबीएसएस और स्टेशन विकास के अलावा) स्टेशनों का नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार डीईएन/डब्ल्यू/एनईडी अनुभाग में सुधार। **निविदा मूल्य :** ₹57935611.14 **पूर्व धरोहर राशि:** ₹439700.00 **पूरा करने अवधि:** 9 महीने **निविदा प्रपत्र की लागत:** ₹0 **समान प्रकृति का कार्य (50 लाख से अधिक लागत के लिए):** कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्य/क्षेत्रीय कार्यों को छोड़कर)।

क्रम सं.: 2 निविदा सं.: T-202526-2- 045 **प्राधिकारी:** समन्वयक **कार्य का विवरण:** नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार दिव्यांगजन सुविधाओं (सिविल) (एबीएसएस और स्टेशन विकास के अलावा) स्टेशनों में सुधार - डीईएन/एनई/एनईडी अनुभाग। **निविदा मूल्य:** ₹40391713.93 **बयाना राशि:** ₹352000.00 **समापन अवधि:** 9 महीने **निविदा प्रपत्र की लागत:** ₹0 समान प्रकृति का कार्य (50 लाख से अधिक लागत के लिए): कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्य/क्षेत्रीय कार्यों को छोड़कर)।

उपर्युक्त निविदा 19.08.2025 को 15.00 बजे बंद हो जाएगी।

वरिष्ठ डीईएन/समन्वय/नांदेड़

ई-निविदा सूचना सं. N-SG-36-2025-26-HBL-11 दि. 25.07.2025 PUB/0914

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/एनईडी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

निविदा सं. और तिथि: N-SG-36-2025-26-HBL-11 दिनांक 25.07.2025 **कार्य का नाम:** नांदेड डिवीजन में 25 स्थानों पर एचबीएल मेक की एकीकृत विद्युत आपूर्ति (आईपीएस) का दो वर्ष की अवधि के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी)। **अनुमानित परियोजना लागत:** ₹80,00,000/- **बोली सुरक्षा:** ₹1,60,000/- **कार्य पूरा करने की अवधि:** 24 महीने **बोली समाप्ति तिथि (बोली देय तिथि):** 18.08.2025 को 15:00 बजे **बोली खुलने की तिथि:** 18.08.2025 को 15:00 बजे के बाद प्रस्ताव की वैधता: बोली समाप्ति तिथि से 60 दिन **निविदा पुस्तिका की लागत:** ₹0/-

सभी बोलियाँ भारतीय रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर हैं। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता/नांदेड़
A1115
अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.: SCR-BZA-SNT-E09-OT-25-26 दि. : 28.07.2025 PUB/0918

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक: 22.08.2025 को अपराह्न 3.30 बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

निविदा सूचना सं.: एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-ई09-ओटी-25-26 दिनांक: 28.07.2025 **कार्य का नाम:** विजयवाड़ा मंडल: सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग: टेट्टू (टीटीयू) से संबंधित एसएंडटी कार्य: आरपीडीसी लिमिटेड के लिए बीजेडए मंडल एससी रेलवे के टेट्टू रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करने वाले रामायपट्टनम में ग्रीनफील्ड के लिए प्रस्तावित रेल अवसंरचना। **निविदा मूल्य:** ₹6,27,81,626.46 **प्रति शेयर ईएमडी:** ₹4,63,900.00 केवल ऑनलाइन या बोली सुरक्षा के माध्यम से। **सीटीबी:** शून्य। समापन अवधि: 365 दिन। **समापन तिथि और समय:** 22.08.2025 15.30 बजे।

1. निविदा की शर्तें/अन्य विवरण जैसे कार्य का पूरा नाम, उपरोक्त कार्यों की समान प्रकृति, पात्रता मानदंड आदि वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध हैं। संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी निविदा में किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र को नोट करने के लिए निविदा समाप्ति की तिथि से पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 3. निविदा सूचना, मंडल रेल प्रबंधक (सिग्नल एवं दूरसंचार), एस.सी. रेलवे, विजयवाड़ा के कार्यालय में स्थित सूचना पट्ट पर भी प्रदर्शित की गई है। 4. रेलवे बिना कोई कारण बताए निविदा को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हमारी साइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), विजयवाड़ा

ई-निविदा सूचना सं. : एस एंड टी/13/2025 दि. 29.07.2025 PUB/0920

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (अनुरक्षण), दक्षिण मध्य रेलवे, गुंतकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 22.08.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम. सं.: 1 निविदा सं.: 01-एसएनटी- 13-2025 **कार्य का विवरण** (सिग्नल और दूरसंचार कार्य): दक्षिण मध्य रेलवे गुंटकल डिवीजन ईडीडी (सहित) - डीएचएनई बीईवाई (सहित) खंड (कुल 8 स्टेशन और 4 एलसी) आरडीए-सओ/ आरडीपीएम/ एफआरएस/ 2021, दिनांक: 06-05-2021 के अनुसार रिमोट डायग्नोस्टिक और प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस सिस्टम (आरडीपीएमएस) का प्रावधान और संपत्ति रखरखाव और प्रबंधन के लिए एनालिटिक्स का प्रावधान। 4- रोड स्टेशन: एड्डुलाडोड्डी, रंगापुरम, बेथमचेरला, बुग्गनीपल्ले 5- रोड स्टेशन: पेंडेकल्लू, मल्लियाला, मलकापुरम 6- रोड स्टेशन: डोन मध्य सेकंड एलसी गेट: एलसी संख्या 141,149, 161, 162 **विज्ञापित कार्य का निविदा मूल्य:** ₹7,11,97,538.70 **पूधरा:** ₹5,06,000.00 **समापन अवधि:** 12 महीने

क्रम सं.: 2 निविदा सं.: 02-एसएनटी-13-2025 कार्य का विवरण (सिग्नल और दूरसंचार कार्य): विश्वसनीयता सुधार के संबंध में सिग्नलिंग व्यवस्था गुंटकल डिवीजन में ऑटो फ्यूज चेंज ओवर सिस्टम और डिजिटल ईएलडी के प्रावधान के लिए कार्य। **कार्य का विज्ञापित निविदा मूल्य:** ₹5,18,74,772.00 **पूधरा:** ₹4,09,400.00 **समापन अवधि:** 12 महीने

क्रम सं.: 3 निविदा सं.: 03-एसएनटी-13-2025 **कार्य का विवरण** (सिग्नल और दूरसंचार कार्य): गुंटकल डिवीजन में विश्वसनीय सिग्नलिंग के लिए अर्थिंग और सर्ज प्रोटेक्शन सिस्टम का सुदृढ़ीकरण। **कार्य का विज्ञापित निविदा मूल्य:** ₹5,96,44,981.00 **पूधरा:** ₹4,48,200.00 समापन अवधि: 12 महीने

यदि निविदाएं खोलने की तिथि बाद में अवकाश घोषित होती है, तो निविदाएं निर्धारित समय पर अगले कार्य दिवस पर खोली जाएंगी। प्रस्ताव की वैधता खुलने की तिथि से 60 दिनों तक होनी चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो उपरोक्त निविदा सूचना के लिए केवल ऑनलाइन माध्यम से शुद्धिपत्र जारी किया जाएगा। निविदा की अन्य शर्तों/विवरणों और निविदा दस्तावेज़ डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

A1132 **वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, अनुरक्षण, गुंतकल**
अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No 2619357P LNK Manoj Rathod R/o Village: Alur LT No 2, PO: Alur, Tehsil-Indi, Dist.: Vijayapura, State -Karnataka, Pin-586111, Do hereby declare that my wife name in my service records is wrongly recorded as ARATI TUKARAM RATHOD instead the correct name is ARATI MANOJ RATHOD hence now she will be known as ARATI MANOJ RATHOD for all purpose. Affidavit Signed and Notary by Advocate G. Sathyanarayana on Dt. 28-08-2025.

CHANGE OF NAME
I, No 2619357P LNK Manoj Rathod R/o Village: Alur LT No 2, PO: Alur, Tehsil-Indi, Dist.: Vijayapura, State -Karnataka, Pin-586111, Do hereby declare that my wife name in my service records is wrongly recorded as ARATI TUKARAM RATHOD instead the correct name is ARATI MANOJ RATHOD hence now she will be known as ARATI MANOJ RATHOD for all purpose. Affidavit Signed and Notary by Advocate G. Sathyanarayana on Dt. 28-08-2025.

CHANGE OF NAME
I, PERIA SWAMY SATHIYA Spouse of Service No.15334071Y Hav SENTHIL KUMAR A, Resident of H. no. 3-3C Velankanni Street, Vill and PO:Azhagappapuram, Teh:Agasteeswaram, Dist:Kanyakumari, Tamilnadu-629401 have changed my name from PERIA SWAMY SATHIYA to SATHIYA P vide affidavit dt:29-7-2025 before G. Shoba, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SK PIARIJAN Mother of Army No. 2625932F Sep ABDUL BAJIBABA, Resident of Door No. 20-35/2, Vill:DarveshPalem, PO &Teh:Nizampatnam, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522314 have changed my name from SK PIARIJAN to SHAIK PYARIJAN vide affidavit dt:29-7-2025 before G. Shoba, advocate and notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

सिरपुर विधायक ने किया पीएम श्री स्कूल का दौरा, शिक्षकों को दी बधाई

कागजनगर, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने मंगलवार को पेंचिकलपेट मंडल केंद्र स्थित शासकीय जिला परिषद हाई स्कूल का दौरा किया। यह स्कूल केंद्र सरकार की पीएम श्री योजना के तहत जिले के सर्वश्रेष्ठ स्कूल के रूप में चुना गया है। विधायक ने स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

स्कूल के लिए वित्तीय सहायता

डॉ. हरीश बाबू ने बताया कि केंद्र सरकार ने पीएम श्री योजना के तहत स्कूल के लिए 18 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इसके अतिरिक्त, सर्वश्रेष्ठ स्कूल के रूप में चयनित होने पर स्कूल को 15 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि स्कूल में प्रयोगशाला और अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।

छात्रों को प्रेरणा और पाठ

इस अवसर पर विधायक ने छात्रों को संबोधित करते हुए अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और अपने माता-पिता तथा शिक्षकों का नाम रोशन करने का आह्वान किया। इसके बाद, उन्होंने दसवीं कक्षा के छात्रों को प्लास्टर ऑफ पेरिस विषय पर एक विशेष पाठ भी पढ़ाया।

इस कार्यक्रम में स्कूल की प्रधानाचार्या विजया निर्मला, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश्वर, घनपुरम नागेश, राजन्ना, प्रभाकर, साई किरण, अन्य शिक्षकगण और स्थानीय नेतागण उपस्थित रहे।

तेलंगाना वैद्य विधान परिषद आयुक्त ने किया कागजनगर सामुदायिक अस्पताल का दौरा

अस्पताल का निरीक्षण और सेवाओं पर चर्चा

कागजनगर, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना वैद्य विधान परिषद आयुक्त डॉ. अजय कुमार ने मंगलवार सुबह कागजनगर के सामुदायिक अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं और मौजूदा कमियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

सिरपुर विधायक के सुझाव

कार्यक्रम में शामिल सिरपुर विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने अस्पताल की सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने शल्य चिकित्सा और सर्जिकल सेवाओं को और उन्नत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, सामुदायिक अस्पताल में प्रसव संबंधी ऑपरेशन शुरू करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने बेज्जुर में 30 बिस्तरों वाले नए भवन के निर्माण और सिरपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों में चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने का अनुरोध किया।

नया अस्पताल भवन और ट्रॉमा केयर सेंटर

इसके बाद, डॉ. अजय कुमार ने त्रिशूल पहाड़ स्थित अतिथि गृह क्षेत्र का निरीक्षण किया। विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने सुझाव दिया कि नव स्वीकृत 100 बिस्तरों वाले अस्पताल भवन को ध्वस्त कर मुख्य मार्ग के निकट नया भवन बनाया जाए। इससे शहरी निवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ मिलेंगी और घायलों के लिए ट्रॉमा केयर सेंटर की सेवाएँ उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि मुख्य मार्ग के निकट यह स्थान अधिक सुविधाजनक होगा।

इस अवसर पर सामुदायिक अस्पताल के अधीक्षक डॉ. चेन्ना केशव राव, डीएमएचओ डॉ. सीताराम, चिकित्सक डॉ. हर्षवर्धन, डॉ. हरिका, डॉ. विजय कुमार, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर एकलव्य मॉडल स्कूल में उत्साहपूर्ण आयोजन

कागजनगर, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर कागजनगर के एकलव्य मॉडल स्कूल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्कूल में चित्रकला, भाषण और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए स्कूल परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूल की प्रधानाचार्या कनिका वर्मा, वन रेंज अधिकारी (एफआरओ) अनिल कुमार, उप वन रेंज अधिकारी बी. हेमलता और वन विभाग के कर्मचारियों की उपस्थिति में छात्रों ने मिलकर पौधे लगाए।कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ ने भी सक्रिय योगदान दिया। यह आयोजन न केवल छात्रों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मंच बना, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सिंगरेनी के सीएमडी एन.बलराम ने एससीसीएल में 20,000 पौधे लगाकर रिकॉर्ड बनाया

मंचेरियाल, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन बलराम ने व्यक्तिगत रूप से 20,000 पौधे लगाकर एक रिकार्ड बनाया है अपने जन्मदिन के अवसर पर बलराम ने मंगलवार को कोठागुडेम क्षेत्र में जी.के. ओपनकास्ट कोयला खदान के ओवरबर्डन डंप पर 225 पौधे लगाए जिससे आधिकारिक तौर पर इनकी संख्या 20,000 के आंकड़े को पार कर गई बलराम कथित तौर पर देश के पहले सिविल सेवा अधिकारी हैं जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से वृक्षारोपण के प्रयासों में यह उपलब्धि हासिल की है पर्यावरण प्रेमी होने के नाते उन्होंने 5 जून 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षार-ोपण अभियान शुरू किया था तब से उन्होंने एससीसीएल के 53 स्थानों पर 20,000 पौधे लगाए है तेलंगाना ट्री मैन' के नाम से लोकप्रिय बलराम ने हरित पहल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से कई लोगों को प्रेरित किया है जिसमें इस वर्ष 6 जुलाई को रामागुंडम-1 क्षेत्र में एक ही दिन में 500 पौधे लगाना भी शामिल है उनके प्रयासों को श्रमिकों अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से समान रूप से सराहना मिली है इस बीच एससीसीएल में चल रहे।

मौसमी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए सावधानियां बरतें : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 29 जुलाई 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में मौसमी बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के प्रसार को रोकने के लिए व्यापक सावधानियां बरती जा रही हैं।

मंगलवार को तेलंगाना वैद्य विधान परिषद आयुक्त अजय कुमार ने अपने जिला दौरे के दौरान एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में कलेक्टर कक्ष में जिला कलेक्टर से मुलाकात की।

मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण के लिए कदम

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने बताया कि भारी बारिश के कारण अगले तीन महीनों में मौसमी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, उन्होंने सरकार से अस्पतालों में रिक्त पदों को भरने की आवश्यकता पर बल दिया।

अस्पतालों का निरीक्षण और रिपोर्ट

तेलंगाना वैद्य विधान परिषद आयुक्त अजय कुमार ने कहा कि अपने दौरे के दौरान वे सरकारी और निजी अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान बुखार वार्डों में उपलब्ध सुविधाओं, डॉक्टरों और कर्मचारियों की उपलब्धता, दवाओं की आपूर्ति, प्रयोगशालाओं में किए गए चिकित्सीय परीक्षणों, मरीजों को दिए जाने वाले पौष्टिक भोजन, स्वच्छता प्रबंधन और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसे मामलों की स्थिति का जायजा लिया जाएगा। इसके अलावा, बुखार से पीड़ित मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं की समीक्षा की जाएगी।

पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए 2 सरकारी छात्रावास स्वीकृत, विधायक भीमराव केराम के प्रयास सफल

किनवट, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। किनवट विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक भीमराव केराम की ओर से पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए आवासीय शासकीय छात्रावास की मांग को सफलता मिली है। सामाजिक न्याय मंत्री संजय सिरसाठ ने विधायक केराम को पत्र लिखकर सूचित किया है कि किनवट तहसील में 100-100 विद्यार्थियों की क्षमता वाले दो सरकारी छात्रावासों को मंजूरी दे दी गई है। इन छात्रावासों के निर्माण से पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों की आवासीय शिक्षा की समस्या का स्थायी समाधान होगा, जिससे अभिभावकों में भी संतोष की भावना व्यक्त की जा रही है।

पिछड़े वर्ग के छात्रों की शैक्षणिक समस्याएं

किनवट तहसील एक सुदूर और पिछड़ा क्षेत्र है, जहां पिछड़े वर्ग के छात्रों की संख्या काफी अधिक है। हालांकि, छात्रावास सुविधाओं के अभाव के कारण इन छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

गांवों से हजारों छात्र शहरों में किराए के कमरों में रहकर या लंबी दूरी तय करके पढ़ाई करने को मजबूर थे। इस समस्या को देखते हुए विधायक भीमराव केराम ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सामाजिक न्याय मंत्री संजय सिरसाठ को पत्र लिखकर तीन सरकारी छात्रावासों की मंजूरी की मांग की थी। इनमें 100 छात्रों की क्षमता वाला एक छात्रावास लड़कों के लिए, 100 छात्रों की क्षमता वाला एक छात्रावास लड़कियों के लिए, और 200 छात्रों की क्षमता वाला एक अनुसूचित जाति वर्ग के लिए प्रस्तावित था।

छात्रावास निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध

विधायक केराम ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि छात्रावास निर्माण के लिए गोकुंदा में ग्रुप क्रमांक 176 में 10 एकड़ जमीन उपलब्ध है। किनवट में आयोजित विश्व बौद्ध सम्मेलन के दौरान विधायक ने सामाजिक न्याय मंत्री संजय सिरसाठ के समक्ष पिछड़े वर्ग के छात्रों की शैक्षणिक असुविधाओं का मुद्दा उठाया था। इस मांग पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मंत्री सिरसाठ ने विधायक को पत्र लिखकर सूचित किया कि किनवट तहसील में पिछड़े वर्ग के लड़के-लड़कियों के लिए 100 विद्यार्थियों की क्षमता वाले दो सरकारी छात्रावासों को मंजूरी दी गई है।

विधायक केराम का आभार

विधायक भीमराव केराम ने इस उपलब्धि पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, किनवट विधानसभा क्षेत्र के ढांचागत विकास के साथ-साथ विद्यार्थियों का शैक्षणिक विकास मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षा ही सर्वांगीण प्रगति का एकमात्र मार्ग है। मैंने यह नैतिक दायित्व समझते हुए छात्रावासों का मुद्दा उठाया था ताकि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के पिछड़े वर्ग के गरीब विद्यार्थी सुविधाओं के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहें। मैं राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सामाजिक न्याय मंत्री संजय सिरसाठ के प्रति आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मेरी मांग पर संज्ञान लेते हुए दो सरकारी छात्रावास स्वीकृत किए।

स्थायी समाधान की ओर कदम

इन छात्रावासों के निर्माण से किनवट तहसील में आदिवासी छात्रों के लिए पहले से मौजूद आवासीय आश्रम स्कूलों और सरकारी छात्रावासों की तर्ज पर अब पिछड़े वर्ग के लड़के-लड़कियों को भी आवासीय सुविधाएं मिलेंगी। इससे उनकी शैक्षणिक समस्याओं का स्थायी समाधान होने की उम्मीद है। यह कदम क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने और पिछड़े वर्ग के छात्रों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

झरी पुल निर्माण के लिए विधायक पवार रामाराव पटेल ने दिए स्टीमेट तैयार करने के आदेश

तानूर, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुधोल विधायक पवार रामाराव पटेल ने भारी बारिश के कारण झरी गांव में बार-बार जलमग्न होने वाले पुल के निर्माण के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

झरी गांव में हर साल बरसात के मौसम में यातायात की गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिससे ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इस समस्या को देखते हुए विधायक पटेल ने गांव का दौरा किया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को चार दिनों के भीतर पुल निर्माण के लिए स्टीमेट तैयार करने का आदेश दिया।

ग्रामीणों की समस्याएं और रास्ता रोको आंदोलन

पिछले कई वर्षों से झरी गांव के लोग बरसात में पुल के जलमग्न होने के कारण यातायात में बाधा का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों ने इस समस्या के समाधान के लिए जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से कई बार गुहार लगाई, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं हुआ। नाराज ग्रामीणों ने हाल ही में बेलतरोड़ा चौराहे पर 2-3 घंटे तक हाईवे पर रास्ता रोको आंदोलन भी किया।हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण उत्पन्न समस्याओं को देखते हुए विधायक पवार रामाराव पटेल ने झरी गांव का दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कई सुझाव दिए और कहा कि वे जल्द ही संबंधित विभाग के मंत्री से मिलकर इस मुद्दे को उठाएंगे। विधायक ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वे इस समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करेंगे।

पूर्व शासकों पर आरोप

विधायक पटेल ने पूर्व शासकों पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से मुधोल निर्वाचन क्षेत्र में काम करने वाले शासकों ने क्षेत्र के विकास में कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा, पिछले दस वर्षों से सत्ता में रहे शासकों ने इस समस्या का समाधान क्यों नहीं किया? केवल ग्रामीणों को गुमराह करने का काम किया गया। उन्होंने वादा किया कि अब इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा और इसके लिए धनराशि स्वीकृत कराई जाएगी।

स्टीमेट तैयार करने का आदेश

विधायक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे चार दिनों के भीतर झरी पुल निर्माण के लिए विस्तृत स्टीमेट तैयार करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बार कोई देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ग्रामीणों की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।यह कदम न केवल झरी गांव के लिए राहत लेकर आएगा, बल्कि यह क्षेत्र में यातायात और बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

भगत की कोठी एक्सप्रेस के ठहराव के लिए प्रवासियों ने सौंपा अनुरोध पत्र

मंचेरियाल, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले में रहने वाले राजस्थानी प्रवासियों ने चेन्नई से जोधपुर के बीच चलने वाली भगत की कोठी सुपरफास्ट एक्सप्रेस (गाड़ी क्रमांक 20625/20626) के मंचेरियाल स्टेशन पर ठहराव की मांग को लेकर साउथ सेंट्रल रेलवे के जनरल मैनेजर (जीएम) और अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) को कई बार अनुरोध पत्र सौंपा, लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

प्रवासियों की मांग और प्रयास

हाल ही में, प्रवासी समुदाय ने मंचेरियाल स्थित भाजपा कार्यालय में जाकर स्थानीय भाजपा अध्यक्ष वेंकट रघुनाथ को एक अनुरोध पत्र सौंपा। उन्होंने रघुनाथ से मांग की कि वे इस पत्र को स्वीकार कर मंचेरियाल स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव को अनिवार्य करवाने में सहायता करें, ताकि प्रवासी अपने गंतव्य स्थानों तक आसानी से पहुंच सकें। प्रवासियों ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी कई बार पत्र लिखकर अपनी मांग रखी, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

रघुनाथ का आश्वासन

प्रवासियों की मांग को सुनने के बाद, भाजपा अध्यक्ष वेंकट रघुनाथ ने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लेंगे और प्रवासियों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उनके इस आश्वासन से प्रवासी समुदाय में आशा की किरण जगी और खुशी की लहर दौड़ गई।

इस अवसर पर प्रवासी समुदाय के सदस्यों में कृष्णा सोलंकी, शांतिलाल गहलोत, नेपाल सिंह, गोविंद पटेल, अशोक परमार, पेप सिंह और भाजपा कार्यकर्ता राकेश रेनवा उपस्थित रहे।

यह प्रयास मंचेरियाल में रहने वाले राजस्थानी प्रवासियों के लिए रेल सुविधाओं को बेहतर बनाने और उनके यात्रा अनुभव को सुगम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

CHANGE OF NAME

I, ROOPA GUNDETI (old name) D/o SUDHARSHAN,R/o H.No:1-2-169, Street: PRAKSHAM ROAD, Town &Mandal: KORUTLA, Pin code: 505326 Dist: JAGTIYAL, Telangana state, India, have changed my name to VASALA KALYANI W/o VIJAY. Here after my name is known as VASALA KALYANI W/o VIJAY.

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार 3.15 करोड़ लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है : उत्तम कुमार रेड्डी

हुजूरनगर, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस सरकार राज्य की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी, यानी 3.15 करोड़ से ज्यादा लोगों के लिए अभूतपूर्व खाद्य सुरक्षा, पोषण और सामाजिक न्याय सुनिश्चित कर रही है।

नलगोंडा जिले में राशन कार्ड वितरण

अविभाजित नलगोंडा जिले के एक दिन के दौरे के दौरान, रेड्डी ने पेद्दावूरु, हुजूरनगर, कट्टंगुर, भूदन पोचमपल्ली और अलैर जैसे कई निर्वाचन क्षेत्रों में नए राशन कार्ड वितरित किए। उनके साथ अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी पहल

रेड्डी ने कहा कि यह अभियान कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी नीतियों का हिस्सा है, जो इस वर्ष की शुरुआत में फाइन राइस योजना के शुभारंभ के साथ शुरू हुआ था। उन्होंने कहा, हम केवल चावल नहीं दे रहे, बल्कि सम्मान, पहचान और आदर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने इसे पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार की उपेक्षा से एक स्पष्ट बदलाव बताया।

राशन कार्ड और लाभार्थियों की स्थिति

28 जुलाई 2025 तक, राज्य में लगभग 98 लाख सक्रिय राशन कार्ड हैं, जो 3.15 करोड़ से अधिक लोगों को कवर करते हैं। जनवरी से अब तक 7.95 लाख से अधिक नए कार्ड जारी किए गए हैं, और 11.3 लाख अतिरिक्त लाभार्थियों को जोड़ा गया है।रेड्डी ने कहा कि फाइन राइस योजना, जो प्रत्येक व्यक्ति को प्रति माह 6 किलोग्राम प्रीमियम चावल प्रदान करती है, अब देश का सबसे महत्वाकांक्षी खाद्य कल्याण कार्यक्रम है।

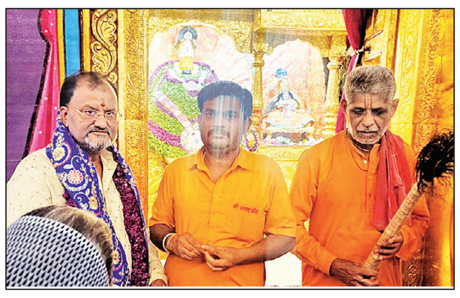

पहाड़ी श्याम मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया ने अपने जन्मदिन के शुभ अवसर पर काचीगुडा स्थित श्री श्याम मंदिर में बाबा श्यामजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।इस विशेष दिन पर, अरुण डाकोतिया ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और बाबा श्यामजी से सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उनके साथ परिवार के सदस्य और शुभचिंतक भी उपस्थित थे, जिन्होंने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

आंध्र प्रदेश: 25 अगस्त से लाभार्थियों को वितरित किए जाएंगे स्मार्ट राशन कार्ड

विजयवाड़ा, 29 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के नागरिक आपूर्ति मंत्री नदेंडला मनोहर ने घोषणा की है कि नए स्मार्ट राशन कार्ड का वितरण 25 अगस्त से शुरू होगा।

मंगलवार को विजयवाड़ा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मंत्री मनोहर ने बताया कि स्मार्ट राशन कार्ड 25 अगस्त से 31 अगस्त तक लाभार्थियों को वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, राज्य में 1,45,97,486 राशन कार्ड धारक हैं। सभी राशन कार्ड धारकों को नए स्मार्ट राशन कार्ड जारी किए जाएंगे। विधायक और मंत्री अपने-अपने क्षेत्रों में स्मार्ट राशन कार्ड वितरण के लिए बैठकें आयोजित करेंगे। पुराने पारंपरिक राशन कार्डों के स्थान पर नए स्मार्ट राशन कार्ड दिए जाएंगे।

केवाईसी में अग्रणी उपलब्धि

नागरिक आपूर्ति मंत्री ने रेखांकित किया कि आंध्र प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने राशन कार्ड के लिए 96.05 प्रतिशत केवाईसी (घधउ) प्रक्रिया पूरी की है। उन्होंने बताया कि राज्य भर से राशन कार्ड में बदलाव और जोड़ के लिए प्राप्त 16,08,612 आवेदनों में से 15,32,758 आवेदनों का सकारात्मक समाधान किया गया, जबकि केवल 4.72 प्रतिशत आवेदन खारिज किए गए।

स्मार्ट राशन कार्ड की विशेषताएं

मंत्री ने बताया कि पुराने पारंपरिक राशन कार्डों को स्मार्ट राशन कार्डों से बदलने के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं। नए स्मार्ट राशन कार्ड में परिवार के मुखिया की तस्वीर होगी। ये कार्ड क्यूआर कोड के माध्यम से डायनामिक की रजिस्टर से जुड़े होंगे, जिससे लेनदेन होते ही यह केंद्रीय कार्यालय में दर्ज हो जाएगा।

अग्रवाल समाज घांसी बाज़ार झूला शाखा द्वारा आज सिटी कॉलेज के पास एक अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य में समाज के कई गणमान्य सदस्यों और स्वयंसेवकों ने भाग लिया।इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख सदस्यों में अनिल धरौवाला, हरि नारायण, शिव भगवान, बबीता मित्तल, मनोज मित्तल, कमल अग्रवाल, योगेंद्र अग्रवाल, गोविंद पचेरिया, मनोज गौशालावाला, सज्ञन अग्रवाल, शिव कुमार, दीपा अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, मीना अग्रवाल, लता अग्रवाल, दीपक पचेरिया, नारायण अग्रवाल, और यश अग्रवाल शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.